एक्शन प्लान

अगले दशक में सर्वाइवर नेतृत्व के लिये कार्य योजना

2023 - 2033

एक वैश्विक, सर्वाइवर नेतृत्व वाले, तस्करी विरोधी आंदोलन के सह-निर्माण के लिये एक साझा दृष्टिकोण और योजना

अगले दशक में सर्वाइवर नेतृत्व के लिये कार्य योजना (एक्शन प्लान)

2023 - 2033

Copyright © Survivor Alliance 2023

यह प्रकाशन बिना कोई भी बदलाव किये और सर्वाइवर एलायंस को श्रेय प्रदान करते हुये किसी भी मीडिया में गैर-व्यावसायिक रूप से पुनर्वितरित किया जा सकता है।

श्रेय:

कार्य योजना कार्य समूह के सदस्य:

अबिशागी नदिरांगु, अबू रीटा, अलिसिया ले, अवाह फ्रांसिस्का मबुली, बाबाटुंडे इब्राहिम ओयेनेकन, ब्वाल्या मवेन्या, कालेब चार्ल्स न्ग'ओम्बो, कैरोलिन अधियाम्बो, चार्ली क्विन टेबो एलएमएसडब्ल्यू, चिलियन इफी अज़ुह, क्लाउडिया यूरली क्विंटरो रोलन, सिंथिया बेली, डेविड के. औसी, डॉन शिलर, एरिक हैरिस बीएसडब्ल्यू एचटीएफसी, डायना मार्सेला ऑर्टिज़ मेसा, एस्थर ओ., फिरोजा खातून, गॉडफ्रे कैनुटी मपांडिकिज़ी, गुंजीत कौर, हद्दासा ढाहाबू, इमान खान, जेसिका के, जो वॉकर, करौ लिलिथ लोवेनस्टीन, कीहिन्दे ओजो, किआ डुपक्ले, लुमिएरे मवाविता, मनोज एच. गुरानी, मरियम अवोरी, मिशेल एम. नदहाशुबा, मिलियम कामाऊ, मौमिता बिस्वास, सुश्री डिचेन चोडेन, नसीमा गेन, रीता कौशिक, रोशोनारा खातून, एस. आर. अहमद, एस.एम. फ्लोयड एमएसएसडब्ल्यू, सारा एस., शाहिद इलियास, शिवन पाविन अलुंगनाट, सोनाली प्रियदर्शिनी, स्टेफ़नी मैकऑले, स्टीफ़न एडो, ताईने नून्स डॉस सैंटोस, तजमीरा खातून, टेरेसा राचेल मेरीवेदर, उपेंदो चिटिंका, विल्ज़, येसेनिया डियाज़, ज़ुरिसाडे क्विंटरो, और चार बेनाम योगदानकर्ता।

हम उन 170 सर्वाइवर नेताओं के योगदान को भी मान्यता देना चाहते हैं जिन्होंने सर्वाइवर नेतृत्व की साझा दृष्टि का निर्माण किया, और 72 सर्वाइवर नेताओं का जिन्होंने इस दस्तावेज़ के पुराने संस्करण की समीक्षा की और उस पर प्रतिक्रिया प्रदान की।

विज़निंग वर्कशॉप के फैसिलिटेर्स:

एन्क्सहेला ब्रूसी, शनैल डायोन, शे नेस्टर, और ज़ुहुरा हुसैन।

एक्शन प्लान वर्किंग ग्रुप फैसिलिटेर्स:

एंक्शेला ब्रूसी, भीम कुमार नेवार, एसेओसा एगुआमवेन्से, रिबका लेटन और ज़ुहुरा हुसैन। हम अपने समर्पित फैसिलिटेर्स को हार्दिक धन्यवाद देते हैं, जिनके जुनून, प्रतिबद्धता और सुरक्षित, सहयोगी स्थान बनाने की क्षमता ने इस प्रक्रिया को सार्थक और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम इस दस्तावेज़ का मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार करने और इसकी समीक्षा करने में उनके योगदान की भी सराहना करते हैं।

प्रतिलिपि संपादन: चिनेलो ओनवुअलु

चित्रण: विदुषी यादव

ग्राफिक डिज़ाइन: जेमी रोसलैंड

अतिरिक्त योगदानकर्ता:

काति हिनमैन, मेगन वूरहिस, और टेलर ए. लैंग

हम उन सभी दुभाषियों (इंटरप्रिटर्स) को भी धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने कनेक्टिविटी चुनौतियों से निपटते हुए, विभिन्न भाषाओं में संवाद करने और रणनीति बनाने में हमारी मदद की।

सर्वाइवर एलायंस:

डेनिएला फोंकाट्ज़ और शनैल डायोन क्रमश: निदेशक और समन्वयक के रूप में हमारे आंदोलन निर्माण (मूवमेंट बिल्डिंग) टीम में शामिल होने वाले पहले सदस्य थे। उन्होंने विज़निंग वर्कशॉप, एक्शन प्लान वर्किंग ग्रुप, सदस्य फीडबैक सत्र और इस एक्शन प्लान दस्तावेज़ के समग्र विकास के लिये रणनीति, प्रक्रिया और कार्यप्रणाली के डिज़ाइन और कार्यान्वयन का नेतृत्व किया। इस प्रक्रिया में दिल लगाकर काम करने के लिए और दुनिया भर से जुड़े लोगों के प्रति अपना दिल खोलने के लिए हम डेनिएला और शनैल को अपनी टहे दिल से आभार व्यक्त करना चाहते हैं। हम इस योजना को बनाने के लिये सर्वाइवर नेताओं को एक साथ लाने और पूरी प्रक्रिया में रणनीतिक प्रतिक्रिया प्रदान करने के उनके दृष्टिकोण के लिये हमारी संस्थापक और कार्यकारी निदेशक मिन्ह डांग को भी धन्यवाद देना चाहते हैं।

सर्वाइवर एलायंस पोर्टिकस और वॉक फ्री को इस एक्शन प्लान को बनाने में उनके उदार समर्थन के लिये धन्यवाद देना चाहता है।

अनुवाद: सुनीता भदौरिया (ए एस इंटरनेशनल)

कार्य योजना रूपरेखा

विषयसूची

।परिचय 5
इस कार्य योजना (एक्शन प्लान) का सह-निर्माण कैसे किया गया 7
हमारा साझा दृष्टिकोण (विज़न) 9
कार्य योजना (एक्शन प्लान) 10
वैश्विक तस्करी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर 12
निर्णय लेने की स्थिति में सर्वाइवर 24
प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान कर रहे सर्वाइवर 30
ज्ञान के उत्पादन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर 36
हमारी क्षमता का निर्माण 41
हमारी सहभागिता में बाधाएं 43
सहयोगियों से हमारा आह्वान 47
कार्यवाही के लिये एक आमंत्रण 53
शब्दकोष 55

परिचय

मानव तस्करी, जबरन श्रम और / या आधुनिक दासता[1] से निपटने के लिये राष्ट्रीय कार्य योजनाएं अक्सर राष्ट्रीय सरकारों द्वारा तस्करी विरोधी प्रयासों[2] के प्रति अपनी प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धता को इंगित करने के लिये बनाई और जारी की जाती हैं। हालाँकि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा अपने मार्गदर्शन मैनुअल[3] में "पीड़ितों को शामिल करने" की सिफारिश की गई है, लेकिन इस तरह के व्यापक समावेशन को जिये गये अनुभव (लिव्ड एक्सपिरियन्स) वाले लोगों द्वारा देखा और महसूस किया जाना बाकी है।

अगले दशक 2023-2033 में सर्वाइवर नेतृत्व के लिये कार्य योजना (इसके बाद, "एक्शन प्लान") जो आप पढ़ने जा रहे हैं वह सर्वाइवर-नेतृत्व वाली है और सर्वाइवर-सूचित है। यह योजना एक सर्वाइवर को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करती है जो मानव तस्करी की स्थिति से बाहर निकल चुका है और एक पंजीकृत सरकारी या गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के माध्यम से सामाजिक सेवाएं प्राप्त कर रहा है या नहीं कर रहा है। सर्वाइवर वे लोग हैं जो कभी पीड़ित थे, लेकिन अब हमारे समुदाय के सदस्य हैं, और जिनकी विशेषज्ञता उनके जिये गये अनुभव से पैदा हुई है। इस परिभाषा का पालन करते हुये, सर्वाइवर नेता वे हैं जिनके पास जिये गये अनुभव की विशेषज्ञता है, जिन्होंने सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्य के लिये अपनी विशेषज्ञता साझा करने का साहसी कदम उठाया है।

इस एक्शन प्लान की रचना को सर्वाइवर एलायंस[4] - जो एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जिसका मिशन मानव तस्करी और दासता के सरवाइवर्स को तस्करी विरोधी आंदोलन के नेता बनने के लिये एकजुट करना और सशक्त बनाना है - के द्वारा समर्थित किया गया था । सर्वाइवर एलायंस की स्थापना पेशेवर क्षेत्र में कमी को पूरा करने के लिये की गई थी, जो मानव तस्करी का अनुभव रखने वाले लोगों की सेवा करता है। 2018 में संगठन के सार्वजनिक लॉन्च के समय, क्षमता निर्माण और आंदोलन निर्माण के लिये सर्वाइवर्स को एक साथ लाने के लिये कोई ठोस अंतरराष्ट्रीय प्रयास नहीं किया गया था। स्वीकृत दृष्टिकोण पीड़ितों की पहचान और अल्पकालिक संकट सहायता पर ध्यान केंद्रित करना था। दशकों से सर्वाइवर नेताओं द्वारा रोजगार के अवसर और नेतृत्व विकास जैसे दीर्घकालिक समाधानों की मांग करने के बावजूद, ये समाधान तस्करी विरोधी हस्तक्षेपों में कम ही हैं।

पलेर्मो प्रोटोकॉल[5] के अनुसमर्थन के तेईस साल - और बाद में सर्वाइवर नेताओं की कई घंटों की पैरवी – के बाद अब पेशेवर तस्करी विरोधी क्षेत्र में सर्वाइवर्स के जिये गये अनुभव को महत्व देने के प्रति सांस्कृतिक बदलाव और मानसिकता में बदलाव आ रहा है।

यह एक्शन प्लान इस चल रहे बदलाव में योगदान देता है और नीति और व्यवहार में बदलाव को प्रेरित करने की उम्मीद करता है। सर्वाइवर एलायंस इस योजना पर स्वामित्व का दावा नहीं करता है; इसे 200 से अधिक सर्वाइवर नेताओं द्वारा सह-निर्मित किया गया था और हमें आशा है कि इसमें कम से कम और 200 से अधिक द्वारा सुधार किये जायेंगे।

निम्नलिखित पृष्ठों में, आप इस योजना को बनाने के लिये अपनाई गई कार्यप्रणाली के बारे में, और हमने सर्वाइवर नेताओं को एक्शन प्लान में योगदान देने के लिये किस प्रकार के रास्ते पहलू किये हैं, उसके बारे में जानेंगे। हम इस प्रक्रिया में शामिल सर्वाइवर नेताओं की जनसांख्यिकी पर बेनामी डेटा भी साझा करेंगे।

इसके बाद, आप उस विज़न स्टेटमेंट को पढ़ेंगे जिसका उपयोग इस एक्शन प्लान को बनाने के लिये किया गया था।। विज़न स्टेटमेंट एक स्वप्न देखने का अभ्यास और एक लक्ष्य पर हमारी नज़र स्थापित करने का प्रयास, दोनों ही था। यह इस प्रश्न का उत्तर देता है: यह एक्शन प्लान हमें किस लक्ष्य की ओर ले जायेगा?

---

[1]सर्वाइवर एलायंस अपनी सदस्यता निर्धारित करने के लिये दासता और मानव तस्करी की संयुक्त राष्ट्र की परिभाषाओं का उपयोग करता है। लिखित रिपोर्टों में, हम मौजूदा प्रकाशनों और नीतियों से तालमेल बनाये रखने के लिये विभिन्न प्रकार के शब्दों का उपयोग करते हैं। संक्षिप्तता के लिये, हम इस दस्तावेज़ के शेष भाग के लिये केवल मानव तस्करी शब्द का उपयोग करेंगे।

[2]उदहारण के लिए US National Action Plan to Combat Human Trafficking, Australian National Action Plan to Combat Modern Slavery और माल्टा का National Action Plan on Human Trafficking (2020-2023)

[3]Fundamentals, Toolkit on Developing National Action Plans on Forced Labour, Geneva: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), 2020

[4]सर्वाइवर अलायन्स और हमारे आंदोलन निर्माण कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए हमारी वेबसाइट https://www.survivoralliance.org/movement-building देखें।

[5]उच्चायुक्त का संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार कार्यालय। व्यक्तियों विशेषकर महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने, दबाने और दंडित करने के लिये प्रोटोकॉल, 2000।

अगले दशक में सर्वाइवर नेतृत्व के लिये अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करने में सर्वाइवर नेताओं को शामिल करने से यह सुनिश्चित होता है, कि इस सामाजिक आंदोलन के सामूहिक प्रयासों को सीधे सर्वाइवर्स द्वारा जानकारी प्राप्त होती है। अक्सर, लक्ष्य और उद्देश्य तय होने के बाद ही सर्वाइवर लोगों को शामिल किया जाता है। हमारी कल्पनाएं और आशाएं अक्सर निर्णय लेने वालों के समान ही मानी जाती हैं; फिर भी, जिये गये अनुभव की विशेषज्ञता का पूरा उद्देश्य यह है कि यह अद्वितीय और अलग योगदान देता है।

विज़न स्टेटमेंट के बाद एक्शन प्लान आता है। एक्शन प्लान को चार विषयों में बाँटा गया है: सर्वाइवर के नेतृत्व वाला वैश्विक आंदोलन, निर्णय लेना, प्रत्यक्ष सेवाएं और ज्ञान का उत्पादन। हम प्रत्येक विषय का वर्णन करेंगे और बतायेंगे कि यह सर्वाइवर्स की व्यापक दृष्टि में कैसे सही बैठता है। फिर, विषयों को लक्ष्यों और उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये आवश्यक ठोस कार्यवाही कदमों में बाँटा जायेगा।

हम तीन अतिरिक्त अनुभाग भी प्रस्तुत करेंगे। ये प्रोजेक्ट की दूरदर्शिता और एक्शन प्लान के दौरान उभरे और इस एक्शन प्लान के सफल कार्यान्वयन के लिये प्रासंगिक हैं। सबसे पहले, हम साझा करते हैं कि सर्वाइवर नेताओं को क्षमता निर्माण के लिये क्या चाहिये। आगे, हम उन बाधाओं का वर्णन करते हैं जो सर्वाइवर नेता के जुड़ाव में बाधा बनती हैं। अंत में, हम अपने सहयोगियों से कार्यवाही का आह्वान करते हैं।

यह एक्शन प्लान इस बात के लिये एक दृष्टिकोण निर्धारित करता है कि सर्वाइवर नेतृत्व वास्तविक रूप में कैसा दिखता है, और हम वहाँ कैसे पहुँचेंगे। इस योजना को जारी करना सर्वाइवर लोगों के लिये अपना भाग्य स्वयं तय करने की दिशा में एक कदम है, और हम उन सभी को आमंत्रित कर रहे हैं जो हमारे नेतृत्व का पालन करने के लिये हमारा समर्थन करना चाहते हैं।

मिन्ह डांग
कार्यकारी निदेशक
सर्वाइवर एलायंस

इस कार्य योजना (एक्शन प्लान) का सह-निर्माण कैसे किया गया

इस एक्शन प्लान को तैयार करना 2021 में शुरू हुआ जब सर्वाइवर एलायंस ने विश्व कांग्रेस ("कांग्रेस") की मेज़बानी की, जो तस्करी विरोधी पर पूरी तरह से सर्वाइवर नेतृत्व वाला और उनके द्वारा संचालित पहला वैश्विक सम्मेलन था। कांग्रेस में 10 अलग-अलग देशों और 60 विश्वसनीय सहयोगियों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 200 सर्वाइवर नेताओं ने भाग लिया। कांग्रेस के लिये हमारा दृष्टिकोण तस्करी विरोधी और संयोजकों में सर्वाइवर नेतृत्व की दृश्यता (विजिबिलिटी) को बढ़ाना था, जो अक्सर महंगी यात्रा और पंजीकरण लागत के कारण सर्वाइवर लोगों के आदान (इनपुट) और आवाज़ से वंचित रह जाते हैं। कांग्रेस एक स्वतंत्र और सहयोगात्मक स्थान था जिसने सर्वाइवर्स और हमारे सहयोगियों को तस्करी विरोधी और दासता विरोधी आंदोलन के भीतर सर्वाइवर नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिये 10-वर्षीय योजना[6] विकसित करने के लिये एक साथ आने की अनुमति दी।

जुलाई और अगस्त 2022 में, सर्वाइवर एलायंस की मूवमेंट बिल्डिंग टीम ने 12 केवल-सर्वाइवर विज़निंग वर्कशॉप की मेज़बानी की। 20 अलग-अलग देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 170 प्रतिभागियों के साथ, प्रतिभागियों ने अपने सामूहिक अनुभवों और विशेषज्ञता के माध्यम से एक वैश्विक आंदोलन का साझा विज़न तैयार किया, जहाँ सर्वाइवर्स परिवर्तन और निर्णय निर्माताओं के रूप में आगे रहते हैं। इन स्थानों में, कोई भी सपना बहुत बड़ा नहीं था और कोई भी विचार साझा करने के लिये बहुत छोटा नहीं था। इन सहयोगी और दूरदर्शी कार्यशालाओं ने सर्वाइवर्स की बहादुरी, विचारोत्तेजक और प्रचुर मात्रा में रचनात्मक शक्ति को प्रदर्शित किया, और एक ज्ञात लेकिन अलोकप्रिय सत्य को उजागर किया:

सर्वाइवर हमारी आघात कहानियों से कहीं अधिक हैं। हम अपने आंदोलन का नेतृत्व करने में सक्षम हैं।

विज़निंग कार्यशालाओं के बाद, सर्वाइवर एलायंस ने एक एक्शन प्लान विकसित करने के लिये छह महीने की बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक रणनीतिक योजना प्रक्रिया में भाग लेने के लिये 20 देशों के 60 सर्वाइवर नेताओं का चयन किया गया। विभिन्न विषयगत विषय क्षेत्रों के अनुसार, नेताओं को छह कार्य समूहों (वर्किंग ग्रुप्स) में विभाजित किया गया था। फिर, वे प्रत्येक चुने गये विषय के लिये सामूहिक रूप से लक्ष्यों और मांगों की पहचान करने के लिये मिले।

कार्य समूहों के बाद, सर्वाइवर एलायंस ने केवल-सर्वाइवर फीडबैक सत्रों की सुविधा प्रदान की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन लोगों की आवाज़ें शामिल की जायें जो अपनी सीमित क्षमता के कारण कार्य समूहों में शामिल नहीं हो पाये थे। 12 देशों के बयासी सर्वाइवर्स ने एक्शन प्लान की समीक्षा करने और अपने इनपुट और सिफारिशें प्रदान करने के लिये मुलाकात की। 10 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त 55 सर्वाइवर्स ने अपनी लिखित प्रतिक्रिया (फीडबैक) प्रस्तुत की।

> **हमने बहुत सारी चर्चा की, और बहुत महत्वपूर्ण बिंदु उभर कर सामने आये। हम विभिन्न देशों के लोगों को एक साथ लाने में सक्षम थे ताकि वे इस बारे में बात कर सकें कि वे क्या सोचते हैं और भविष्य में उत्तरजीवी (सर्वाइवर) के नेतृत्व वाले समूह कैसे स्थापित किये जाएंगे। मैं भाग लेने और अपनी राय सामने रख पाने में सक्षम होने के लिये बहुत भाग्यशाली महसूस करती/ता हूँ"**
>
> **- कार्य समूह सदस्य**

[6]विश्व कांग्रेस के बारे में अधिक जानने के लिए आप हमारी पूरी रिपोर्ट यहाँ पढ़ सकते हैं

हमने निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश निर्णय, नीतियाँ, सेवा मॉडल, पैरवी के प्रयास और यहाँ तक कि वेतन संरचनाएं उन सहयोगियों और नेताओं द्वारा बनाई गई हैं जो हमारे जीवन के अनुभवों को साझा नहीं करते हैं। यह एक्शन प्लान इस प्रथा को बदलने का हमारा आह्वान है।

तस्करी विरोधी और दासता विरोधी आंदोलन का नेता सर्वाइवर्स को होना चाहिये।

इस एक्शन प्लान में यह संकल्पना की गई है कि अगले दशक के भीतर हम इसे कैसे साकार करेंगे।

देश के अनुसार एक्शन प्लान के प्रतिभागियों का स्थान (लोकेशन)

उन देशों को दिखाने के लिये बिंदुओं के साथ विश्व मानचित्र की एक तस्वीर जहाँ एक्शन प्लान बनाने में मदद करने वाले लोग रहते थे। एक बिंदु एक देश का प्रतिनिधित्व करता है। बिंदु मानचित्र पर फैले हुये हैं, जो वैश्विक उपस्थिति का संकेत देते हैं।

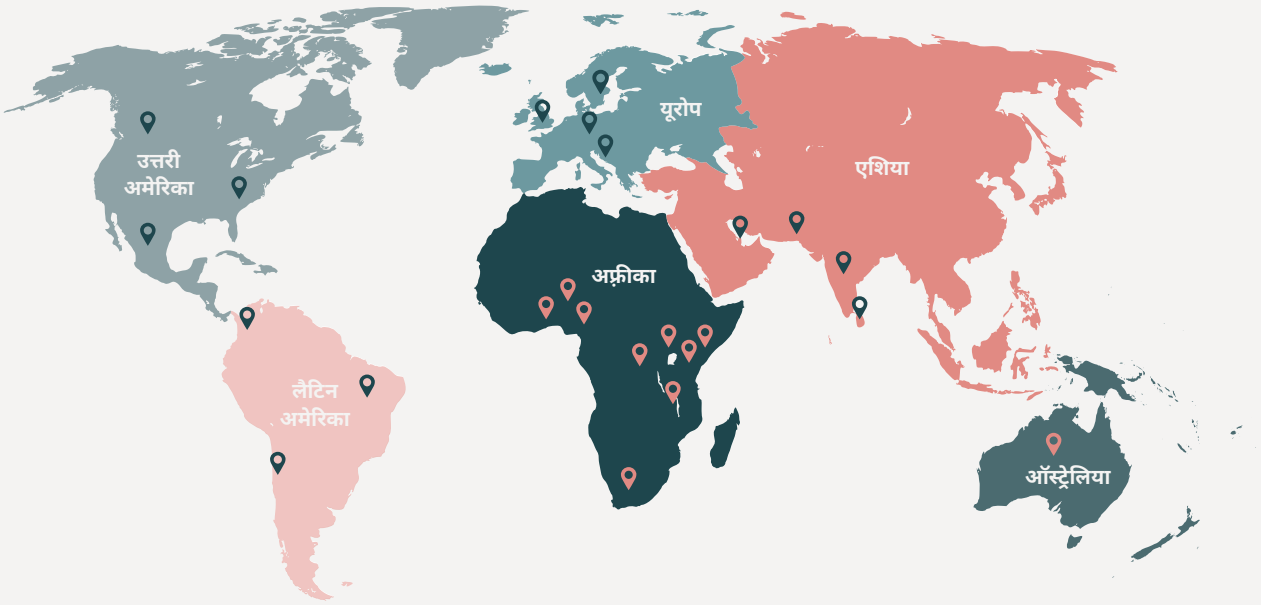

उत्तरी अमेरिका: यूएसए, कनाडा; **लैटिन अमेरिका:** ब्राज़ील, चिली, कोलंबिया, मेक्सिको; **यूरोप:** अल्बानिया, जर्मनी, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम; **अफ़्रीका:** कैमरून, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, घाना, केन्या, मलावी, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, युगांएशिया; **एशिया:** भारत, नेपाल, कतर, पाकिस्तान, श्रीलंका; **ऑस्ट्रेलिया:** ऑस्ट्रेलिया

सीमाएं

जैसा कि, हम जो कुछ भी करते हैं, उसके साथ होता है, उसी तरह इस एक्शन प्लान की भी प्रमुख सीमाएं हैं। हालाँकि बहुत से सर्वाइवर्स ने हमें अपनी राय दी है, हम यह स्वीकार करना चाहते हैं कि अभी भी ऐसे महत्वपूर्ण समूह और विचार हैं जो इस रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं या पर्याप्त रूप से नहीं सुने गये हैं। हमें उम्मीद है कि वे समुदाय इस योजना का विस्तार, संपादन और विकास करने के हमारे निमंत्रण को स्वीकार करेंगे।

हम यह भी मानते हैं कि सामूहिक आवाज़ के निर्माण में अल्पसंख्यक दृष्टिकोण और विचारों को दरकिनार किया जा सकता है। एक संपन्न समुदाय के लिये दृष्टिकोणों की विविधता आवश्यक है। हम असहमति या वैकल्पिक दृष्टिकोण के साथ सद्भावना, सहयोगात्मक बातचीत का स्वागत करते हैं।

हमारा साझा दृष्टिकोण (विज़न)

निम्नलिखित पाठ (टेक्स्ट) एक विज़निंग कार्यशाला के दौरान एक प्रतिभागी द्वारा साझा किये गये योगदान से बनाया गया था। इसे अन्य ग्यारह कार्यशालाओं के विचारों और सपनों को जोड़ कर और समृद्ध किया गया।

दस वर्षों में, सर्वाइवर्स को बदलाव के लिये पैरोकार बनने की आवश्यकता नहीं होगी। क्यों? क्योंकि बदलाव हम ही लायेंगे।

हम चिकित्सक (थेरेपिस्ट) होंगे। ऐसे थेरेपिस्ट जो मानव तस्करी से सर्वाइवर्स के सामने आने वाली चुनौतियों को व्यक्तिगत रूप से समझेगा। ऐसे थेरेपिस्ट जो मानसिक स्वास्थ्य और आघात-सूचित देखभाल में प्रभावी कार्य करेंगे।

हम डॉक्टर बनेंगे। ऐसे डॉक्टर जो तस्करी की पहचान कर सकते हैं और सर्वाइवर्स की अधिक जानकारीपूर्ण तरीके से देखभाल कर सकते हैं।

हम कानून प्रवर्तन अधिकारी होंगे। ऐसे अधिकारी जो सर्वाइवर्स को कैसे बचाया जाये और उनकी सुरक्षा कैसे की जाये, इस पर अन्य सभी कानून प्रवर्तन की जांच और प्रशिक्षण करेंगे। हम ऐसे अधिकारी होंगे जो अन्य अधिकारियों को उनके अतीत और वर्तमान के गलत कार्यों के लिये ज़िम्मेदार ठहरायेंगे।

हम तस्करी विरोधी संगठनों के कार्यकारी निदेशक होंगे। हम प्रभावी नियुक्ति प्रक्रियाओं वाले मानव संसाधन निदेशक और सीईओ होंगे। हम ऐसे निदेशक होंगे जो सर्वाइवर लोगों को रोजगार देने के लाभों को समझते हैं और समझते हैं कि सर्वाइवर लोगों के पनपने और बढ़ने के लिये किस प्रकार के समर्थन की आवश्यकता है।

हम विधानमंडल में रहेंगे। हम आप्रवासन और मुआवज़े पर कानून लिखेंगे। हम शोषकों पर मुकदमा चलाने वाले कानून लिखेंगे और लागू करेंगे।

हम एक सर्व-समावेशी एकीकृत समुदाय होंगे, जहाँ विविध प्रकार के अनुभवों और दृष्टिकोणों का जश्न मनाया जायेगा और उनका स्वागत किया जायेगा। सर्वाइवर लोगों के रूप में हम ही वे लोग होंगे जो बदलाव लाने के लिये सरकारी के शीर्ष स्थानों पर पहुँच गये हैं।

हम विश्व स्तर पर मानव तस्करी को खत्म करने में मदद करने के लिये अपने समुदायों, शहरों, राज्यों और देशों के प्रतिनिधि होंगे। हम सभी को मंच पर जगह मिलेगी क्योंकि यह मंच हमने बनाया है। यह वो मंच है जहाँ यह सुनना आम बात होगी, "मैं तुम्हें देख सकती / ता हूँ। मैं समझती / ता हूँ। मुझे तुम पर भरोसा है।"

हम शोधकर्ता और लेखक होंगे। वो विशेषज्ञ जो मानव तस्करी के अधिक सटीक चित्रण के लिये केस अध्ययन, किताबें और शैक्षिक सामग्री प्रदान करते हैं, जिसमें परिष्कृत आंकड़ों के साथ हमारे जीवन के अनुभव भी शामिल होते हैं।

हम आंदोलन के बहाली करने वाली (हीलर्स) और निर्माता बनेंगे, सेक्टर द्वारा सर्वाइवर्स को होने वाले नुकसान का समाधान करेंगे और बहाली (हीलिंग) के लिये वैकल्पिक तरीके प्रदान करेंगे। हम उत्पीड़न के अंतर्संबंधों (इंटरसेक्शन), उन आघातों को पहचानेंगे जो मानव तस्करी के आघात के अलावा सर्वाइवर लोगों को झेलने पड़ते हैं। हम समुदाय में बहाल (हील) होने के लिये निडर स्थान (ब्रेव स्पेस) रखेंगे – ताकि हम देखभाल और आराम महसूस कर सकें।

हम अपने व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन के अनुभवों का सम्मान करेंगे, अपने जीवन के अनुभवों से नेतृत्व विकसित करेंगे। हम सामाजिक संरचनाओं, ज्ञान उत्पादन और उत्पीड़न को बढ़ावा देने वाले विचार पैटर्न को ख़त्म कर देंगे। और हम अपने आंदोलन में जुनून बहाल करते हुये अपनी खुशी और रोशनी लायेंगे।

अगले दस वर्षों में, हमें बदलाव के लिये पूछना नहीं पड़ेगा क्योंकि हम ही बदलाव होंगे।

आप इस काव्यात्मक कथन को यहां देख सकते हैं.

कार्य योजना (एक्शन प्लान)

हमारे एक्शन प्लान पर चार प्रमुख विषय-क्षेत्रों के माध्यम से चर्चा की गई है:

1. वैश्विक तस्करी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर
2. निर्णय लेने की स्थिति में सर्वाइवर
3. प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान कर रहे सर्वाइवर
4. ज्ञान के उत्पादन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर

इनमें से प्रत्येक विषय में विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं जिनके बारे में हमारा मानना है कि ये सर्वाइवर नेतृत्व के हमारे दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिये आवश्यक हैं। निम्नलिखित अनुभागों में, आप प्रत्येक विषय-क्षेत्र के बारे में एक संक्षिप्त विवरण पढ़ेंगे, और फिर उस विषय-क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक लक्ष्य के बारे में गहराई से जानेंगे। प्रत्येक लक्ष्य के बाद लक्ष्य प्राप्त करने के लिये आवश्यक विशिष्ट कार्यवाहियाँ की जाती हैं। कुल मिलाकर, हमने इस एक्शन प्लान में चौदह लक्ष्य और 145 कार्यों की रूपरेखा तैयार की है।

वैश्विक तस्करी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर

लक्ष्य 1: हम समुदाय का निर्माण करेंगे और परिवर्तन को प्रभावित करने के लिये अपनी सामूहिक शक्ति जुटायेंगे।
लक्ष्य 2: हम एक विविध, समावेशी और अंतर-अनुभागीय (इंटरसेक्शनल) आंदोलन का निर्माण करेंगे।
लक्ष्य 3: हम अपने आंदोलन और संगठनों में सामूहिक बहाली (हीलिंग) को एक मुख्य अभ्यास के रूप में आगे बढ़ायेंगे।
लक्ष्य 4: हम सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों के निर्माण, प्रचार और सुधार की सुविधा प्रदान करेंगे।
लक्ष्य 5: हम तस्करी विरोधी क्षेत्र में सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों और अन्य संगठनों के बीच सहयोग को मज़बूत करने का प्रयास करेंगे।

निर्णय लेने की स्थिति में सर्वाइवर

लक्ष्य 1: हम तस्करी विरोधी और दासता विरोधी संगठनों में निर्णय लेने वाले पदों पर होंगे।
लक्ष्य 2: हम मानव तस्करी की रोकथाम, अपराधियों पर मुकदमा चलाने और सर्वाइवर्स की सुरक्षा के लिये ज़िम्मेदार सार्वजनिक संस्थानों में निर्णय लेने वाले पदों पर होंगे।
लक्ष्य 3: हमें सरकार के सभी स्तरों पर नीति और कानून को प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने और प्रभावित करने के लिये प्रशिक्षित और संगठित किया जायेगा।

प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान कर रहे सर्वाइवर

लक्ष्य 1: हम प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों में विविध भूमिकाएं निभाएंगे।
लक्ष्य 2: हम प्रत्यक्ष सेवाओं में जिये गये अनुभव वाले कार्यरत पेशेवरों के लिये स्थितियों में सुधार करेंगे।
लक्ष्य 3: हम प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के भीतर काम की समग्र स्थिति और गुणवत्ता में सुधार करेंगे।

ज्ञान के उत्पादन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर

लक्ष्य 1: हम मानव तस्करी के बारे में ज्ञान के अकादमिक उत्पादन का नेतृत्व करेंगे।
लक्ष्य 2: हम बच्चों, समुदायों और संस्थानों के लिये तस्करी विरोधी शिक्षा के विकास और कार्यान्वयन का नेतृत्व करेंगे।
लक्ष्य 3: हम मानव तस्करी से संबंधित मीडिया और सांस्कृतिक विवरणों को रणनीतिक रूप से प्रभावित करेंगे।

वैश्विक तस्करी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर

वर्तमान में मानव तस्करी से लड़ने में जिन लोगों का सबसे अधिक प्रभाव है, वे ऐसे लोग नहीं हैं जिन्होंने इसका अनुभव किया है। तस्करी विरोधी कार्य को सरकारों और बड़े, अच्छी तरह से वित्त पोषित (फंडेड) तस्करी विरोधी संगठनों और फाउंडेशनों द्वारा आकार दिया जाता है। हालाँकि हम अग्रणी गैर सरकारी संगठनों और उनके कर्मचारियों के महत्वपूर्ण प्रयासों को पहचानते हैं, उनका काम अक्सर वित्त पोषण (फंडिंग) प्राथमिकताओं और जनता को उनके काम के लिये दान देने के लिये मनाने की उनकी क्षमता से प्रेरित होता है।

हम वर्तमान में काम करने के तरीके को बदलना चाहते हैं और काम की संरचना को दान-केंद्रित, क्षेत्र से ज़मीनी स्तर के सामाजिक आंदोलन की तरफ मोड़ना चाहते हैं - जो आंदोलन निर्माण के सिद्धांतों का पालन करता है। वह जो लोगों के द्वारा, उनके लिये और लोगों के लिये है।

सर्वाइवर लोगों के रूप में, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम इस आंदोलन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नीचे हमारे समुदाय के लिये मुख्य लक्ष्य दिये गये हैं जो हमें लगता है कि बदलाव की लड़ाई में हमें आगे और केंद्र में लाने के लिये आवश्यक हैं:

लक्ष्य 1: हम समुदाय का निर्माण करेंगे और परिवर्तन को प्रभावित करने के लिये अपनी सामूहिक शक्ति जुटायेंगे।

लक्ष्य 2: हम एक विविध, समावेशी और अंतर-अनुभागीय (इंटरसेक्शनल) आंदोलन का निर्माण करेंगे।

लक्ष्य 3: हम अपने आंदोलन और संगठनों में सामूहिक बहाली (हीलिंग) को एक मुख्य अभ्यास के रूप में आगे बढ़ायेंगे।

लक्ष्य 4: हम सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों के निर्माण, प्रचार और सुधार की सुविधा प्रदान करेंगे।

लक्ष्य 5: हम तस्करी विरोधी क्षेत्र में सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों और अन्य संगठनों के बीच सहयोग को मज़बूत करने का प्रयास करेंगे।

लक्ष्य 1: हम समुदाय का निर्माण करेंगे और परिवर्तन को प्रभावित करने के लिये अपनी सामूहिक शक्ति जुटायेंगे।

सर्वाइवर के रूप में, हम मानव तस्करी के खिलाफ एक वैश्विक आंदोलन बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिये मिलकर काम करेंगे। हमारा आंदोलन तस्करी के सभी सर्वाइर्स के लिये समावेशी होगा, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या पहचान कुछ भी हो। हम एक ऐसे समुदाय का निर्माण करेंगे जहाँ हर सर्वाइवर अपने अनुभवों और विशेषज्ञता को साझा करने के लिये पर्याप्त सुरक्षित और निडर महसूस कर सके और अपनेपन की भावना रख सके। हम अपने आंदोलन में खुशी लाने और जुनून बहाल करने के लिये मिलकर कार्यवाही करेंगे।

परिवर्तन के लिये एक साझे दृष्टिकोण और एजेंडे के साथ, हम अपनी सामूहिक शक्ति और नेतृत्व को संगठित करेंगे और उपयोग करेंगे। इस योजना में उल्लिखित कार्यों को लागू करके, हम एक ऐसी दुनिया बनाने में योगदान देंगे जहाँ सर्वाइवर्स की आवाज़ को बढ़ाया जायेगा और शोषण को खत्म किया जायेगा।

हमारे प्रत्यक्ष अनुभवों के कारण, सर्वाइवर्स के पास मानव तस्करी की जटिल वास्तविकताओं की गहरी समझ और अंतर्दृष्टि होती है। यह ज़रूरी है कि हम इस बहुमुखी मुद्दे को संबोधित करते समय अपने अद्वितीय दृष्टिकोण, अपनी अंदरूनी शक्ति (एजेंसी) और अपनी विशेषज्ञता का सम्मान करें और उसे स्वीकार करें। सर्वाइवर लोगों को शोषण की विस्तृत श्रेणी (स्पेक्ट्रम) और इसके परस्पर जुड़े मुद्दों की, जैसे कि अंतरंग साथी हिंसा, LGBTQIA + चिंताएं और कमजोरियाँ, गरीबी, नस्लवाद, लिंगवाद (सेक्सिज़्म), बेघरता, स्वास्थ्य देखभाल पहुँच, पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन, प्रजनन अधिकार, प्रवासी अधिकार, आघात, विकलांगता और पहुँच, और भी बहुत कुछ की गहरी समझ है।

कार्यवाहियाँ:

1. ऐसी गतिविधियों का आयोजन करना जो **बदलाव लाने के लिये हमारे साझे दृष्टिकोण** के निर्माण और उसे आगे बढ़ाने के लिये प्रभावी दृष्टिकोण की रणनीति बनाने और विकसित करने के लिये दुनिया भर के सर्वाइवर नेताओं को एक साथ लायें। ये गतिविधियाँ सर्वाइवर्स को हमारे अनुभव, अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का अवसर प्रदान करेंगी, जिससे एकता और सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

2. सर्वाइवर नेताओं को **सामुदायिक आयोजन में प्रशिक्षण** देना ताकि वे आंदोलन निर्माण और प्रत्यक्ष कार्यों के लिये कौशल और रणनीति विकसित कर सकें। ये अवसर हमें अपनी क्षमताओं का निर्माण करने और बदलाव के लिये ठोस रणनीति बनाने की अनुमति देंगे।

3. **सर्वाइवर नेताओं का एक वैश्विक डेटाबेस** बनाना, जिससे तस्करी से लड़ने, सर्वाइवर नेतृत्व को बढ़ावा देने और सामूहिक बहाली (हीलिंग) की सुविधा में कौशल और संसाधनों को साझा करने में सक्षम बनाया जा सके। यह डेटाबेस दुनिया भर में सर्वाइवर के नेतृत्व वाली पहलों के बीच सहयोग, समर्थन और नेटवर्किंग के लिये एक मंच के रूप में काम करेगा।

4. **सर्वाइवर नेताओं** के साथ-साथ सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों और अन्य तस्करी विरोधी संस्थाओं **के बीच साहसी और चुनौतीपूर्ण बातचीत** को प्रोत्साहित करने के लिये डिज़ाइन किये गये दिशानिर्देशों के साथ संगठित सुरक्षित स्थान स्थापित करना। ये स्थान आंदोलन के भीतर महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिये समझ को बढ़ावा देंगे और सहयोग को मज़बूत करेंगे।

5. नारीवादी आंदोलन और श्रमिक संघों जैसे **अन्य वैश्विक सामाजिक आंदोलनों** का पता लगाना और **उनके साथ संबंध स्थापित करना**, ताकि उनके अनुभवों से सीखा जा सके और रणनीतियों का आदान-प्रदान किया जा सके। क्रॉस-आंदोलन सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा देकर, हम अपनी सामूहिक ताकत का लाभ उठा सकते हैं और व्यापक परिवर्तन की पैरवी कर सकते हैं।

6 विशेष रूप से **सर्वाइवर नेताओं के नेतृत्व में आंदोलन निर्माण रणनीतियों की दिशा में बढ़ी हुई फंडिंग** की पैरवी करने के लिये दानदाताओं (डोनर्स) के साथ जुड़ना। डोनर्स के साथ बैठकों का उद्देश्य सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाली पहलों के महत्व को उजागर करना और हमारे उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिये निरंतर वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर ज़ोर देना होगा।

7 **व्यापक संसाधन बनाना जो सर्वाइवर के नेतृत्व वाले प्रोजेक्ट्स और संगठनों के लिये उपलब्ध धन स्रोतों को सूचीबद्ध करेगा**। यह संसाधन वित्तीय सहायता तक पहुँच की सुविधा प्रदान करेगा और सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाली पहल की स्थिरता को मज़बूत करेगा, जिससे उन्हें अपने महत्वपूर्ण कार्य जारी रखने के लिये सशक्त बनाया जायेगा।

8 तस्करी विरोधी क्षेत्र में सक्रिय गैर-लाभकारी संगठनों के भीतर **सामूहिक जवाबदेही** के लिये क्षमता और प्रणालियाँ स्थापित करना। इससे पारदर्शिता, नैतिक आचरण और ज़िम्मेदार शासन सुनिश्चित होगा, जो विश्वास को बढ़ावा देगा और आंदोलन की समग्र प्रभावशीलता को बढ़ायेगा।

9 तस्करी विरोधी प्रयासों के लिये **धन के आवंटन की निगरानी के लिये शोध करना और डेटा एकत्र करना**। इस जानकारी का उपयोग सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाले संगठनों के लिये बढ़ी हुई फंडिंग की पैरवी करने के लिये किया जायेगा, ऐसे सबूतों का लाभ उठाया जायेगा जो तस्करी से निपटने और सर्वाइवर्स का समर्थन करने में इन पहलों के प्रभाव और मूल्य को प्रदर्शित करते हैं।

10 वैश्विक आंदोलन के निर्माण के लिये **कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति के उपयोग को शक्तिशाली उपकरणों (टूल्स)** के रूप में प्राथमिकता देना। रचनात्मक माध्यमों को शामिल करके, हम सर्वाइवर्स आवाज़ों को बढ़ा सकते हैं, व्यापक दर्शकों को शामिल कर सकते हैं, और सार्थक भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर सकते हैं जो सामाजिक जागरूकता और कार्यवाही को प्रेरित करती हैं।

11 **मानव तस्करी के सर्वाइवर्स को दुनिया भर में सम्मानित करने के लिये एक निर्दिष्ट दिन** की स्थापना करना, उनकी कहानियों, अनुभवों और समुत्थान शक्ति (रिजीलियन्स) के लिये एक मंच बनाना। इससे सर्वाइवर नेताओं की पहचान करने, उन्हें सराहने और उन्हें समझने में योगदान मिलेगा।

12 इस एक्शन प्लान के कार्यान्वयन के लिये इस क्षेत्र के संगठनों, सामाजिक आंदोलन गैर सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और निजी **क्षेत्र के साथ रणनीतिक साझेदारी करना**। यह इसके दृष्टिकोण और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये सामूहिक प्रतिबद्धता बनाने में योगदान देगा।

13 इस क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों और संस्थानों को एक साथ लाने और तस्करी से निपटने के लिये खुली बातचीत, ज्ञान के आदान-प्रदान और सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये **मानव तस्करी पर सर्वाइवर के नेतृत्व वाले सम्मेलन** आयोजित करना। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण क्षेत्रीय और महाद्वीपीय दोनों स्तरों पर व्यापक समाधानों को बढ़ावा देते हुये आधुनिक दासता के विभिन्न रूपों को संबोधित करेगा।

14 **इस एक्शन प्लान के कार्यान्वयन का दस्तावेज़ीकरण और निगरानी** करने के लिये सर्वाइवर नेताओं के लिये नियमित वैश्विक बैठकें आयोजित करना, यह सुनिश्चित करते हुये कि मुद्दे बदलने और नई चुनौतियाँ आने पर हमारी चल रही कार्यवाहियाँ उत्तरदायी और प्रासंगिक बनी रहें।

लक्ष्य 2: हम एक विविध, समावेशी और अंतर-अनुभागीय (इंटरसेक्शनल) आंदोलन का निर्माण करेंगे।

हम एक ऐसा समुदाय विकसित करने की आकांक्षा रखते हैं जहाँ हर व्यक्ति को स्वागत, जुड़ाव महसूस हो और वह महत्वपूर्ण महसूस करे। हम मानते हैं कि हमारे विविधताएं हमें मज़बूत बनाते हैं और हम प्रत्येक व्यक्ति के अनुभवों और दृष्टिकोणों की समृद्धि और विशिष्टता को सराहते हैं । अपने विविध समूह के भीतर एकता की शक्ति का उपयोग करके, हम अपने समाज के भीतर अंतर्निहित दमनकारी संरचनाओं को प्रभावी ढंग से चुनौती देंगे और उन्हें खत्म कर देंगे।

हम यह समझने और स्वीकार करने के लिये आवश्यक आंतरिक कार्य करने के लिये दृढ़ हैं कि उत्पीड़न की विभिन्न पहचानें और रूप कैसे एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। यह प्रतिबद्धता विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों जैसे महिलाओं, अश्वेत, आदिवासी, रंग के लोगों, LGBTQIA+ (लेस्बियन, गे, बाईसेक्शुअल, ट्रांस, क्वीयर, इंटरसेक्स, अलैंगिक या एसेक्शुअल), न्यूरोडाइवर्स सर्वाइवर्स, विकलांग लोगों, बुजुर्ग सर्वाइवर्स, वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के व्यक्तियों और युवा नेताओं के लिए है। इस तरह समझ कर ध्यान केंद्रित करना, यह सुनिश्चित करता है कि हमारे आंदोलन में हमारे मूल्यों की झलक नज़र आये और एक अधिक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दे। हम पितृसत्ता, श्वेत वर्चस्व, पूंजीवाद, उपनिवेशवाद, और समर्थवाद जैसी उत्पीड़न की प्रणालियों को नष्ट करना चाहते हैं जो असमानता और हाशियाकरण को बनाये रखते हैं।

हम यह सुनिश्चित करके भाषा और विकलांगता न्याय के लिये प्रतिबद्ध होंगे कि सर्वाइवर नेता उस भाषा में बात कर सकें और जानकारी प्राप्त कर सकें जो उनके लिये सबसे उपयुक्त है और यह सुनिश्चित करके कि हमारे सभी स्थान सुलभ हैं और हर किसी के लिये स्वागत महसूस करने योग्य हैं।

सामाजिक न्याय आंदोलन के भीतर विविधता, समावेशिता और अंतरसंबंध को और अधिक बढ़ाने और मज़बूत करने के लिये, हम प्रणालीगत उत्पीड़न को संबोधित करने के लिये समर्पित विभिन्न आंदोलनों के बीच सक्रिय रूप से सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा देंगे। ताकतों को मिलाकर और एक साथ काम करके, हम भेदभावपूर्ण प्रणालियों के परस्पर जुड़े जाल से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं और अपने सामूहिक प्रभाव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकते हैं।

हम ऐसे स्थानों को बढ़ावा देते रहेंगे जो तस्करी विरोधी आंदोलन के नेताओं के बीच दिल से दिल के संबंधों को प्रोत्साहित करते हैं। परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिये, हमें अपनी सभी कहानियों को उनकी बहादुर, निर्भीक और सुंदर विविधता के साथ पहचानना और ऊपर उठाना होगा।

कार्यवाहियाँ:

1. ऐसी जानकारी तैयार करना और प्रसारित करना जो जीवित सर्वाइवरों की **विविध पहचानों** और अनुभवों को दर्शाती हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि तैयार किये गये विवरणों और उपकरणों (टूल्स) में सर्वाइवरों के अनुभवों की पूरी श्रृंखला शामिल हो, जो आंदोलन के भीतर हाशिये पर मौजूद लोगों की आवाज़ को बढ़ावा देगी।

2. वैश्विक पहलों का आयोजन करना जो सर्वाइवर नेताओं को सर्वाइवर्स के **अनुभवों की विविधता पर विचार करने और उनके बारे में जानने में सहायता** करे। इसमें नेताओं को उनके स्वयं के पूर्वाग्रहों और विश्वासों और उनके परिणाम स्वरूप होने वाले व्यवहारों की जांच करने के लिये प्रोत्साहित करना शामिल है। ऐसा करने से व्यक्तिगत विकास और अधिक समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा।

3. सर्वाइवर के नेतृत्व वाले जागरूकता अभियान विकसित करना और **सामूहिक गतिविधियों का आयोजन करना जो हाशिए की पहचानों के बीच अंतरसंबंध की पहचान को बढ़ावा दें**। विशेष रूप से, महिलाओं, अश्वेत, आदिवासी, रंग के लोग, LGBTQIA+, न्यूरोडायवर्स सर्वाइवर्स और विकलांग लोगों और उनके द्वारा सामना किये जाने वाले उत्पीड़न के विभिन्न रूपों पर ध्यान केंद्रित करना। इससे उनके अनुभवों के अंतर्संबंध की गहरी समझ को बढ़ावा मिलेगा।

4 **सर्वाइवर नेताओं को एक साथ आने और दुनिया के विभिन्न हिस्सों के बारे में जानने** के अवसर प्रदान करना, साथ ही इन अनुभवों को उनके अपने काम और विचारों से जोड़ना। यह समावेशी प्रयास उन समूहों को प्राथमिकता देगा जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है या बाहर कर दिया जाता है।

5 मानव तस्करी के सर्वाइवर्स के **अनुभवों पर उपनिवेशीकरण के प्रभाव पर आलोचनात्मक चिंतन** के लिये स्थान बनाना। यह सर्वाइवर लोगों की यात्रा को प्रभावित करने वाले ऐतिहासिक और प्रणालीगत कारकों की गहरी समझ में योगदान देगा और उपनिवेशवाद की विरासत को खत्म करने के लिये रणनीतियों की जानकारी देगा।

6 तस्करी विरोधी क्षेत्र के भीतर **हाशिए पर रहने वाले समुदायों के भेदभाव के खिलाफ सामूहिक प्रतिक्रिया और पैरवी** के लिये एक तंत्र (सिस्टम) स्थापित करना। यह मंच सर्वाइवर नेताओं को भेदभाव की घटनाओं को संबोधित करने और प्रणालीगत उत्पीड़न के खिलाफ एकीकृत रुख अपनाने में सक्षम बनायेगा।

7 **वैश्विक नीतियों और पैरवी के उपकरणों (टूल्स) के उपयोगकर्ता अनुकूल और सुलभ संस्करण** विकसित करना। यह सर्वाइवर्स को उनकी क्षमताओं और अभियानों को मज़बूत करने के लिये ज्ञान और उपकरणों के साथ सशक्त बनायेगा। ये संसाधन यह भी सुनिश्चित करेंगे कि सर्वाइवर सक्रिय रूप से भाग ले सकें और नीति परिदृश्यों में प्रभावी ढंग से रास्ता खोज सकें।

8 **सीमित अवसरों वाले क्षेत्रों में रहने वाले सर्वाइवर्स और स्थानीय समूहों** के बीच संबंधों को सुगम बनाना, जिससे वे ज़मीनी स्तर के पहुँच (आउटरीच) प्रयासों का समर्थन करने में सक्षम हो सकें। यह दृष्टिकोण सर्वाइवरों को संसाधन-बाधित परिवेश (सेटिंग्स) में भी, अपने समुदायों और संगठनों में योगदान करने के लिये सशक्त बनाता है।

9 नेतृत्व परिवर्तन कार्यक्रम स्थापित करना जो **सुरक्षित और समावेशी स्थान प्रदान करते हैं जहाँ नए सर्वाइवर** भविष्य के सर्वाइवर नेता बन सकेंगे। ये कार्यक्रम सशक्त सर्वाइवर नेताओं की एक स्थायी पाइपलाइन सुनिश्चित करते हुये सलाह, समर्थन और कौशल विकास की पेशकश करेंगे।

10 आंदोलन के भीतर **युवा पीढ़ी की आवाज़ को बुलंद करना**, उनके दृष्टिकोण, अंतर्दृष्टि और विचारों को व्यक्त करने के लिये मंच तैयार करना। यह अंतर-पीढ़ीगत सहयोग को बढ़ावा देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि आंदोलन गतिशील, समावेशी और जीवित सर्वाइवरों के सामने आने वाली चुनौतियों के लिये प्रासंगिक बना रहे।

11 **उन संगठनों के साथ साझेदारी करना जो अंतर-अनुभागीय (इंटरसेक्शनल) पैरवी में विशेषज्ञ हैं,** जैसे कि नस्लीय न्याय, जेंडर समानता और LGBTQIA+ अधिकारों पर केंद्रित संगठन। यह सहयोग जागरूकता अभियानों और सामूहिक गतिविधियों में अतिरिक्त विशेषज्ञता, दृष्टिकोण और संसाधन ला सकता है।

एक विविध और समावेशी आंदोलन के निर्माण के लिये हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता

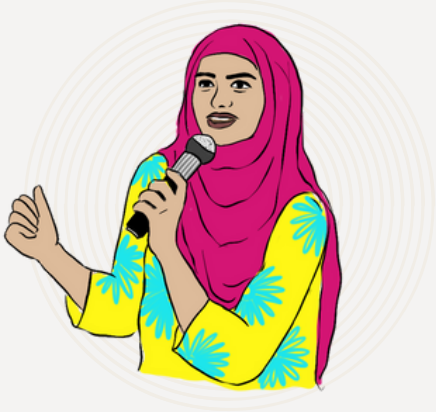

इन प्रतिबद्धताओं को अपनाकर, हम एक अंतर-अनुभागीय (इंटरसेक्शनल) और समावेशी आंदोलन को बढ़ावा दे सकते हैं जो सभी सर्वाइवर्स का उत्थान और सशक्तिकरण करता है।

हम मानते हैं कि स्थायी परिवर्तन लाने के लिये सामूहिक प्रयास और खुद को तथा असमानता और उत्पीड़न को कायम रखने वाली संरचनाओं को चुनौती देने की इच्छा की आवश्यकता होती है।

हम समझते हैं कि ये असमानताएं उत्पीड़न की प्रणालियों से जुड़ी हैं जो असमानताओं को मज़बूत करती हैं और कई समुदायों और पहचानों को नुकसान पहुँचाती हैं। जब हम अपना आंदोलन बनाते हैं, तो हम यह सुनिश्चित करने के लिये काम करने के लिये तैयार होते हैं कि हम सभी को यह महसूस हो कि हम उनमें शामिल हैं।

सामूहिक रूप से, हम निम्न के लिये प्रतिबद्ध हैं:

- **हमारे समुदाय के भीतर परस्पर जुड़ी पहचानों और अनुभवों को पहचानना और उनका सम्मान करना। इसमें हमारी विविध पृष्ठभूमियों, संस्कृतियों, नस्लों, जेंडर, यौन रुझानों, क्षमताओं और अन्य पहचानों को स्वीकार करना शामिल है। अंतरअनुभागीयता (इंटरसेक्शनेलिटी) को अपनाकर, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारा आंदोलन विभिन्न हाशिए पर पड़ी पहचान वाले व्यक्तियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों का समाधान करे।**
- **इस बात पर विचार करना कि हम कौन हैं (हमारी जाति, जेंडर और पृष्ठभूमि) के अलग-अलग हिस्से हमें अलग-अलग तरीकों से कैसे प्रभावित कर सकते हैं, और ऐसी रणनीतियों को अपनाना जो एक ऐसे आंदोलन को बढ़ावा देती हैं जिसमें सभी सर्वाइवर्स को शामिल किया जाता है।**
- **सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रणालीगत उत्पीड़न और अन्य सर्वाइवर्स के परिवर्तनकारी अनुभवों के बारे में जानना - विविध दृष्टिकोण और संदर्भों के विस्तृत लेंस के माध्यम से देखना।**
- **प्रत्येक सर्वाइवर के मानव अधिकारों की रक्षा करना, विशेष रूप से उन समुदायों और पहचानों के अधिकारों की रक्षा करना जिनके साथ अक्सर भेदभाव किया जाता है। हम एक-दूसरे के समर्थन और सुरक्षा के लिये एकजुटता के साथ आगे आयेंगे।**
- **अन्य सर्वाइवर्स को कोई नुकसान नहीं पहुँचाना, और जब हम अनजाने में ऐसा करते हैं तो खुद को जवाबदेह ठहराना। हम तस्करी विरोधी क्षेत्र और आंदोलन में जो नुकसान देख रहे हैं उसका नाम लेंगे और बोलेंगे: "जब कुछ देखते हैं, तो कुछ कहें।" हम असुविधाजनक विषयों पर खुला संचार करने और संघर्ष को आगे बढ़ने के अवसर के रूप में उपयोग करने के लिये प्रतिबद्ध हैं।**
- **अपने और अपने समूह के प्रति देखभाल प्रथाओं में सुधार के बारे में अधिक जान बूझ कर काम करना। इस तरह, हम सुरक्षित स्थान बनायेंगे जहाँ हमारे आस-पास के लोग निर्णय या प्रतिशोध के डर के बिना बोल सकेंगे।**
- **प्रामाणिकता के साथ एक-दूसरे के लिये सामने आना और दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करना जैसा हम चाहते हैं कि हमारे साथ किया जाये: प्यार, दया और सम्मान के साथ। जब हम अपने सामूहिक स्थानों में प्रवेश करते हैं तो हम अपने पूर्वाग्रहों से अवगत होने, अच्छे रिश्ते बनाने के लिये सकारात्मक रूप से बातचीत करने और विश्वास अर्जित करने के लिये खुले रहने के लिये प्रतिबद्ध होते हैं।**

- एक दूसरे के लिये सहानुभूति, करुणा और समर्थन विकसित करना। इसमें यह पहचानना शामिल है कि प्रत्येक सर्वाइवर की बहाली (हीलिंग) का सफर और प्रक्रिया भिन्न हो सकती है, और उनकी व्यक्तिगत पसंद और स्वायत्तता का सम्मान करना शामिल है। हम देखभाल की एक ऐसी संस्कृति बनायेंगे जहाँ सर्वाइवर एक-दूसरे को संसाधन, भावनात्मक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान कर सकेंगे।
- सर्वाइवर्स के लिये एक साथ आने, जुड़ने और अपने अनुभवों, ज्ञान और विचारों को एक सामान्य और समावेशी आधार पर साझा करने के लिये सुलभ मंच और अवसर बनाना जहाँ हमारी विविधता का स्वागत किया जाता है।
- अपनी शक्ति और संसाधनों को अन्य सर्वाइवर्स के साथ साझा करना, उन लोगों के लिये अवसरों को बढ़ाना जिनके पास कम पहुँच है। इसमें साथी सर्वाइवर्स के साथ अवसर और स्थान साझा करना, जो कम उम्र के हैं, सहकर्मी से सहकर्मी (पीयर टू पीयर) समर्थन और क्षमता निर्माण प्रदान करना शामिल है।
- बहुभाषी स्थान बनाना, भाषाओं के बीच समानता को बढ़ावा देने और किसी एक भाषा के प्रभुत्व का विरोध करने पर ध्यान केंद्रित करना, ताकि हम सभी बोल सकें और सुने जा सकें।
- उदाहरण बनकर नेतृत्व करना और उस सामाजिक परिवर्तन का प्रतिबिंब बनना जो हम देखना चाहते हैं।

> "कार्य समूह के बारे में मेरी पसंदीदा चीज़ अन्य प्रतिभागियों की विभिन्न वास्तविकताओं के बारे में सीखना और यह देखना था कि हर कोई एक-दूसरे का कितना समर्थन करता है। मुझे साझा करने और सीखने में भी आनंद आया"
>
> - कार्य समूह के सदस्य

लक्ष्य 3: हम अपने आंदोलन और संगठनों में सामूहिक बहाली (हीलिंग) को एक मुख्य अभ्यास के रूप में आगे बढ़ायेंगे।

हम मानते हैं कि शोषण सहने के बाद सर्वाइवर्स को गहराई से ठीक होने और नई शुरुआत करने की ज़रूरत है, अपनी ज़िन्दगी चलाने के लिए अत्यादिक कठिनाईयां महसूस किये। हम एक सहायक और पोषण करने वाले आंदोलन का निर्माण करेंगे जहाँ हमारे काम के सभी पहलुओं में एक साथ बहाली (हीलिंग) को महत्व दिया जायेगा और प्राथमिकता दी जायेगी। हम जो कुछ भी करते हैं उसके ताने-बाने में बुने हुये एक मूल मूल्य के रूप में, हमारी सामूहिक बहाली (हीलिंग), ठीक होने के लिये हमारी व्यक्तिगत, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक इच्छाओं को प्रतिबिंबित करेगी। हम आराम के निडर स्थान आयोजित करेंगे, ऐसे स्थान जहाँ हम महसूस कर सकें कि हमारा ख्याल रखा जा रहा है और जहाँ हम बदले में दूसरों का ख्याल रख सकेंगे।

हमारा लक्ष्य एक ऐसा आंदोलन बनाना है जो हमारे दर्द को समझने, सुनने और सम्मान करने वाली संरचनाएं और प्रथाएं बनाकर हमारे जाने के बाद भी जीवित रहेगा। हम एक ऐसी जगह बनाना चाहते हैं जहाँ लोग आराम कर सकें और आनंद महसूस कर सकें।

हम इस आंदोलन के हीलर्स और वास्तुकार (आर्कीटेक्ट्स) होंगे। हम अंतरअनुभागीय (इंटरसेक्शनल) और समग्र दृष्टिकोण से बहाली (हीलिंग) के लिये नवीन दृष्टिकोण तलाशेंगे। हम समझते हैं कि तस्करी से सर्वाइवर्स को विविध प्रकार के आघात झेलने पड़ते हैं जो तेजी से बढ़ सकते हैं। हमारा आंदोलन हमारे सभी प्रकार के आघात को स्वीकार करेगा और उसमें भाग लेगा। हम ऐसी संरचनाएं और प्रथाएं बनायेंगे जो प्रत्येक व्यक्ति की अद्वितीय बहाली (हीलिंग)यात्रा का आदर और सम्मान करें।

तस्करी का जिया गया अनुभव रखने वाले पेशेवरों को तस्करी विरोधी क्षेत्र में कलंक, शोषण और भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है। यह उनके पेशेवर जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है, जिससे अलगाव, आत्मसम्मान में कमी, चिकित्सा मुद्दे, विकलांगता और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिये, सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठन आघात-सूचित नीतियों और प्रथाओं को बढ़ावा देंगे, कार्य संस्कृतियों को फिर से बनायेंगे, जो सोच समझ कर कल्याण (वेलनेस), और स्वयं और सामूहिक देखभाल को बढ़ावा देते हैं। सर्वाइवर विशेषज्ञता के साथ, हम सम्मानजनक सहयोग को बढ़ावा देते हुये सक्रिय रूप से नीतियों और कार्यक्रमों को आकार देंगे। हम एक ऐसा वातावरण बनायेंगे जो वास्तव में सर्वाइवर्स को बहाली (हीलिंग) और पुनर्प्राप्ति के उनके कठिन रास्ते पर समझेगा, समर्थन करेगा और सशक्त बनायेगा।

एक आंदोलन अभ्यास के रूप में सामूहिक बहाली (हीलिंग को प्राथमिकता देकर, हम एक जुझारू समुदाय का निर्माण करेंगे जो सर्वाइवर्स की भलाई (वेलबीइंग) का पोषण करेगा। समग्र पुनर्प्राप्ति, आराम और आनंद पर हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा आंदोलन न केवल कायम रहे बल्कि सर्वाइवर्स को आगे बढ़ने के लिये आवश्यक सहायता भी प्रदान करे।

कार्यवाहियाँ:

1. मानव तस्करी और दासता से सर्वाइवर्स के लिये **"सामूहिक बहाली (हीलिंग)"** का क्या अर्थ है और यह कैसी नज़र आती है, **इसे सामूहिक रूप से फिर से परिभाषित करने और कल्पना करने** के लिये सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना। इसमें सर्वाइवर्स को चर्चा में शामिल करना और हमारे आंदोलन के भीतर सामूहिक बहाली (हीलिंग) की साझा समझ बनाना शामिल होगा।

2. **सुलभ और अंतरअनुभागीय (इंटरसेक्शनल) सामग्री बनाना जो सामूहिक बहाली (हीलिंग) के महत्व को दर्शाती हो** और तस्करी के खिलाफ हमारे काम में इसे शामिल करने पर **व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करती हो**। यह सामग्री व्यापक दर्शकों तक पहुँचने और सामूहिक बहाली (हीलिंग) प्रथाओं को अपनाने के लिये ज्ञान और उपकरणों के साथ व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिये डिज़ाइन की जायेगी।

3. जब हम साथी सर्वाइवर्स के आघात के अनूठे अनुभवों को पूरी तरह से नहीं पहचानते हैं, तो हम जो नुकसान पहुँचा सकते हैं, उसे ठीक करने में मदद के लिये **पुनर्स्थापनात्मक और परिवर्तनकारी न्याय प्रथाओं** पर गौर करना और उनका उपयोग करना। नुकसान को स्वीकार करने और सुधारने के द्वारा, हम अपने आंदोलन के भीतर जवाबदेही, सीखने और बहाली (हीलिंग) के माहौल को बढ़ावा देंगे।

4 उन **मुद्दों - जो हमें प्रभावित कर रहे हैं - के बारे में बात करने** के लिये सर्वाइवरों के नेतृत्व वाले समूहों और मंडलियों को संगठित करना, एक-दूसरे का समर्थन करने और मौजूद रहने के लिये साहसी स्थान तैयार करना। ये स्थान सर्वाइवर नेताओं को बहाली (हीलिंग) और समुत्थान शक्ति को बढ़ावा देते हुये आघात के बारे में खुली और ईमानदार बातचीत में शामिल होने में सक्षम बनायेंगे।

5 उन स्थानों और प्रथाओं को बढ़ावा देना जो **बहाली (हीलिंग) अभ्यास के रूप में संस्कृति, कला और रचनात्मक अभिव्यक्तियों का उपयोग** करते हैं। ये सर्वाइवर नेताओं को एक-दूसरे के साथ व्यक्त करने, साझा करने और जुड़ने के शक्तिशाली अवसरों को प्रोत्साहित करेंगे।

6 सर्वाइवर नेताओं के लिये **मित्रता बढ़ाने और हमारे साथियों से मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन प्राप्त करने** के लिये स्थान और नेटवर्क स्थापित करना। ये कनेक्शन सर्वाइवर समुदाय के भीतर पारस्परिक विकास, बहाली (हीलिंग) और सशक्तिकरण की सुविधा प्रदान करेंगे। यह उन संगठनों से सीखने के अवसर भी पैदा करेगा जो पहले से ही प्रभावी समर्थन नेटवर्क को प्रभावी ढंग से लागू कर रहे हैं।

7 हमारे संगठनों और नेटवर्कों में **खुद की देखभाल और सामूहिक देखभाल गतिविधियों का आयोजन** करना जो सर्वाइवर नेताओं को अपनी भलाई (वेलबीइंग) को प्राथमिकता देने और दूसरों के साथ संबंध बनाने की अनुमति देती हैं। ये गतिविधियाँ एक सहायक समुदाय के भीतर आराम और कायाकल्प के अवसर पैदा करेंगी।

8 **हमारे संगठनों और व्यापक आंदोलन के लिये आघात-सूचित मानव संसाधन नीतियों के लिये दिशानिर्देश** विकसित करना। ये दिशानिर्देश संगठनों को उनके काम करने के तरीके और एक-दूसरे से संबंधित होने के तरीके को बेहतर बनाने के लिये सोच समझकर प्रयास करने की अनुमति देंगे।

9 **संगठनों की स्व-देखभाल नीतियों में निरंतर आघात-सूचित चिकित्सा, कोचिंग और भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक समर्थन** को शामिल करना। यह जिये गये अनुभव से जुड़े आघातों के प्रभाव को कम करेगा और पुनर्एकीकरण से सर्वाइवर नेतृत्व तक एक सुचारु परिवर्तन में योगदान देगा।

10 **सामूहिक बहाली (हीलिंग) नीतियों को हमारे संगठनों और व्यापक आंदोलन के मूल्यों और प्रथाओं में एकीकृत करने** के लिये दिशानिर्देश विकसित करना और उनकी पैरवी करना। ये दिशानिर्देश यह सुनिश्चित करेंगे कि बहाली (हीलिंग) एक मूलभूत सिद्धांत है जिसे हमारे काम के सभी पहलुओं में सक्रिय रूप से अपनाया जाता है।

11 **आघात-सूचित देखभाल और बहाली (हीलिंग) में विशेषज्ञता वाले किफायती चिकित्सक (थेरेपिस्ट), प्रशिक्षकों, सलाहकारों और अन्य पेशेवरों की एक व्यापक सूची (डेटाबेस)** संकलित करना। यह संसाधन सर्वाइवर नेताओं और उनके संगठनों को पेशेवर समर्थन और मार्गदर्शन प्राप्त करने में सहायता करेगा।

12 **सर्वाइवर लोगों के बच्चों के लिये समग्र बहाली (हीलिंग) सहायता कार्यक्रमों** को बढ़ावा देना जो उन पर तस्करी के प्रभाव को संबोधित करते हैं। ये पहल उनकी खुशहाली (वेलबीइंग) को प्राथमिकता देगी, उनकी रिकवरी और समुत्थान शक्ति (रिजीलियन्स) के लिये आवश्यक संसाधन, परामर्श और सहायता प्रदान करेगी।

लक्ष्य 4: हम सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों के निर्माण, प्रचार और सुधार की सुविधा प्रदान करेंगे।

हम अपनी सामूहिक शक्ति का निर्माण करने, मानव तस्करी से संबंधित प्रणालीगत मुद्दों का समाधान करने और सर्वाइवर नेताओं की ज़रूरतों और अवसरों का बेहतर समर्थन करने के लिये सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों को बनायेंगे और उन्हें मज़बूत करेंगे।

सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठन के अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं और ये कई मायनों में अलग दिख सकते हैं। कुछ संगठनों के लिये, इसका मतलब केवल जिये हुये अनुभव वाले स्टाफ को नियोजित करना हो सकता है; दूसरों के लिये, इसका मतलब यह हो सकता है कि उनके अधिकांश शासकीय और निर्णय लेने वाले पद, साथ ही स्टाफ और सदस्य, सर्वाइवर नेता हैं।

जबकि "सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठन" के कई प्रकार मौजूद हैं और संभव हैं, उन सभी में जो समानता है वह यह है कि सर्वाइवर के अनुभव, विशेषज्ञता और ज़रूरतें केंद्र में हैं। वे ही अपने समूहों और संगठनों के कार्य, एजेंडे और रणनीतियों का नेतृत्व करते हैं। वे संगठन के दिल हैं और बदलाव के लिये संघर्ष को संचालित कर रहे हैं। इन संगठनों में, जिये गये अनुभव वाले लोग कार्यक्रमों और सेवाओं को विकसित करने और मानव तस्करी से संबंधित प्रणालीगत मुद्दों को संबोधित करने के लिये अपने अद्वितीय दृष्टिकोण और ज्ञान को व्यवहार में उपयोग करते हैं।

इस एक्शन प्लान में, हम सर्वाइवर-नेतृत्व वाले संगठनों की संरचनाओं की विविधता और उनके चुने हुये दृष्टिकोण और परिभाषाओं को पहचानते हैं और मनाते हैं कि सर्वाइवर-नेतृत्व का उनके लिये क्या मतलब है।

हम सफलतापूर्वक उस फंड की तलाश करने के लिये काम करेंगे जो विकास के हर चरण में हमारे ज़मीनी स्तर के सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों की ज़रूरतों के लिये सुलभ और अनुकूलित हो, जिससे उन्हें बढ़ने और फलने-फूलने का मौका मिले। हम अपने संगठनों में विश्वास और समर्थन का निर्माण करेंगे, एकता और प्रेम का निर्माण करेंगे ताकि हम मज़बूत हो सकें और वो हमें सुरक्षित महसूस करा सकें।

हम अपनी योजनाओं को बनाने और उन्हें कुशलतापूर्वक और रणनीतिक रूप से क्रियान्वित करने के लिये अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं और शक्ति का उपयोग करेंगे। हम सर्वाइवर समुदायों के भीतर अपनेपन और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने के अवसरों को बढ़ाने के लिये स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक पहलों को एक साथ लायेंगे।

कार्यवाहियाँ:

1. विकास के सभी चरणों में सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों के ऊष्मायन (इंक्यूबेशन) और विस्तार को प्रभावी ढंग से समर्थन देने के लिये **बढ़ी हुई और सुलभ फंडिंग** की पैरवी करना। इसमें अप्रतिबंधित फंडिंग शामिल होगी जो सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों को उनकी ज़रूरतों और सर्वाइवर्स की बढ़ती ज़रूरतों को प्राथमिकता देने देती है।

2. सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों को उनकी संरचनात्मक योजना, संगठनात्मक प्रबंधन और रणनीतियों का समर्थन करने के लिये **निरंतर, दीर्घकालिक फंडिंग का पता लगाने के लिये दानदाताओं (डोनर्स) से मिलना।**

3. **कम फंडिंग वाले छोटे और स्थानीय संगठनों के लिये एक नेटवर्क बनाना** ताकि उन्हें आवश्यक सहायता और समर्थन से जुड़ने में मदद मिल सके।

4. **दुनिया भर में सर्वाइवर नेतृत्व वाले प्रोजेक्ट्स और संगठनों को सूचीबद्ध करते हुये एक खुली निर्देशिका (डायरेक्ट्री)** बनाना।

5. **सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों के साथ काम करने वालों के लिये पेशेवर (प्रॉफेश्नल) विकास और सहकर्मी (पीयर) परामर्श के लिये नेटवर्क** विकसित करना। इससे परिवर्तनकारी बदलाव के लिये संगठनों के प्रबंधन में उनकी क्षमताएं और कौशल मज़बूत होंगे।

6 **सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों के लिये समन्वय और सहयोग के लिये नियमित क्षेत्रीय और वैश्विक अवसर** बनाना। इससे सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों को अपनी प्रगति पर चर्चा करने और चुनौतियों का समाधान करने की अनुमति मिलेगी ताकि एक मज़बूत प्रभाव डाला जा सके और दुनिया भर में मानव तस्करी को रोकने में योगदान दिया जा सके।

7 सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों के लिये **पारदर्शिता और जवाबदेही** सुनिश्चित करने के लिये तंत्र (सिस्टम) बनाना।

8 सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों की दृश्यता (विज़ीबिलिटी) और कार्य को बढ़ाने के लिये **रणनीतिक संचार योजनाएं** विकसित करना और **डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों और अन्य माध्यमों से छोटे और उभरते संगठनों की पहल** को बढ़ावा देना।

लक्ष्य 5: हम तस्करी विरोधी क्षेत्र में सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों और अन्य संगठनों के बीच सहयोग को मज़बूत करने का प्रयास करेंगे।

सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठन तस्करी विरोधी आंदोलन में अद्वितीय विशेषज्ञता और दृष्टिकोण लाते हैं। अन्य तस्करी विरोधी संगठनों के साथ साझेदारी करके, हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता के लिये अतिरिक्त संसाधनों, विशेषज्ञता और सहायता तक पहुँच सकते हैं। बदले में, अन्य संगठन हमारी अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता से लाभ उठा सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुये कि उनका काम सर्वाइवर-केंद्रित और आघात-सूचित है।

ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाकर, हम मानव तस्करी के प्रति अधिक एकीकृत और समन्वित प्रतिक्रिया तैयार करेंगे ताकि हम उस सामाजिक बदलाव को हासिल कर सकें जो हम सभी चाहते हैं।

हालाँकि जो लोग सर्वाइवर नहीं हैं वो हमारे अनुभवों की सीमा को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं, हम सहकर्मियों के रूप में हमारे साथ काम करने और समर्थन करने के प्रति उनके समर्पण को पहचानते हैं और उसकी सराहना करते हैं। हम एक सहयोगी माहौल का आगे बढ़ायेंगे जहाँ सर्वाइवर लोग और सहयोगी शोषण मुक्त दुनिया के लिये मिलकर काम करेंगे।

हम सर्वाइवर नेताओं और सहयोगियों के लिये महत्वपूर्ण और कठिन बातचीत के लिये जगह बनायेंगे, और साथ मिलकर हम इस क्षेत्र में शक्ति / सत्ता संभालने के तरीके को बदल देंगे। हम अन्य तस्करी विरोधी संगठनों के साथ साझेदारी के साथ आने वाले शक्ति असंतुलन को संबोधित करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि सर्वाइवर्स को बराबर आवाज़ मिले और उनके साथ आदर और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाये।

कार्यवाहियाँ:

1 **निजी और सार्वजनिक तस्करी विरोधी संगठनों और संस्थानों के साथ संचार और सहयोग बढ़ाना**, इन संबंधों में निहित शक्ति गतिशीलता को पहचानना और सक्रिय रूप से संबोधित करना।

2 मानव तस्करी को रोकने के लिये राष्ट्रीय रणनीतियों और नीतियों में सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों की सार्थक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये **स्थानीय और राष्ट्रीय सरकारों के साथ रणनीतिक संबंध बनाना।**

3 उन निगमों की पैरवी करना जो सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाले तस्करी विरोधी संगठनों के प्रति अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) पहल के हिस्से को नामित करने के लिये **वित्त पोषित (फ़ंड) करते हैं या अपनी पेशेवर सेवाओं को स्वेछा से देते हैं**।

4 **साझेदारी समझौते विकसित करना जो अन्य तस्करी विरोधी संगठनों के साथ सहयोग की शर्तों, ज़िम्मेदारियों और अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करें**, दोहराव को रोकें और प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करें।

5 क्षेत्र में संगठनों के लिये **निष्पक्ष और न्यायसंगत कामकाजी माहौल बनाने के लिये व्यापक दिशानिर्देश और प्रशिक्षण** तैयार करना। इससे कार्यस्थल की उन संस्कृतियों को खत्म करने में मदद मिलेगी जहाँ सर्वाइवर्स को अपने उन साथियों - जिन्होंने आघात का अनुभव नहीं किया है - की तुलना में अलग व्यवहार का अनुभव होता है।

6 एक मंच या नेटवर्क स्थापित करना जहाँ सर्वाइवर संभवतः गुमनाम रूप से अंतर्दृष्टि और अनुभवों का आदान-प्रदान करके उन संगठनों के बारे में **जानकारी साझा कर सकें जो नैतिक मानकों का पालन नहीं करते हैं**।

7 परिवर्तन के लिये दबाव डालने और अधिक नैतिक नीतियों और प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा देने के लिये **अनैतिक प्रथाओं में संलग्न संगठनों को उजागर करना और निंदा करने के लिये एक मानक दृष्टिकोण लागू करना**।

निर्णय लेने की स्थिति में सर्वाइवर

तस्करी विरोधी और दासता विरोधी क्षेत्र में नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिका सर्वाइवर नेताओं के लिये यथार्थवादी और सुलभ कैरियर विकल्प होनी चाहिये। हममें से कई लोगों के लिये, हमारे जीवन के अनुभव इस बात के केंद्र में हैं कि हम इस काम के प्रति इतनी गहराई से क्यों प्रतिबद्ध हैं। हालाँकि, जब हमें निर्णय लेने वाले मंचों पर - केवल अपनी आघात की कहानियाँ साझा करने के लिये - बैठने के लिये कहा जाता है, तो हमारे अवसर कम हो जाते हैं। सर्वाइवर्स के पास, जितना माना या समझा जाता है, उससे कहीं अधिक ज्ञान, जानकारी और कौशल होता है।

इस नए एहसास वाले सर्वाइवर नेतृत्व वाले वैश्विक आंदोलन में सर्वाइवर नेता सीईओ, निदेशक, राजनेता और सम्मानित विचारक नेता होंगे। जो लोग हमारे जैसे दिखते हैं, वे हमें समझते हैं और हमें महत्व देते हैं।

इस अनुभाग में, हम तीन मुख्य लक्ष्यों - और उनके कार्यों - पर प्रकाश डालेंगे, जिन्हें व्यवहार में लाने पर वो बदलाव आयेगा जो हम देखना चाहते हैं।

लक्ष्य 1: हम तस्करी विरोधी और दस्ता विरोधी संगठनों में निर्णय लेने वाले पदों पर होंगे।

लक्ष्य 2: हम मानव तस्करी की रोकथाम, अपराधियों पर मुकदमा चलाने और सर्वाइवर्स की सुरक्षा के लिये ज़िम्मेदार सार्वजनिक संस्थानों में निर्णय लेने वाले पदों पर होंगे।

लक्ष्य 3: हमें सरकार के सभी स्तरों पर नीति और कानून को प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने और प्रभावित करने के लिये प्रशिक्षित और संगठित किया जायेगा।

लक्ष्य 1: हम तस्करी विरोधी और दस्ता विरोधी संगठनों में निर्णय लेने वाले पदों पर होंगे।

ऐतिहासिक रूप से, हमें तस्करी विरोधी और दासता विरोधी संगठनों के भीतर नेतृत्व की भूमिकाओं में हाशिए पर रखा गया है और कम प्रतिनिधित्व दिया गया है। हम इस वास्तविकता को बदलने के लिये तैयार हैं। हमारी आवाज़ें सुनी जायेंगी, हमारी कहानियाँ बताई जायेंगी और हमारे नेतृत्व को पहचाना और मनाया जायेगा। यह एक नए अध्याय का समय है जहाँ न्याय और स्वतंत्रता के लिये हमारी सामूहिक लड़ाई में समावेश और विविधता सबसे आगे हैं।

अपने ज्ञान और अनुभवों को अपनाकर, हम मौजूदा मानदंडों को चुनौती देंगे और अधिक प्रभावी तस्करी विरोधी रणनीतियाँ बनायेंगे। हम सार्थक और स्थायी परिवर्तन लाते हुये आंदोलन में सबसे आगे अपनी उचित जगह का दावा करते रहेंगे।

हमारी आकांक्षा स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी विरोधी संगठनों के भीतर विविध नेतृत्व भूमिकाएं निभाना है। हमारा लक्ष्य निदेशक, मानव संसाधन कर्मी, कार्यक्रम नेता और निर्णय-निर्माता बनना है, जो इन संगठनों की दिशा और प्रभाव को आकार देते हैं। इसे प्राप्त करने के लिये, हम उन सहयोगियों के साथ सहयोग करेंगे जो समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को साझा करते हैं, क्षेत्र के भीतर रणनीतियों का नेतृत्व करने और उन्हें लागू करने के लिये मिलकर काम करेंगे।

सर्वोत्तम नेता बनने के लिये, हम एक-दूसरे का समर्थन करेंगे और अपने कौशल में लगातार सुधार करेंगे।

कार्यवाहियाँ:

1. हमारी आवाज़ को बुलंद करने और **तस्करी विरोधी संगठनों के भीतर नेतृत्व पदों पर अधिक सर्वाइवर्स के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने** के लिये गतिविधियों का आयोजन करना। ये गतिविधियाँ वर्तमान संदर्भ के साथ-साथ चुनौतियों, अवसरों और अधिक प्रतिनिधित्व की माँगों पर चर्चा करने के लिये एक मंच प्रदान करेंगी।

2. **नेतृत्व और रणनीतिक कौशल विकास के अवसरों** को सुविधाजनक बनाना और उनमें भाग लेना। ये पहल कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने और योजना बनाने, बजट प्रबंधित करने, कर्मचारियों की निगरानी करने और हमारे विश्वासों और दृष्टिकोणों के लिये प्रभावी ढंग से पैरवी करने की हमारी क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

3. नेतृत्व के पदों पर **जिये गये अनुभव वाले पेशेवरों को काम पर रखने को प्राथमिकता देने के लिये परोपकारी (फिलन्थ्रापिक) और तस्करी विरोधी संगठनों को प्रभावित करने** के लिये रणनीति बनाना। पैरवी के लक्षित प्रयासों के माध्यम से, हम सर्वाइवर लोगों द्वारा इन भूमिकाओं में लाये जाने वाले मूल्य और अद्वितीय दृष्टिकोण को उजागर करेंगे।

4. परोपकारी (फिलन्थ्रापिक) संगठन और सरकारी संस्थाएं धन आवंटित करें और **फ़ेलोशिप, प्रशिक्षण पहल और छायांकन (शेडॉइंग) अवसर जैसे कार्यक्रम स्थापित करें** इसके लिये पैरवी करना। ये संसाधन सर्वाइवर नेताओं और संगठनों को निर्णय लेने की भूमिका निभाने के लिये आवश्यक अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनायेंगे।

5. **आघात-सूचित मानव संसाधन नीतियाँ** विकसित करना जो नेतृत्व की स्थिति में सर्वाइवर्स की भलाई (वेलबीइंग) को प्राथमिकता दें। इन नीतियों को सर्वाइवर नेताओं के कौशल को उजागर करना चाहिये और एक-दूसरे से सीखते हुये ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने के लिये स्थान बनाना चाहिये।

6. **सर्वाइवर्स की सहमति से, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनकी दृश्यता (विज़ीबिलिटी) बढ़ाना**, नकारात्मक रूढ़ियों को चुनौती देना और उनकी क्षमताओं और उपलब्धियों का प्रदर्शन करना। हम सर्वाइवर्स की धारणा को नया आकार देंगे और तस्करी विरोधी आंदोलन में उनके योगदान को उजागर करेंगे।

7 **सर्वाइवर नेताओं के लिये सहकर्मी समर्थन और मार्गदर्शन पाने के अवसरों** को व्यवस्थित करना। यह समर्थन और जवाबदेही का एक नेटवर्क तैयार करेगा और सर्वाइवर नेताओं को उनके नेतृत्व की स्थिति में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने में मदद करेगा।

8 **ऐसी नीतियाँ और रणनीतियाँ तैयार करना जो विशेष रूप से सर्वाइवर नेताओं का समर्थन करें जो हाशिए पर रहने वाले लोगों के रूप में पहचान करते हैं**, जैसे कि विकलांग या BIPOC या LGBTQIA+ लोग। यदि हम यह सुनिश्चित करते हैं कि वे अपने नेतृत्व की स्थिति में कामयाब हों तो हम एक अधिक विविध और प्रतिनिधि आंदोलन तैयार करेंगे।

9 तस्करी विरोधी संगठनों में मध्य-स्तरीय प्रबंधन से **कार्यकारी भूमिकाओं में जाने के लिये सर्वाइवर्स को तैयार** करने के लिये दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना।

10 **मानव संसाधन नीतियों और प्रक्रियाओं का विकास और समर्थन करना जो सर्वाइवर्स की गोपनीयता की रक्षा और रखरखाव** करें। यदि हमें एक सुरक्षित वातावरण बनाना है जहाँ वे अनावश्यक जोखिमों के संपर्क में न आयें तो सर्वाइवर लोगों के पास इस बात पर अधिकार होना चाहिये कि क्या वे अपने व्यक्तिगत इतिहास का खुलासा करना चाहते हैं।

लक्ष्य 2: हम मानव तस्करी की रोकथाम, अपराधियों पर मुकदमा चलाने और सर्वाइवर्स की सुरक्षा के लिये ज़िम्मेदार सार्वजनिक संस्थानों में निर्णय लेने वाले पदों पर होंगे।

मानव तस्करी पर कई मौजूदा रणनीतियों में सर्वाइवर्स के इनपुट को शामिल नहीं किया गया है। हमारी विशेषज्ञता को शामिल न करने से, हस्तक्षेप मॉडल के गुमराह होने, अप्रभावी होने या फिर आघात पहुँचाने का जोखिम रहता है। इससे भी बदतर, वे सर्वाइवर्स द्वारा सामना की गई वास्तविकताओं से अलग हो जाते हैं।

इसका एक उदाहरण रोकथाम, अपराधियों पर मुकदमा चलाने और सर्वाइवर्स की सुरक्षा के लिये "4P मॉडल" है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने मानव तस्करी के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को रेखांकित करने के लिये विकसित किया था।

सर्वाइवर्स के रूप में, हम इन मुद्दों की जटिलताओं को समझते हैं, और हमारे दृष्टिकोण ऐसी अंतर्दृष्टि लाते हैं जिन्हें उन लोगों द्वारा दोहराया नहीं जा सकता जिनके पास वो जिया गया अनुभव नहीं है। हम शिक्षा प्रदान करने और पर्याप्त बजट, नीतियों और कार्यक्रमों की पैरवी करने के लिये अपने ज्ञान को क्रियान्वित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। हम उन सभी सार्वजनिक संस्थानों में प्रभावी ढंग से योगदान देना चाहते हैं जिनसे हम जुड़े हैं, जैसे कि कानून प्रवर्तन, स्वास्थ्य सेवा, न्यायपालिका प्रणाली, प्रथम उत्तरदाता, आव्रजन (ईमीग्रेशन) सेवाएं और अन्य प्रासंगिक संस्थान।

इन निर्णय लेने वाली भूमिकाओं को अपनाकर, हम सक्रिय रूप से हस्तक्षेपों के भविष्य को नया आकार देंगे और सर्वाइवर्स के लिये बेहतर परिणाम लायेंगे। हमारी आवाज़ सुनी जायेगी, हमारी अंतर्दृष्टि को महत्व दिया जायेगा, और हमारी विशेषज्ञता का उपयोग अधिक न्यायपूर्ण और दयालु समाज बनाने के लिये किया जायेगा। साथ मिलकर, हम सार्वजनिक संस्थानों को बदल देंगे और मानव तस्करी से निपटने के लिये अधिक सर्वाइवर-केंद्रित दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

कार्यवाहियाँ:

1. **सार्थक अवसरों की पैरवी करना जहाँ सर्वाइवर नेता सार्वजनिक संस्थानों की नीतियों और प्रथाओं के साथ जुड़ सकें और उन्हें प्रभावित कर सकें**। इसमें नीतिगत चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना, हमारी विशेषज्ञता साझा करना, कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना, कमियों की पहचान करना और उन्हें संबोधित करना और सर्वाइवर-सूचित दृष्टिकोण की पैरवी करना शामिल है।

2. **सार्वजनिक संस्थानों में व्यक्तियों के साथ संबंध और सहयोग बनाकर** रणनीतिक गठबंधन बनाना। इस तरह हम बदलाव की पैरवी करने के लिये अपनी सामूहिक शक्ति का लाभ उठा सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारी आवाज़ सुनी जाये।

3. **सर्वाइवर्स के लिये नौकरी की माँग** करने के लिये रणनीतियों और अभियानों का आयोजन करना, जिससे **उन्हें सार्वजनिक संस्थानों में कैरियर पथ बनाने में सक्षम बनाया जा सके।** इसमें समावेशी भर्ती प्रथाओं की पैरवी करना, सर्वाइवर नेतृत्व को बढ़ावा देना और सर्वाइवर द्वारा इन भूमिकाओं में लाये जाने वाले मूल्य और विशेषज्ञता के बारे में जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

4. **सर्वाइवर्स के लिये शैक्षिक अवसरों का समर्थन करने के लिये छात्रवृत्ति और अनुदान** की पैरवी करना। सार्वजनिक संस्थानों में पद हासिल करने वालों के लिये वित्तीय बाधाओं को दूर करके, हम सर्वाइवर्स को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिये आवश्यक योग्यता और कौशल हासिल करने के लिये सशक्त बना सकते हैं।

5. **सर्वाइवर्स के आत्मविश्वास और क्षमता को बढ़ाने के लिये सामूहिक प्रशिक्षण और सहायता समूहों का संचालन करना**। ये समूह ज्ञान साझा करने, कौशल विकसित करने और सार्वजनिक संस्थानों में पदों के लिये आवेदन करने और सफल होने की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी चिंता या चुनौती का समाधान करने के लिये एक सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं।

6. तस्करों के अभियोजन से संबंधित **अदालती कार्यवाही में शामिल होने का विकल्प चुनने वाले सर्वाइवरों की गुमनामी को सुरक्षित रखने और बनाये रखने** के लिये तंत्र (सिस्टम) स्थापित करना।

लक्ष्य 3: हमें सरकार के सभी स्तरों पर नीति और कानून को प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने और प्रभावित करने के लिये प्रशिक्षित और संगठित किया जायेगा।

हम नीति निर्माताओं और राजनैतिक नेताओं के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करने से आगे बढ़ने के लिये प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य सरकार के सभी स्तरों पर नीति और कानून को आकार देने और प्रभावित करने में सक्रिय रूप से शामिल होना है।

इसे प्राप्त करने के लिये, हम प्रशिक्षण और गतिशीलता के माध्यम से अपनी क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम नीति विकास प्रक्रियाओं का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने और योगदान देने के लिये खुद को ज्ञान और कौशल से लैस करेंगे। इसमें कानून के प्रस्तावों का मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार करने, लिखने, समीक्षा करने और निगरानी करने में सक्रिय रूप से भाग लेना शामिल है।

हम सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाले गठबंधन बनाना चाहते हैं जो स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करेंगे और सामूहिक कार्यवाही और सहयोग के लिये मंच के रूप में काम करेंगे। हम अपने सहयोगियों और सरकारों के सदस्यों के साथ साझेदारी में काम करने के महत्व को पहचानते हैं। इस प्रकार के रचनात्मक संबंधों को बढ़ावा देने से नीति और कानून के विकास के हर

चरण में हमारे समावेशन में मदद मिलेगी।

नीति और कानून की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से शामिल होकर, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी आवाज़ सुनी जाये और हमारे योगदान को महत्व दिया जाये और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में एकीकृत किया जाये। हम अपने अनूठे दृष्टिकोण, विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि को सामने लाने के लिये अथक प्रयास करेंगे। साथ मिलकर, हम ऐसी नीतियों की पैरवी करेंगे जो मानव तस्करी से सर्वाइवर्स के अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता दें।

हमारा गर्मजोशीपूर्ण और दृढ़ दृष्टिकोण बातचीत और सहयोग के लिये एक स्वागत योग्य स्थान तैयार करेगा, जो हम सभी को शासन और विधायी ढाँचे की ओर मोड़ेगा जो सर्वाइवर्स पर केंद्रित हैं।

कार्यवाहियाँ:

1. एक **विविधतापूर्ण सर्वाइवर परिषद** के निर्माण को बढ़ावा देना जो दुनिया भर में सर्वाइवर्स के दृष्टिकोण और हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली एकीकृत आवाज़ के रूप में काम करेगी। यह परिषद सर्वाइवर लोगों को राजनीति और सरकार के सभी स्तरों पर सत्ता के पदों पर रखने की पैरवी करेगी।

2. मानव तस्करी और आधुनिक दासता को संबोधित करने वाले **कानूनों का मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार करने, लिखने और प्रस्तावित करने के लिये समर्पित सर्वाइवर के नेतृत्व वाले समूह** और गठबंधन बनायें। ये समूह सभी स्तरों पर कानून निर्माताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना और नीति और कानून को प्रभावित करने के लिये उनके अनुभव का लाभ उठाना।

3. **मानव तस्करी और आधुनिक दासता से संबंधित नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी करना** और उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिये सिफारिशें तैयार करना। प्रगति पर बारीकी से नज़र रखने और कमियों की पहचान करके, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि नीतियाँ प्रभावशाली कार्यवाही बनें जो सर्वाइवर्स की रक्षा और समर्थन करें।

4. विभिन्न देशों के सर्वाइवर नेताओं के लिये एक साथ आने और **नीतियों को प्रभावित करने और नीति निर्माताओं के साथ काम करने के बारे में अपना ज्ञान साझा करने** के लिये मंच स्थापित करना। अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा और आदान-प्रदान के माध्यम से, सर्वाइवर्स को वैश्विक स्तर पर नीतिगत परिवर्तनों की प्रभावी ढंग से पैरवी करने के लिये सशक्त बनाया जायेगा।

5. सार्वजनिक समर्थन जुटाने और नीति निर्माताओं को सर्वाइवर-केंद्रित तस्करी विरोधी नीतियों को प्राथमिकता देने के लिये **ऑनलाइन और व्यक्तिगत पैरवी अभियान विकसित और लागू करना**।

6. सर्वाइवर-सूचित नीतियों की पैरवी करने के लिये **सहयोगियों और सरकारों के सदस्यों के साथ** संबंध बनाना और सुनिश्चित करना कि हमारे दृष्टिकोण निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल हों।

7. ऐसे प्रारूपों में **तस्करी विरोधी नीतियों और कानून का सुलभ दस्तावेज़ बनाना** जो विभिन्न पाठकों द्वारा आसानी से समझे जा सकें। स्पष्ट और उपयोगकर्ता-अनुकूल संसाधन प्रदान करके, हम पारदर्शिता बढ़ायेंगे और नीतिगत चर्चाओं में सूचित भागीदारी को बढ़ावा देंगे।

8. **सरकारी पदों पर अधिक सर्वाइवर प्रतिनिधित्व** की पैरवी करना, हाशिए पर रहने वाले समुदायों से और पहचानों से आने वाले सर्वाइवर्स को प्राथमिकता देना।

9 **व्यक्तिगत और ऑनलाइन मंचों** (जैसे टाउन हॉल और सभाओं) की सुविधा प्रदान करना जहाँ सर्वाइवर लोग, जो गुमनाम रहने का विकल्प चुन सकते हैं, प्रासंगिक हितधारकों के साथ विशिष्ट तस्करी विरोधी नीतियों पर चर्चा कर सकते हैं और उन्हें आगे बढ़ा सकते हैं।

10 सर्वाइवर्स को **अंतर-संस्थागत समन्वय तंत्र (सिस्टम) में नेतृत्वकारी भूमिका** निभाने की पैरवी करना। ये तंत्र (सिस्टम) विकास के उद्देश्यों, मानवीय प्रोटोकॉल, संधियों, सम्मेलनों और आधुनिक दासता को खत्म करने और सर्वाइवर्स का समर्थन करने के प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन की पैरवी करते हैं।

11 **बच्चों के लिये अधिक कानूनी सुरक्षा की पैरवी करना** जो तस्करी की घटनाओं को रोके और उन पर प्रतिक्रिया करे।

12 **सामूहिक आवाज़ को संगठित करने के लिये याचिकाओं को एक उपकरण (टूल) के रूप में उपयोग** करना जो निर्णय लेने वालों को नेतृत्व की स्थिति में सर्वाइवर्स को पहचानने और प्राथमिकता देने के लिये प्रभावित कर सकता है।

13 LGBTQIA+, BIPOC, पहले जेल में बंद और गैर-दस्तावेज़ीकृत व्यक्तियों जैसे **हाशिए पर रहने वाले समुदायों से सर्वाइवर्स के लिये सुरक्षित स्थान बनाने पर जोर देना**। यहाँ सर्वाइवर चुनौतियों पर चर्चा करने, सामूहिक कार्यों की योजना बनाने और अधिक समावेशी नीतियों की पैरवी करने के लिये जुड़ सकते हैं।

प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान कर रहे सर्वाइवर

तस्करी-विरोधी संगठनों का एक बड़ा हिस्सा देखभाल, सहायता और केस प्रबंधन, सुरक्षा, आश्रय, चिकित्सा / स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, परामर्श, वित्तीय सहायता, पुन: एकीकरण और आवास की सहायता जैसी प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस नेक इरादे के बावजूद, नेतृत्व की भूमिकाओं में सर्वाइवर्स की कमी रही है; उनके अवसर अक्सर सहकर्मी परामर्श और संकट प्रबंधन तक ही सीमित होते हैं। हम चाहते हैं कि सर्वाइवर लोग संगठनात्मक प्रबंधन में नेतृत्व करें और निर्णय लेने वाले पदों पर आसीन हों। यह सुनिश्चित करने में कि - सर्वाइवर प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और उन्हें प्रभावित कर रहे हैं – इसमें एक तरह की ताकत है।

हालाँकि हम स्वीकार करते हैं कि इस प्रकार की देखभाल की पेशकश सर्वाइवर नेताओं के लिये संतोषजनक हो सकती है, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण भी हो सकती है। जब हम प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करते हैं और उन्हें आकार देते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि हम ऐसे वातावरण बनायें जो बर्नआउट (मानसिक और शारीरिक थकान) को रोकें। हमारा दृष्टिकोण सर्वाइवर्स की भलाई (वेलबीइंग) और सभी स्टाफ सदस्यों के लिये सुलभ व्यापक देखभाल और सहायता, दोनों पर केंद्रित होना चाहिये।

सर्वाइवर्स के वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने के साथ, प्रत्यक्ष सेवाओं में सर्वाइवर लोगों और स्टाफ सदस्यों, दोनों के लिये समग्र आघात-सूचित देखभाल का विकास शामिल होगा।

इस अनुभाग में, हमने अपने तीन सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों और कार्यवाही के कदमों को शामिल किया है जिन्हें उठाने के लिये हम प्रतिबद्ध हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने का एक नया तरीका विकसित कर सकें।

लक्ष्य 1: हम प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों में विविध भूमिकाएं निभाएंगे।

लक्ष्य 2: हम प्रत्यक्ष सेवाओं में जिये गये अनुभव वाले कार्यरत पेशेवरों के लिये स्थितियों में सुधार करेंगे।

लक्ष्य 3: हम प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के भीतर काम की समग्र स्थिति और गुणवत्ता में सुधार करेंगे।

लक्ष्य 1: हम प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों में विविध भूमिकाएं निभाएंगे।

हम नेतृत्व करने और प्रत्यक्ष देखभाल हस्तक्षेप मॉडल में बदलाव करने के लिये तैयार हैं। इसमें प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के भीतर, संकट के लिये हस्तक्षेप से परे, और सहकर्मी और संरक्षक सहायता भूमिकाओं में अधिक विविध पदों पर रहना शामिल होगा।

हम अपनी विशेषज्ञता का उपयोग विश्वास विकसित करने और यह सुनिश्चित करने के लिये करेंगे कि सेवा प्राप्तकर्ताओं की ज़रूरतों को देखभाल और दयालुतापूर्ण तरीकों से पूरा किया जाये। हम एक अधिक सर्वाइवर-समावेशी दृष्टिकोण भी बनायेंगे जो पुन: शोषण को रोकेगा और स्वायत्तता और आत्मनिर्णय को बढ़ावा देगा।

हमें, हमारे जीवन के अनुभवों से परे, ज्ञान और विशेषज्ञता के साथ, एक संपूर्ण मानव के रूप में देखा जायेगा। हम देखभाल के विविध सातत्यों (कन्टिन्युअम) पर कई भूमिकाएं निभायेंगे जो प्रत्यक्ष देखभाल के लिये अधिक सहयोगात्मक, आघात-सूचित दृष्टिकोण के विकास में योगदान देंगी।

कार्यवाहियाँ:

1. प्रत्यक्ष सेवा संगठनों में काम करने के लिये आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास को मज़बूत करने के लिये **सुलभ और विविध व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों को तैयार करना** और उनमें भाग लेना।

2. **ऑनलाइन और व्यक्तिगत चर्चाओं** का विकास करना जो जिये गये अनुभव वाले और बिना अनुभव वाले पेशेवरों को एक-दूसरे से सीखने का मौका देती हैं और सर्वाइवर लोगों के बारे में सोचने के तरीके को बदलने में योगदान करती हैं।

3. **शोध और संचार अभियान** विकसित करना जो दिखाते हैं कि कैसे जिये गये अनुभव वाले पेशेवर प्रत्यक्ष सेवाओं को डिज़ाइन और कार्यान्वित करने के तरीके में सुधार कर सकते हैं। यह विश्वास कायम करने, ज़रूरतों का पूरा होना सुनिशिचित करने और उन सर्वाइवर्स - जो सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं - के पुन: शोषण को रोके जाने में सर्वाइवर नेताओं की विशेषज्ञता को उजागर करेगा।

4. **प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने वाले संगठन और संस्थान आघात-सूचित भर्ती प्रथाओं और नीतियों को विकसित करें** इसके लिये पैरवी करना। इस बात को स्वीकार करने पर भी ज़ोर देना कि जिये गये अनुभव भी अकादमिक शिक्षा के समान ही मूल्यवान विशेषज्ञता रखते हैं।

5. सहकर्मी सहायता समूहों और सर्वाइवर पेशेवरों के लिये एक **ऑनलाइन निर्देशिका (डायरेक्ट्री) बनाना जो प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करते हैं** जो हमें जुड़ने, ज्ञान प्राप्त करने और प्रतिक्रिया देने को सरल बनायेगी। आघात-सूचित प्रशिक्षकों, सलाहकारों, चिकित्सकों (हीलर्स), लाइसेंस प्राप्त चिकित्सकों (थेरेपिस्ट्स), मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों की इस निर्देशिका (डायरेक्ट्री) में गैर-धार्मिक और स्वतंत्र (डिकोलोनियल) बहाली (हीलिंग) दृष्टिकोण शामिल होंगे।

6. मेडिकल स्कूल, नर्सिंग स्कूल, विधि (लॉ) स्कूल और लाइसेंस प्राप्त परामर्शदाता और सामाजिक कार्यकर्ता की डिग्री और प्रमाणन जैसी **पेशेवर साख हासिल करने वाले सर्वाइवर्स का समर्थन** करने के अवसर खोजना।

7. **विशिष्ट प्रत्यक्ष सेवा पाठ्यक्रम या प्रमाणन विकसित करने के लिये शैक्षणिक संस्थानों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ साझेदारी** स्थापित करना जो जिये गये अनुभव और अकादमिक ज्ञान को एकीकृत करते हैं।

8 एक **"अपनी राह खोजें" टूलकिट तैयार करना** जो सर्वाइवर्स के जुनून और ज़रूरतों का पता लगाये, पहचाने कि वे कौन सी भूमिका निभाना चाहते हैं, और उन पेशेवर लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनकी मदद करने के लिये सामूहिक पैरवी रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करे।

लक्ष्य 2: हम प्रत्यक्ष सेवाओं में जिये गये अनुभव वाले कार्यरत पेशेवरों के लिये स्थितियों में सुधार करेंगे।

यह सुनिश्चित करने के लिये कि हम प्रत्यक्ष सेवा कार्यस्थलों में सफल हो सकें, संगठनों को ऐसी नीतियों और प्रथाओं की आवश्यकता है जो गोपनीयता का सम्मान करें और सर्वाइवर्स के समग्र कल्याण में योगदान दें। हम काम करने का अधिक आघात-सूचित, सहयोगात्मक और भरोसेमंद वातावरण बनाना चाहते हैं। ऐसा करने के लिये, संगठनों को कामकाजी पेशेवरों के रूप में सर्वाइवर्स का सम्मान करना चाहिये और खुद को अपने मूल्यों के प्रति जवाबदेह बनाना चाहिये।

संगठनों को आघात के सर्वाइवर्स को इस बात पर गहन प्रशिक्षण देना चाहिये कि कार्यस्थल पर होने वाले तनाव (बर्नआउट) से कैसे निपटा जाए, अन्य सर्वाइवर्स को उनके ट्रिगर्स से निपटने में कैसे मदद की जाये, उनके तंत्रिका तंत्र को कैसे शांत किया जाये, और प्रत्यक्ष सेवा भूमिकाओं में सर्वाइवर लोगों को नियोजित करने वाले सहयोगियों के लिये शैक्षिक उपकरण (टूल्स) के बारे में गहन आघात प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिये। संगठनों को व्यावसायिक विकास के अवसर भी प्रदान करने चाहिये। हम स्वस्थ कार्यस्थल संस्कृतियों की पैरवी करते रहेंगे जो स्वायत्तता को अपनाती हैं और कठिनाइयों के आने पर सर्वाइवर्स को सहायता प्राप्त करने के लिये साहसपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं।

हम प्रतिस्पर्धी वेतन और लाभ पैकेज की पैरवी करेंगे जो नौकरी विवरण की माँगों और अपेक्षाओं से मेल खाते हों, और जो क्षेत्र के अन्य पेशेवरों के बराबर हों। हम उस फंडिंग तक पहुँच की भी पैरवी करेंगे जो वित्तीय कठिनाइयाँ पैदा होने पर कर्मचारियों का समर्थन करती है, क्योंकि किफायती आवास की कमी कभी-कभी पुन: शोषण का कारण बन सकती है।

कार्यवाहियाँ:

1 **सर्वाइवर नेताओं द्वारा सहायता प्राप्त परामर्श कार्यक्रमों** का आयोजन करना जो वित्तीय साक्षरता, परियोजना प्रबंधन (प्रोजेक्ट मैनेजमेंट) और प्रत्यक्ष सेवाओं में नियोजित अन्य सर्वाइवर्स की सहायता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

2 **कर्मचारियों के लिये आघात-सूचित प्रशिक्षण की सुविधा** के लिये प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के साथ काम करना। इन प्रशिक्षणों को ऐसे पेशेवर वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये जो सर्वाइवर्स का उनकी सारी विविधताओं के साथ स्वागत करता हो।

3 ऐसी नीतियाँ विकसित करना जो **प्रत्यक्ष सेवा कर्मचारियों के लिये व्यक्तिगत स्वास्थ्य और भलाई (वेलबीइंग) कार्यक्रमों की लागत को प्राथमिकता दें और उसे शामिल करें**। इसमें ऑन-साइट मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर कर्मचारी, लाभ पैकेज, और ऑन-साइट कल्याण (वेलनेस) देखभाल के साथ-साथ उनकी ज़रूरतों और विकास का समर्थन करने वाली नीतियाँ शामिल हो सकती हैं जैसे जैसे पर्याप्त भुगतान छुट्टी, सहकर्मियों से कार्यस्थल समर्थन, अच्छी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच की सुविधा, और पर्याप्त सवैतनिक अवकाश।

4 प्रत्यक्ष सेवा कर्मियों के बीच छुट्टी के समय के प्रबंधन और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिये एक टीम-आधारित दृष्टिकोण विकसित करना, जिसका प्राथमिक उद्देश्य उनकी **आय और नौकरी की सुरक्षा को संरक्षित रखना** है।

5 **प्रतिस्पर्धी वेतन की पैरवी करना जो नौकरी की माँगों और अपेक्षाओं के अनुरूप हो** और अन्य प्रत्यक्ष सेवा पेशेवरों के वेतन के बराबर हो।

6 कार्यस्थल पर होने वाले किसी भी आकस्मिक आघात या पुन: आघात के बाद अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं (FLW) को जानकारी देने में मदद करने के लिये एक **रोकथाम और हस्तक्षेप टूलकिट** विकसित करना। टूलकिट कार्यस्थल में पुन: शोषण के तरीकों पर प्रकाश डालेगा और इससे बचने के ठोस तरीके प्रदान करेगा।

7 जिये गये अनुभव वाले प्रत्यक्ष सेवा पेशेवरों के साथ होने **वाले भेदभाव के काम / व्यवहारों की पहचान करना और उनका समाधान करना।**

8 सर्वाइवर्स की सुरक्षा के लिये **कार्यस्थल उत्पीड़न और कलंकीकरण नीति** तैयार करना और निगरानी प्रथाओं को लागू करना जिन्हें विभिन्न भौगोलिक स्थानों के लिये अनुकूलित किया जा सकता है।

9 प्रत्यक्ष सेवाओं में काम करने वाले **सर्वाइवर नेताओं के बीच सुलभ सहकर्मी सहायता समूहों और जवाबदेही समूहों** को व्यवस्थित करना। इन समूहों को गैर-पक्षपातपूर्ण आशावाद और समर्थन और हस्तक्षेप रणनीतियों के आसपास विचारों के आदान-प्रदान के लिये एक स्थान प्रदान करना चाहिये। इन समूहों में भाग लेने से, जिये गये अनुभव वाले पेशेवरों को उन सेवाओं पर ज्ञान और प्रतिक्रिया मिलेगी जो वे प्रदान करना चाहते हैं।

10 **सुपरविजन प्रक्रियाएं और उपकरण (टूल्स)** विकसित करना जो स्पष्ट अपेक्षाओं को रेखांकित करें, प्रगति की पहचान करें, जवाबदेही को प्रोत्साहित करें और प्रत्यक्ष सेवा संगठनों में सभी कर्मचारियों के लिये विकास के अवसरों की पहचान करें।

11 **मानव तस्करी के सर्वाइवर्स के आपराधिक रिकॉर्ड को खत्म करने** या सर्वाइवर्स की पहचान होने पर किसी भी आपराधिक रिकॉर्ड को रद्द करने के लिये एक अभियान तैयार करना।

12 प्रत्यक्ष सेवाओं में जिये गये अनुभव वाले कार्यरत पेशेवरों के लिये **सुरक्षित, किफायती आवास तक पहुँच** की पैरवी करना।

13 प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने में सबसे आगे रहने वाले सर्वाइवर्स के लिये **सुरक्षा, संरक्षा और संरक्षण के मुद्दों पर अधिक प्रशिक्षण** और समर्थन की पैरवी करना।

लक्ष्य 3: हम प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के भीतर काम की समग्र स्थिति और गुणवत्ता में सुधार करेंगे।

हम कई अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आते हैं और कई अलग-अलग जटिलताओं से निपटते हैं जिनका देखभाल के वर्तमान प्रत्यक्ष सेवा मॉडल में प्रतिनिधित्व नहीं किया जाता है। इनमें से कई दृष्टिकोण पश्चिमी विश्वदृष्टिकोण से उपजे हैं और सेवाएं प्राप्त करने वाले सर्वाइवर की ज़रूरतों को ध्यान में नहीं रखते हैं।

इस स्थिति को सुधारने के लिये, हमें प्रत्यक्ष सेवाओं की गुणवत्ता को उन्हें प्राप्त करने वाले सर्वाइवर की पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक संदर्भ के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। प्रत्यक्ष सेवा कर्मियों और चिकित्सकों (थेरेपिस्ट्स) को अधिक वैकल्पिक

उपचार (हीलिंग) विधियों और आघात-सूचित दृष्टिकोणों तक पहुँच की आवश्यकता है जो सर्वाइवर-नेतृत्व वाले और सर्वाइवर-केंद्रित हों।

इन मॉडलों में विविधता सुनिश्चित करने के लिये देखभाल के प्रत्यक्ष सेवा मॉडल विकसित करने में सर्वाइवर्स को सबसे आगे रहना चाहिये। हमें सुलभ स्थान बनाने की आवश्यकता है जहाँ BIPOC, LGBTQIA+, और न्यूरोडाइवर्जेंस और विकलांगता के सर्वाइवर्स स्वयं की पहचान कर सकें और अपनी स्वयं की उपचार योजनाओं के विकास का नेतृत्व कर सकें।

कार्यवाहियाँ:

1. यह सुनिश्चित करने के लिये अभियान विकसित करना कि **कम संसाधन वाले प्रत्यक्ष सेवा संगठनों को पर्याप्त और सुलभ फंडिंग उपलब्ध हो** ताकि वे गुणवत्तापूर्ण प्रोग्रामिंग प्रदान कर सकें।

2. प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के लिये **धन जुटाने में मदद के लिये प्रशिक्षण और अन्य सेवा-हेतु-शुल्क कार्यक्रम विकसित करना।**

3. इस बात के लिये **सिफ़ारिशें विकसित करना कि कैसे** कई अलग-अलग पृष्ठभूमियों और संस्कृतियों के **सर्वाइवर्स को प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं,** जिससे उनकी गोपनीयता की रक्षा की जा सके और उन्हें ऐसा महसूस कराया जा सके कि उनकी बात सुनी जा रही है।

4. **हाशिए पर रहने वाले समुदायों के सर्वाइवर्स**, जिनमें विकलांग लोग भी शामिल हैं, या जो BIPOC या LGBTQIA+ हैं, **के समर्थन में सुधार के लिये निष्पक्ष सेवाओं के निर्माण** की पैरवी करना। इन सेवाओं को सर्वाइवर्स की स्वायत्तता को पहचानना चाहिये और उन्हें तब आत्म-पहचान करने की जगह देनी चाहिये जब वो करना चाहते हैं और अगर वे ऐसा करने के लिये पर्याप्त सुरक्षित महसूस करते हैं।

5. **पुरुष सर्वाइवर्स के लिये अधिक आघात-सूचित सेवाएं और जागरूकता पहल विकसित करना** और रोकथाम और प्रतिक्रिया तंत्र (सिस्टम) में भागीदारी बढ़ाना।

6. **जिये गये अनुभव विशेषज्ञ मूल्यांकन टीमें** बनाना जो प्रत्यक्ष सेवाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करें।

7. **सेवा कार्यक्रम मॉडल की निरंतरता बनाना जो सर्वाइवर नेतृत्व वाले और सर्वाइवर-केंद्रित हों**, जिसमें आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से सर्वाइवर की आजीविका को मज़बूत करना शामिल है।

8. **चिकित्सा (मेडिकल) सेवाओं में काम करने वाले लोगों को अपने पूर्वाग्रहों की पहचान करने** और नुकसान को कम करने के लिये उनकी देखभाल प्राप्त करने वाले सर्वाइवर्स की बेहतर सहायता करने के बारे में **प्रशिक्षित करना।**

9. विविध, कम या बिना किसी बाधा वाली **सेवाओं और स्तरीय उपचार योजनाओं का विकास करना जिनका उपयोग सर्वाइवर लोग अपनी बहाली (हीलिंग) यात्रा के किसी भी चरण में कर सकें**। इन सेवाओं और उपचारों को उम्र, शोषण के समय या लिंग सहित किसी भी मानदंड के आधार पर प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिये। इसके बजाय, उन्हें बचाव के स्थान पर सर्वाइवर के सशक्तिकरण, स्वायत्तता और विकल्प में निहित होना चाहिये।

10 **स्वागत करने वाले और समावेशी इंटेक सेटर्स** विकसित करना जहाँ व्यक्ति आराम कर सकें, चिकित्सा उपचार प्राप्त कर सकें, अगले चरणों पर बात कर सकें और **तस्करी से बाहर निकलने के तुरंत बाद भावनात्मक देखभाल प्राप्त कर सकें**। इससे उपचार योजनाओं में प्राथमिक लक्ष्य के रूप में सुरक्षित, स्थिर आवास प्रदान करना सामान्य हो जायेगा।

11 **सर्वाइवर लोगों के परिवारों के लिये इंटेक सेटर्स** विकसित करना जो परामर्श प्रदान करें और मानव तस्करी और एक सर्वाइवर का सर्वोत्तम समर्थन कैसे करें, उसपर शिक्षा प्रदान करें।

12 **"निडर स्थान (ब्रेव स्पेस)" ड्रॉप-इन केंद्र विकसित करना जहाँ ऐसे व्यक्ति जो अभी भी तस्करी और शोषण में सक्रिय हैं**, तनावमुक्त हो सकें, आराम कर सकें, भोजन साझा कर सकें, भावनात्मक समर्थन और परामर्श प्राप्त कर सकें, और प्रसाधन सामग्री और बुनियादी ज़रूरतों को स्टॉक कर सकें।

13 **कोविड-19 महामारी से पैदा होने वाली असमानताओं से निपटने के लिये दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल** तैयार करना। ये दिशानिर्देश टीके की पहुँच में सुधार लाने और उन समुदायों की ज़रूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे जो वायरस से असमान रूप से प्रभावित हुये हैं।

14 प्रत्यक्ष सेवा सुधार और कार्यान्वयन रणनीतियों के लिये सिफारिशें प्रदान करने **हेतु 18 वर्ष से कम आयु के सर्वाइवर्स के लिये युवा सलाहकार समितियाँ** तैयार करना।

15 जिन देशों में **मानव तस्करी हॉटलाइन** मौजूद नहीं हैं वहाँ उन्हें बनाने की पैरवी करना।

16 **मानव तस्करी हॉटलाइन के लिये एक सार्वभौमिक आघात-सूचित पहचान स्क्रीनिंग टूल विकसित** करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी सेवाएं और सहायता उचित रूप से वितरित की जाती हैं।

ज्ञान के उत्पादन का नेतृत्व कर रहे सर्वाइवर

मानव तस्करी और दासता पर शोध का नेतृत्व मुख्य रूप से बिना जिये हुये अनुभव वाले शिक्षाविदों और पेशेवरों द्वारा किया जाता है। हालाँकि, सर्वाइवर ऐसे दृष्टिकोण लाते हैं जो यह बता सकते हैं कि तस्करी विरोधी शोध कैसे किया जाये और साथ ही शोध में सर्वाइवर की आवाज़ के महत्व को कैसे बढ़ाया जाये।

हम विद्वानों के शोध, शैक्षिक संसाधनों और सामग्रियों के निर्माण, कहानी कहने और साक्ष्यों सहित ज्ञान के सभी रूपों में उत्पादन का नेतृत्व करने वाले सर्वाइवर्स के महत्व को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, केवल औपचारिक शैक्षणिक छात्रवृत्ति पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, हम यह भी मानते हैं कि सर्वाइवर्स के ज्ञान को कई अन्य प्रारूपों में प्रस्तुत किया जा सकता है और अकादमिक शोध के समान ही महत्व रखा जा सकता है।

मानव तस्करी और दासता पर ज्ञान के उत्पादन का नेतृत्व करने वाले सर्वाइवर्स हों, हमारे इस विज़न को साकार करने के लिये, निम्नलिखित लक्ष्य और उनसे संबंधित कार्यवाहियाँ महत्वपूर्ण हैं:

मानव तस्करी और गुलामी के बारे में सीखने में उत्तरजीवियों के नेतृत्व करने के हमारे दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, हमें निम्नलिखित कदम उठाने की जरूरत है:

लक्ष्य 1: हम मानव तस्करी के बारे में ज्ञान के अकादमिक उत्पादन का नेतृत्व करेंगे।

लक्ष्य 2: हम बच्चों, समुदायों और संस्थानों के लिये तस्करी विरोधी शिक्षा के विकास और कार्यान्वयन का नेतृत्व करेंगे।

लक्ष्य 3: हम मानव तस्करी से संबंधित मीडिया और सांस्कृतिक विवरणों को रणनीतिक रूप से प्रभावित करेंगे।

लक्ष्य 1: हम मानव तस्करी के बारे में ज्ञान के अकादमिक उत्पादन का नेतृत्व करेंगे।

सर्वाइवर्स के पास न केवल मानव तस्करी पर अकादमिक शोध का हिस्सा बनने के लिये, बल्कि शुरुआत से लेकर प्रसार तक संपूर्ण शोध प्रक्रियाओं का नेतृत्व करने के लिये ज्ञान, भाषा और कौशल है। सर्वाइवर उन बोर्डों का नेतृत्व करेंगे जो नैतिक शोध प्रथाओं को सुनिश्चित करते हैं, और हम मानव तस्करी और दासता पर शोध करने के लिये सर्वोत्तम अभ्यास दिशानिर्देश (बेस्ट प्रैक्टिस गाइडलाइंस) विकसित करेंगे।

हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि हमारे जीवन के अनुभव को हल्के में लिया जाये और उसे मान्यता न दी जाये। हमें सर्वाइवर नेतृत्व वाली और बनाई गई सभी जानकारी के लिये मुआवजे, मान्यता और रॉयल्टी तक पहुँच प्राप्त होगी। हम नैतिक और कार्य-उन्मुख (एक्शन ओरिएंटेड) शोध के उपयोग को बढ़ावा देंगे जो मानव तस्करी और दासता शोध के संचालन के लिये पारंपरिक दृष्टिकोण से परे हैं।

हमारी आवाज़ और अनुभवों को एक आभासी मंच (वर्चुअल प्लैटफ़ार्म) के निर्माण के माध्यम से बढ़ाया जायेगा जो हमारे द्वारा रचे गये सभी ज्ञान को एकत्रित करेगा। हम सीखने के स्थानों को बढ़ावा देंगे जहाँ हम साथी सर्वाइवर्स को शिक्षित करेंगे और किताबें, पत्रिकाएं प्रकाशित करने और शोध का नेतृत्व करने के लिये एक-दूसरे को सशक्त बनायेंगे।

हम मानव तस्करी और दासता पर ज्ञान के उत्पादन का नेतृत्व करेंगे क्योंकि हम जानते हैं, और क्योंकि हम कर सकते हैं।

कार्यवाहियाँ:

1. इस बात की पैरवी करना कि **जिये गये अनुभव वाले विशेषज्ञ मानव तस्करी और दासता** पर सभी चरणों, सभी शोध संस्थाओं और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों **पर शोध का नेतृत्व करें**।

2. सर्वाइवर लोगों के नेतृत्व में शोध के प्रसार को बढ़ाना, जिसमें **सर्वाइवर लोगों के लिये एक-दूसरे के साथ शोध और प्रशिक्षण में संलग्न होने के लिये एक आभासी मंच (वर्चुअल प्लैटफ़ार्म) का निर्माण** भी शामिल है। यह मंच सर्वाइवर लोगों को ज्ञान के उत्पादन पर शोध, लेख, टूलकिट, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, अवसरों और उपकरणों (टूल्स) तक पहुँचने की भी अनुमति देगा।

3. **शोध के लिये सर्वोत्तम अभ्यास** विकसित करना, जिसमें मानकीकृत शब्दावली और साझा भाषा विकसित करना शामिल है जो न्यायसंगत, समावेशी और सशक्त हो। हमें उम्मीद है कि यह उपकरण (टूल) अकादमिक क्षेत्र में पाठ्यक्रम और कार्यप्रणाली को प्रभावित करेगा।

4. मानव तस्करी पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिये विश्वविद्यालयों और अन्य ज्ञान उत्पादन संस्थाओं की पैरवी करना, जिनमें **अंतर-अनुभागीय (इंटरसेक्शनल), उत्पीड़न-विरोधी और स्वतंत्र (डीकोलोनियल)** दृष्टिकोण हो।

5. सर्वाइवर्स द्वारा प्रस्तुत शोध और कागजात के लिये **मुआवजे, मान्यता और रॉयल्टी की माँग** करने के लिये क्षमता और रणनीति बनाना।

6. दुनिया भर के **सामग्री विशेषज्ञों का एक बहुसांस्कृतिक सर्वाइवर नेतृत्व** वाला समूह बनाना जो मानव तस्करी से संबंधित सामग्री और शोध के तरीकों की समीक्षा कर सके।

7 **सर्वाइवर नेतृत्व वाली परामर्श कंपनियों** का निर्माण और प्रचार करना जो बिना शैक्षणिक योग्यता के सर्वाइवर को काम पर रखें और प्रशिक्षित करें। ये कंपनियां शोध कर सकती हैं और ज्ञान उत्पादन में शामिल सर्वाइवर्स के उचित भुगतान और उपचार की पैरवी कर सकती हैं।

8 **मानव तस्करी शोध को प्रकाशित करने के लिये एक सर्वाइवर नेतृत्व वाली, सहकर्मी द्वारा समीक्षा की गई पत्रिका** बनाना। इस पत्रिका की समीक्षा एक सलाहकार बोर्ड द्वारा की जायेगी जिसमें पीएचडी और अकादमिक शोध में अन्य विशेषज्ञता वाले सर्वाइवर शामिल होंगे।

9 यह सुनिश्चित करने के लिये कि शोध ज़मीनी और समाधान-केंद्रित है, **सहभागी कार्यवाही शोध** (PAR), **आघात-सूचित और सर्वाइवर-अनुपालक पद्धतियों** को बढ़ावा देना। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि लंबे शोध सर्वाइवर्स के आश्रय से बाहर निकलने के बाद की कहानियों और उनके निरंतर बहाली (हीलिंग) और विकास पर केंद्रित है।

10 आघात-सूचित और पारस्परिक परिप्रेक्ष्य से **साक्ष्य-आधारित मानव तस्करी शोध की पैरवी, नेतृत्व और प्रसार करना**।

11 **शिक्षा जगत के बाहर उत्पादित सामग्रियों, विधियों और दृष्टिकोणों के माध्यम से ज्ञान के विकास** को बढ़ावा देना। सर्वाइवर अपने ज्ञान और अनुभवों को पुस्तकों, लेखों, ब्लॉगों, पॉडकास्ट, प्रदर्शन कला, संगीत, फिल्म और टेलीविजन, फोटोग्राफी, पेंटिंग और अन्य कलात्मक और रचनात्मक अभिव्यक्तियों जैसे विभिन्न तरीकों से साझा करने के लिये कौशल और आत्मविश्वास का निर्माण कर सकते हैं।

लक्ष्य 2: हम बच्चों, समुदायों और संस्थानों के लिये तस्करी विरोधी शिक्षा के विकास और कार्यान्वयन का नेतृत्व करेंगे।

कई वर्षों तक, तस्करी विरोधी शिक्षा - बिना सर्वाइवर्स को इस प्रक्रिया में शामिल किये - सर्वाइवर्स के नाम पर डिज़ाइन और वितरित की जाती थी। सर्वाइवर शैक्षिक सामग्री के उत्पादन में जो अंतर्दृष्टि और ज्ञान जोड़ते हैं, वह मानव तस्करी और दासता की जटिलता को समझने के लिये महत्वपूर्ण है। हमारे इनपुट के बिना, जीवन के अनुभव से प्राप्त होने वाला महत्वपूर्ण ज्ञान, ज्ञान के उत्पादन से छूटता रहेगा।

सर्वाइवर लोगों को जिये गये अनुभव का ज्ञान होता है। हम प्रशिक्षण का नेतृत्व कर सकते हैं और स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ा सकते हैं, और हम तस्करी विरोधी शिक्षा के प्रावधान का नेतृत्व करेंगे। हम एक-दूसरे के लिये खड़े रहेंगे और दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के सर्वाइवर्स के लिये जागरूकता को और अधिक सुलभ बनायेंगे। हम ज्ञान बनाने और साझा करने के लिये एक साथ आने के लिये मंच और स्थान बनायेंगे और उन्हें बढ़ावा देंगे।

और हम माँग करते रहेंगे: हमारे बारे में, हमारे बिना, कुछ भी नहीं।

कार्यवाहियाँ:

1 मानव तस्करी, शोषण और यौन शिक्षा पर **बच्चों और युवाओं के अनुकूल पाठ्यक्रम** तैयार करना जो सहमति पर ज़ोर देता हो। पैरवी करना कि ये पाठ स्कूलों और विश्वविद्यालयों में अनिवार्य हों।

2 **मानव तस्करी के जोखिमों पर ज्ञान और जागरूकता को साथ मिलकर विकसित करने** के लिये सर्वाइवर्स, अभिभावकों, स्कूलों और समुदाय को शामिल करना। स्कूलों में खुले और सहायक वातावरण को प्रोत्साहित करके, बच्चे संवेदनशील विषयों पर चर्चा करने में सहज महसूस कर सकते हैं।

3 **मौजूदा प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की समीक्षा करना** और कानून प्रवर्तन और अपराधियों की रोकथाम, अभियोजन और सर्वाइवर्स की सुरक्षा के लिये ज़िम्मेदार किसी भी सरकारी एजेंसियों के लिये **नए पाठ्यक्रम डिज़ाइन करना**। इन अनिवार्य पाठ्यक्रमों का सर्वाइवर्स द्वारा किया जाना चाहिये और उन विषयों को कवर करना चाहिये जिनके बारे में पर्याप्त बात नहीं की गई है, जैसे कि अंतर्निहित और स्पष्ट पूर्वाग्रह।

4 मानव तस्करी को रोकने के लिये बच्चों, परिवारों और स्कूलों जैसे **अल्पसेवित दर्शकों के लिये सुलभ प्रशिक्षण और संसाधन** बनाना और उन्हें बढ़ावा देना। यह कलंक निवारण और बहाली (हीलिंग) प्रक्रियाओं पर काम करके सर्वाइवर्स और उनके बच्चों का समर्थन करेगा।

5 सेवाओं तक पहुँचने के दौरान LGBTQIA+ **सर्वाइवर्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता** बढ़ाने के लिये प्रशिक्षण को डिज़ाइन और सुविधाजनक बनाना। ये प्रशिक्षण समुदाय के साथ-साथ सार्वजनिक और शैक्षणिक संस्थानों के अनुरूप होने चाहिये।

6 **सर्वाइवर के नेतृत्व वाले प्रशिक्षण** पाठ्यक्रम की एक श्रृंखला विकसित करना **जो संरचनात्मक नस्लवाद, गरीबी और मानव तस्करी के बीच अंतरसंबंध (इंटरसेक्शन) पर शोध को बढ़ावा दे**।

7 **उन सर्वाइवर्स के लिये मंच और नेटवर्क स्थान बनाना** जो अपने पाठ्यक्रमों के लिये संसाधनों और सामग्रियों के आदान-प्रदान के साथ-साथ काम के अवसरों के लिये **प्रशिक्षण का नेतृत्व कर रहे हैं**।

8 **हानिकारक प्रथाओं और मानदंडों को बदलने के लिये जागरूकता** जानकारी विकसित करना, जो विभिन्न धर्मों और धार्मिक संस्थानों जैसे चर्च, मस्जिद, सभास्थल आदि के लिये तैयार की गई हो।

लक्ष्य 3: हम मानव तस्करी से संबंधित मीडिया और सांस्कृतिक विवरणों को रणनीतिक रूप से प्रभावित करेंगे।

मीडिया में मानव तस्करी और गुलामी के बारे में कहानियों में, सर्वाइवर्स को अतीत में फंसे असहाय पीड़ितों के रूप में चित्रित किया गया है जो चीजों से निपट नहीं सकते हैं या सत्ता के स्थानों में विकास और अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। समय आ गया है कि हम माइक्रोफोन लें और अपनी कहानी कहें। हम खड़े होंगे और कहेंगे, "यह मेरे बारे में है और मैं किस दौर से गुज़रा / री हूँ।" हम ऐसे किसी भी संगठन, कंपनियों और मीडिया के खिलाफ खड़े होंगे जो सर्वाइवर्स को प्रतीक बनाते और फंडिंग के लिये हमारी कहानियों का उपयोग करते हैं।

हम यह सुनिश्चित करने के लिये मीडिया शिक्षा का नेतृत्व करेंगे कि मानव तस्करी पर सभी जानकारी और संसाधन सर्वाइवर-केंद्रित हों। हम अपनी सच्चाई को साझा करने के लिये एक नई राह बनायेंगे; एक सशक्त मार्ग जो सर्वाइवर्स को नियंत्रण वापस देता है।

कार्यवाहियाँ:

1. यह सुनिश्चित करने के **लिये मीडिया शिक्षा प्रदान करना** कि मानव तस्करी पर जानकारी और संसाधन आघात-सूचित और सर्वाइवर-केंद्रित हों।

2. **सर्वाइवर नेताओं को बोलने के कार्यक्रमों के दौरान सीमा कैसी निर्धारित करनी चाहिये** और अपनी कहानी को सशक्त तरीके से साझा करने का प्रशिक्षण प्रदान करना। विभिन्न चैनलों (वृत्तचित्र, जीवनी पुस्तकें, पॉडकास्ट, कलाकृति, गुमनाम ब्लॉग, आदि) के माध्यम से कहानी कहने पर स्वामित्व होने से हम राजनीतिक एजेंडा या मीडिया सनसनी से प्रभावित हुये बिना अपनी सच्चाई बता सकते हैं।

3. **सर्वाइवर-आधारित और निर्देशित सामग्री** बनाना जो मानव तस्करी पर विश्लेषण प्रदान करती है और दर्शाती है कि विभिन्न संदर्भों और देशों में मानव तस्करी और पुनर्प्राप्ति कैसी दिखती है।

4. एक **ऑनलाइन बहुभाषी मंच** बनाना जहाँ सर्वाइवर अपनी कहानियाँ लिखकर या वीडियो फ़ाइलें अपलोड करके साझा कर सकें।

5. ऐसी जगहें बनाना जो उन **सर्वाइवर्स को कानूनी सुरक्षा और सहायता प्रदान करें** जो मीडिया आउटलेट्स द्वारा बिना उनकी सहमति के उनकी व्यक्तिगत कहानियाँ साझा करने के कारण **दुर्व्यवहार का अनुभव करते हैं**।

6. उन शब्दों की एक **जीवंत सूची बनाना जो सर्वाइवर्स को फिर से पीड़ित महसूस न करायें**। यह सूची स्पष्ट रूप से मीडिया पेशेवरों और मीडिया वक्ताओं को लक्षित की जानी चाहिये और सर्वाइवर्स द्वारा बनाई जानी चाहिये।

7. सर्वाइवर्स के साथ या उनकी कहानियों पर काम करते समय **साक्षात्कार, वृत्तचित्र और अन्य मीडिया संचार के लिये मौजूदा सर्वोत्तम अभ्यास मार्गदर्शिकाओं की समीक्षा करना** और **जहाँ कमी हो वहाँ नई मार्गदर्शिका बनाना**। पैरवी करना कि यह पाठ्यक्रम पत्रकारिता और फिल्म स्कूलों में पढ़ाया जाये।

8. **सफल सर्वाइवर नेताओं की कहानियों को बढ़ावा देने** और सर्वाइवर प्रभाव पर ध्यान देने के साथ तस्करी विरोधी आंदोलन को मज़बूत करने के लिये **ब्रांडिंग, डिजिटल संचार उपकरण और सोशल मीडिया चैनलों** का उपयोग करना।

हमारी क्षमता का निर्माण

सर्वाइवर्स को प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के अवसरों तक अधिक पहुँच की आवश्यकता है ताकि हम उनके कैरियर और समग्र रूप से आंदोलन का निर्माण कर सकें। ये अवसर व्यापक रूप से उपलब्ध होने चाहिये, विशेषकर उन लोगों के लिये जिनके पास इनका भुगतान करने के लिये आर्थिक संसाधन नहीं हैं। इसलिये, सर्वाइवर्स को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिये प्रायोजन (स्पान्सर्शिप) और वित्त पोषण (फंडिंग) के अवसरों तक पहुँच की भी आवश्यकता है।

अपने विकास को आगे बढ़ाने के लिये, हमें निम्नलिखित में अपने ज्ञान और क्षमताओं को मज़बूत करने की आवश्यकता है:

1. रणनीतिक, परिचालन (ऑपरेशनल) और संगठनात्मक विकास:

- रणनीतिक योजना, संगठनात्मक प्रबंधन, परियोजना योजना और कार्यान्वयन, और निगरानी और मूल्यांकन।
- आघात-सूचित मानव संसाधन नीतियाँ और प्रथाएं।
- प्रोजेक्ट का बजट और वित्त प्रबंधन और निगरानी
- मुआवज़े, बिल कैसे बनायें और वित्तीय प्रस्ताव कैसे बनायें के बारे में बातचीत और मोलभाव।
- अनुदान लेखन और धन जुटाना (फंड रेज़िंग)।
- एक पेशेवर नेटवर्क का निर्माण।
- नौकरी आवेदन प्रक्रिया: बायोडाटा और कवर लेटर लिखना और साक्षात्कार के लिये तैयार होना।
- तस्करी विरोधी क्षेत्र के भीतर और बाहर पेशेवर मार्ग की पहचान करना।
- नेतृत्व, टीम निर्माण, शासन और निर्णय लेना, और संगठनात्मक टकराव का प्रबंधन करना।
- पूंजी और निवेश परामर्श।

2. आंदोलन निर्माण और नेतृत्व:

- राजनीतिक प्रशिक्षण, नेतृत्व और सशक्तिकरण।
- नीतियों और कानून को प्रभावित करने के लिये पैरवी और रणनीतिक अभियान।
- संयुक्त राष्ट्र (यूएन) प्रणाली को समझना, ज़मीनी स्तर के काम के लिये इसकी प्रासंगिकता, और सर्वाइवर नेतृत्व और तस्करी विरोधी पैरवी के काम को आगे बढ़ाने के लिये इसका उपयोग कैसे किया जाये समझना।
- व्यक्तियों की तस्करी रिपोर्ट, वैश्विक दासता सूचकांक और अन्य जैसी वैश्विक प्रणाली रिपोर्ट को समझना।
- परिवर्तनकारी बदलाव के लिये सामुदायिक संघटन।
- नेटवर्किंग और आघात-सूचित सहयोग।
- कार्यस्थल कौशल (ईमेल लेखन, ज़ूम का उपयोग करना, आदि)।
- सामाजिक परिवर्तन के लिये कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति।
- मानव अधिकार रक्षकों और कार्यकर्ताओं के लिये सुरक्षा और संरक्षण।
- हमारे काम के लिये आवश्यकता-आधारित और अधिकार-आधारित दृष्टिकोण।
- सामाजिक न्याय और अंतरानुभागीयता (इंटरसेक्शनेलिटी) को समझना और उत्पीड़न की प्रणालियों (लिंगवाद (सेक्सिज़्म), नस्लवाद, सक्षमवाद, वर्गवाद) को चुनौती देना।

- सभी विकास आयामों (आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, आदि) में संरचनात्मक असमानता और यह कैसे विकास के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने में बाधाएं पैदा करती है।

3. सामूहिक बहाली (हीलिंग) और आघात-सूचित दृष्टिकोण:

- स्वास्थ्य और खुशहाली (वेलबीइंग) और सचेतनता (माइंडफुलनेस) के बारे में जानकारी।
- आघात-सूचित दृष्टिकोण और उपकरणों (टूल्स) को समझना।
- सामूहिक बहाली (हीलिंग) के लिये सांस्कृतिक रूप से विविध चिकित्सीय प्रथाओं के बारे में जानकारी।
- चल रहे मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और सहायता तक पहुँच।

4. रणनीतिक संचार:

- पैरवी और प्रभावी सार्वजनिक प्रतिनिधित्व के लिये सार्वजनिक रूप से बोलना, सक्रिय रूप से सुनना और अन्य संचार कौशल विकसित करना।
- ऑनलाइन अभियान और सार्वजनिक संदेश डिज़ाइन करना।
- नैतिक और आघात-सूचित कहानी सुनाना।
- मीडिया से जुड़ना।
- बुनियादी कानूनी कौशल, जैसे एक उचित अनुबंध (कांट्रैक्ट) में क्या शामिल होना चाहिये और बौद्धिक संपदा (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी) अधिकारों को सुरक्षित करने के लिये इसमें क्या शामिल होना चाहिये।
- डेटा सुरक्षा और डिजिटल सुरक्षा को समझना।

5. प्रत्यक्ष सेवा पदों पर काम करने वाले सर्वाइवर्स के लिये विशिष्ट प्रशिक्षण:

- परोक्ष आघात को प्रबंधित करने के लिये उपकरण (टूल)।
- आघात-सूचित देखभाल पर उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण।
- तनाव कम करने पर तकनीकी प्रशिक्षण।
- जो सर्वाइवर सहकर्मी सहायता प्रदान कर सकते हैं उनसे जानबूझकर और लगातार सलाह (मेंटरशिप) लेना।
- प्रत्यक्ष सेवा डेटा संग्रह उपकरण और प्रथाओं का विकास।
- प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के लिये तकनीकी सहायता प्रदाता बनने के लिये प्रशिक्षण।

6. शैक्षणिक क्षेत्रों या इसी तरह के संदर्भों में काम करने और नेतृत्व करने में रुचि रखने वाले सर्वाइवर्स के लिये विशिष्ट प्रशिक्षण:

- जीवन के अनुभवों का तकनीकी एवं प्रभावी तरीके से दस्तावेज़ीकरण।
- बौद्धिक संपदा (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी) अधिकार।
- तस्करी विरोधी संदर्भों में कार्यप्रणाली और शोध का सत्यापन।
- मानव प्रतिभागी शोध नैतिकता प्रशिक्षण।
- सहकर्मी (पीयर) शोध प्रशिक्षण।
- सांख्यिकी और शोध परिणामों को संप्रेषित करने सहित अकादमिक प्रस्तुति कौशल।
- शोध प्रस्तावों का विकास और वित्त पोषण के अवसर कैसे खोजें।
- पाठ्यक्रम और आघात-सूचित पद्धतियों और कार्यान्वयन को विकसित करने के लिये अंतरानुभागीय (इंटरसेक्शनल) दृष्टिकोण का उपयोग करने के तरीके पर प्रशिक्षण।

हमारी सहभागिता में बाधाएं

सर्वाइवर्स अपने समुदायों में नेतृत्व करना चाहते हैं और कार्यकर्ता बनना चाहते हैं लेकिन अक्सर स्थितिजन्य और प्रणालीगत बाधाओं के कारण इसमें बाधा आती है। आवास, रोज़गार और आर्थिक स्थिरता जैसे बुनियादी संसाधन सभी सर्वाइवर्स के लिये आसानी से और तुरंत उपलब्ध नहीं हैं, और नेता बनना और अपनी क्षमताओं को आगे बढ़ाना अक्सर प्राथमिकता नहीं होती है क्योंकि हम निरंतर अस्तित्व के चक्र में फंसे हुये हैं।

हालाँकि कुछ सर्वाइवर नेता अपने स्वयं के संगठन शुरू करने में सफल रहे हैं, फिर भी उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। नीचे सर्वाइवर्स से एकत्र की गई बाधाओं की एक सूची दी गई है जो सर्वाइवर्स को उनके समुदायों और तस्करी विरोधी क्षेत्र और आंदोलन में संपन्न नेता बनने से रोकती हैं।

1. सर्वाइवर नेता अक्सर संरचनात्मक असमानताओं के कारण बुनियादी संसाधनों और सेवाओं तक पहुँचने में असमर्थ होते हैं। विशिष्ट बाधाओं में निम्न शामिल हैं:

- आवास की अस्थिरता और असुरक्षा।
- शैक्षिक अवसरों तक सीमित पहुँच।
- जीवन-यापन के लिये वेतन प्रदान करने वाली नौकरी और कैरियर के अवसरों तक पहुँचने में असमर्थता, अक्सर हमारे रोजगार रिकॉर्ड में अंतराल के कारण।
- हाशिए पर रहने वाले समुदायों के सर्वाइवर्स की सहायता करने वाले स्थानीय संसाधनों के बारे में जानकारी तक सीमित पहुँच।
- निर्वासन और अपराधीकरण का डर।
- यौन अपराधी के रूप में पंजीकरण कराना, अक्सर उत्तरजीविता (सर्वाइवल) रणनीतियों के अपराधीकरण के कारण, कलंक का कारण बनता है और कार्यक्रमों और नौकरी के अवसरों तक पहुँच को सीमित करता है।
- सामाजिक असमानता और सत्ता संरचनाएं जो मानव अधिकारों के उल्लंघन को बढ़ावा देती हैं, जिन्हें अक्सर दमनकारी और सत्तावादी सरकारों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जिससे आगे शोषण का खतरा पैदा होता है।
- सामाजिक और राजनीतिक संरचनाओं और शक्ति की गतिशीलता पर उपनिवेशीकरण का चल रहा प्रभाव।
- सामाजिक और राजनीतिक संरचनाएं जो स्वाभाविक रूप से शक्ति और धन असमानताओं को बनाये रखते हुये, हाशिए पर रहने वाले समूहों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और शोषण करने के लिये बनाई गई हैं।
- लैपटॉप या स्थिर इंटरनेट कनेक्शन जैसे आवश्यक उपकरणों तक सीमित पहुँच।

2. सर्वाइवर हमेशा उस चीज़ तक नहीं पहुँच पाते हैं जिसकी उन्हें ठीक होने और अपनी आत्म-धारणा में सुधार करने के लिये आवश्यकता होती है क्योंकि:

- एकीकृत, समुदाय-आधारित और व्यक्ति-केंद्रित देखभाल प्रदान करने वाली अपर्याप्त सेवाएं जो पुनर्प्राप्ति, आत्मनिर्भरता और जीवन की उच्च गुणवत्ता को बढ़ावा देती हैं।
- पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य उपचार और सहायता का अभाव।
- पहचान और आत्म-अवधारणा पर आघात का प्रभाव।
- सार्वजनिक रूप से सर्वाइवर के रूप में पहचान करने से आत्मसम्मान में कमी आ सकती है।
- अस्तित्व की स्थिति से संपन्नता की स्थिति में जाने के लिये संघर्ष होता है।
- किफायती स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित या कोई पहुँच नहीं।

- तस्करी और शोषण के दौरान प्राप्त आपराधिक रिकॉर्ड के कारण व्यक्तिगत बैंक खाते प्राप्त करने में असमर्थता।
- गुणवत्तापूर्ण भोजन विकल्पों तक पहुँच का अभाव।

3. सर्वाइवर बाहरी भेदभाव का अनुभव करते हैं और अपने समुदायों में भी स्वागत और एकीकृत महसूस करने के लिये संघर्ष कर सकते हैं। इन बाधाओं में निम्न शामिल हैं:

- परिवार और समुदाय से बहिष्कार का डर और धमकियाँ।
- अलग-थलग महसूस करना।
- परिवार, दोस्तों और समुदायों जैसी सहायता प्रणालियों का अभाव।
- तस्करी के जिये गये अनुभव के परिणाम स्वरूप प्राप्त किसी भी आपराधिक रिकॉर्ड को लेकर शर्म और कलंक।
- सर्वाइवर्स को अक्षम, शक्तिहीन या "टूटा हुआ" मानने की नकारात्मक धारणाएं।

4. जब सर्वाइवर लोग तस्करी विरोधी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, तब भी उन्हें निम्नलिखित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है:

- क्षेत्र में विविधता का अभाव है इसलिए उन्हीं कुछ गिने चुने लोगों को अवसर मिलते रहते हैं।
- शिक्षा या व्यावसायिक विकास के सीमित अवसर।
- सर्वाइवर्स के आपराधिक रिकॉर्ड उन्हें भुगतान (पैड) और स्वयंसेवी (वॉलंटरी) दोनों पदों के लिये पृष्ठभूमि की जांच में पास होने से रोक सकते हैं।
- अति-विशिष्ट तस्करी विरोधी स्थानों का मतलब है कि सर्वाइवर नेता केवल "सर्वाइवर" पदों और प्रत्यक्ष सेवा कार्य तक ही सीमित हैं। वे अक्सर इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों का पता लगाने में सक्षम नहीं होते हैं क्योंकि उसके लिये उन्हें डिग्री की आवश्यकता होती है।
- सर्वाइवर नेताओं को अक्सर लांछित और अपमानित किया जाता है और इस प्रकार उन्हें अपने सहयोगियों की तुलना में क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी होने के लिये अधिक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना पड़ता है।
- संगठनों में सांस्कृतिक परिवर्तन शुरू करने के सर्वाइवर्स के प्रयासों को कमज़ोर कर दिया गया है और उनकी माँगों को "आघात प्रतिक्रिया" के हिस्से के रूप में लेबल कर दिया गया है।
- पहचाने जाने का डर: तस्करी विरोधी क्षेत्र में काम करने की इच्छा रखने वाले कुछ सर्वाइवर्स को काम से जुड़े होने या पहचाने जाने और सार्वजनिक रूप से घूरे जाने का डर हो सकता है।
- पहुँच की कमी: तस्करी विरोधी क्षेत्र में काम करने की इच्छा रखने वाले कुछ सर्वाइवर्स के पास फोन या इंटरनेट तक पहुँच नहीं है और वे इस बारे में अपडेट प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं कि कौन सी नौकरियाँ उपलब्ध हैं या आवेदन के लिये समय सीमा क्या है।
- सामग्री की कमी: कुछ सर्वाइवर्स के पास काम के लिये आवश्यक सामग्री जैसे लैपटॉप और सेलफोन की कमी है।
- अनुभव की कमी और नौकरी पर प्रशिक्षण का कोई अवसर न होना।
- अंग्रेजी न बोल पाने वाले व्यक्तियों के लिये नौकरी के सीमित अवसर।

5. और अपने स्वयं के संगठनों का नेतृत्व करना हमारी रक्षा नहीं करता है। सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों को निम्नलिखित बाधाओं का सामना करना पड़ता है:

- ज़मीनी स्तर के संगठनों और स्टार्टअप के लिये पर्याप्त धन और संसाधनों का अभाव।
- असंबद्ध संचार और नेटवर्किंग पैटर्न जो संगठनों के बीच सहयोग को बाधित करते हैं।
- तस्करी विरोधी क्षेत्र में संगठनों के बीच आंतरिक संघर्ष।
- फंडिंग तक पहुँचने से पहले सिफ़ारिशों को रोककर या बैंक स्टेटमेंट की आवश्यकता के द्वारा स्टार्टअप्स की ओर अन्य संगठनों की चौकीदारी (गेटकीपिंग), हालाँकि कर्मचारी स्वैच्छिक आधार पर काम कर रहे हैं।

- जटिल शक्ति संबंधों को सुलझाने और फंडर्स और भागीदारों को चिंता व्यक्त करने में कठिनाई।

6. प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने और प्रभावित करने की माँग करते समय, सर्वाइवर्स को अभी भी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें निम्न शामिल हैं:

- ग्राहकों के लिये स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों तक पहुँच का अभाव और असंगत संदर्भ या निर्देशिकाएं (डायरेक्टरीज)।
- कम संसाधन वाले संगठन जिनके पास गुणवत्तापूर्ण प्रोग्रामिंग के लिये धन की कमी है।
- प्रत्यक्ष सेवा में सर्वाइवर नेताओं को जिये गये अनुभवों की जटिलताओं के बारे में सहयोगियों और अन्य क्षेत्र के श्रमिकों के बीच सहानुभूति और ज्ञान की कमी से पुनः आघात पहुँचाया जा सकता है।
- प्रथम उत्तरदाताओं और सेक्टर कार्यकर्ताओं के लिये आघात-सूचित प्रशिक्षण का अभाव।
- सर्वाइवर नेताओं को उनके परोक्ष आघात के प्रबंधन में सहायता करने के लिये समर्थन और संसाधनों की कमी।
- ठहराव और कैरियर विकास की कमी क्योंकि सेवाएं अक्सर बुनियादी ज़रूरतों पर ध्यान केंद्रित करती हैं और आघात के प्रभाव से निपटने के दौरान सर्वाइवर्स को नौकरी पाने में मदद करने के लिये विशेषज्ञता नहीं होती है।
- सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग का अभाव।
- जटिल मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिये संसाधनों और सहायता की कमी।
- प्रथम उत्तरदाताओं और सेक्टर कार्यकर्ताओं द्वारा गलत पहचान का मतलब यह हो सकता है कि सभी सर्वाइवर लोग देखभाल और सहायता प्राप्त नहीं कर पाते हैं।
- ऐसे सेवा प्रदाता जिनमें करुणा, सहानुभूति और सर्वाइवर्स की ज़रूरतों को सक्रिय रूप से सुनने की इच्छा की कमी है।

7. जो सर्वाइवर ज्ञान के उत्पादन में शामिल होना चाहते हैं और उसका नेतृत्व करना चाहते हैं, उन्हें निम्नलिखित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है:

- शोध के लिये फंडिंग निधि प्राप्त करने के लिये उन सहयोगियों और संगठनों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है जिन्हें जिये हुये अनुभव के बारे में कोई जानकारी नहीं है।
- शोध के प्राथमिक उत्पादन के लिये ज़िम्मेदार संस्थान उपनिवेशवादी और नस्लवादी बने हुये हैं।
- सर्वाइवर्स की बौद्धिक संपदा (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टि) के लिये मुआवज़े का अभाव।
- मानव तस्करी और दासता पर शोध उत्पादन का नेतृत्व शिक्षाविदों द्वारा किया जा रहा है, जिसमें सर्वाइवर्स के लिये अपने स्वयं के जीवन के अनुभवों के माध्यम से योगदान करने के अवसर सीमित हैं।
- केवल अध्ययन में भाग लेने तक सीमित होना और कार्यप्रणाली का नेतृत्व करने या सीधे ज्ञान का सृजन करने में सक्षम न होना।
- मीडिया में सर्वाइवर्स और समग्र रूप से तस्करी के बारे में भ्रामक प्रतिनिधित्व।

आइए तस्करी विरोधी क्षेत्र को ज्यादातर श्वेत और अंग्रेजी भाषी क्षेत्र से ऐसे क्षेत्र में बदलने के लिये मिलकर काम करें जो सभी पृष्ठभूमि के लोगों के लिये अधिक खुला हो। आइये विभिन्न पृष्ठभूमि के सर्वाइवर नेताओं के साथ काम करने और एक ऐसी जगह बनाने और वित्तपोषित करने का वादा करें जहाँ हर कोई मौजूद, समर्थित और स्वागत महसूस कर सके, खासकर वे समुदाय जो हाशिये पर हैं।

सहयोगियों से हमारा आह्वान: क्षेत्र की संस्कृति और प्रथाओं में बदलाव

यह अनुभाग सहयोगियों को सर्वाइवर्स से यह सीखने के लिये आमंत्रित करता है कि तस्करी विरोधी क्षेत्र की मूलभूत संस्कृति और प्रथाओं और वर्तमान शक्ति गतिशीलता को कैसे बदला जाये ताकि सर्वाइवर लोगों के नेतृत्व में अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी आंदोलन को बढ़ावा दिया जा सके।

हमारे कई पेशेवर सहयोगी वर्तमान में जिये गये अनुभव की विशेषज्ञता प्रदान करने के लिये सर्वाइवर नेताओं को आमंत्रित कर रहे हैं। हालाँकि, यदि नीति और कार्यक्रम शुरू से ही सर्वाइवर नेताओं के इनपुट के बिना बनाये जाते हैं और हमारा इनपुट केवल बाद में माँगा जाता है, तो हर किसी का विफल होना तय है।

एक बार जब किसी प्रस्ताव को विकसित करने में समय और धन खर्च हो जाता है, तो उन योजनाओं को पूरी तरह से न बदलने के मज़बूत भावनात्मक और व्यावहारिक कारण होते हैं। लेकिन तब क्या होता है जब किसी सहयोगी की योजना सर्वाइवर नेताओं की प्रतिक्रिया से पूरी तरह विपरीत होती है?

जब सर्वाइवर नेता, जिन्हें अपने विचार देने के लिये आमंत्रित किया गया है, प्रस्तुत किये गये किसी भी प्रस्ताव से असहमत होते हैं, तो हमें अक्सर चुप करा दिया जाता है, भविष्य के परामर्श से बाहर कर दिया जाता है, या उनकी जगह अन्य सर्वाइवर नेताओं को ले लिया जाता है जो अधिक सहमत विचार साझा करते हैं। हो सकता है की यह जानबूझकर नहीं किया जा रहा हो, लेकिन यह नुकसान पहुँचाता है और हमारे सहयोगियों के प्रति निरंतर अविश्वास पैदा करता है।

इस क्षेत्र की संरचना में असमान शक्ति गतिशीलता पहले से ही है। इसलिए, यह एक्शन प्लान सहयोगियों से सर्वाइवर्स तक जवाबदेही का अनुरोध है। नीचे आपको माँगों और अनुशंसाओं की एक श्रृंखला मिलेगी जो इसे प्रोत्साहित करेगी:

1. ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण (टॉप डाउन अप्रोच) के बजाय नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण (बॉटम अप अप्रोच) की ओर मुड़ना।

हमें सर्वाइवर सहभागिता के लिये नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण (बॉटम अप अप्रोच) बनाकर सर्वाइवर नेतृत्व के मूल्य को सामान्य बनाना चाहिये। विशिष्ट टॉप-डाउन दृष्टिकोण पेशेवर पदों पर बैठे लोगों के दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है जिनके पास निर्णय लेने की शक्ति होती है जो किसी नीति या कार्यक्रम के लिये दिशा निर्धारित करते हैं। यह दृष्टिकोण सर्वाइवर आवाज़ों को प्राथमिकता देता है और सर्वाइवर और सहयोगियों के बीच साझा शक्ति पर काम करता है। सर्वाइवर प्रतिक्रिया और सहयोगी जवाबदेही के लिये निमंत्रण नीचे से ऊपर (बॉटम अप अप्रोच) के दृष्टिकोण के साथ होने की अधिक संभावना है। तस्करी विरोधी क्षेत्र की संस्कृति को बदलना ताकि सर्वाइवर्स को विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों और पेशेवरों के रूप में और (केवल सेवा प्राप्तकर्ताओं के बजाय) संपूर्ण मानव के रूप में पहचाना जा सके।

इस नीचे से ऊपर (बॉटम अप अप्रोच) दृष्टिकोण को बनाने के लिये हम अपने सहयोगियों से निम्न बातें पूछते हैं:

- यह मानना कि **जिये गये अनुभव सर्वाइवर्स की पहचान और कहानियों का केवल एक हिस्सा है**। सर्वाइवर्स को केवल उनके आघात संबंधी विवरणों के बारे में बोलने के लिये आमंत्रित करने से बचना। इसके बजाय, हमें अपने अनुभवों को अपने तरीके और समय में प्रासंगिक बनाने का स्थान और अवसर देना।
- **सर्वाइवर लोगों को उनके योगदान और काम के लिये भुगतान करना**, जिसमें पैनल पर बोलना, नीतियों और रिपोर्टों की समीक्षा करना और शोध प्रक्रियाओं में शामिल होने सहित।
- स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी विरोधी नीति और कानून प्रयासों के कार्यान्वयन का मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार करना, नेतृत्व करने और निगरानी करने के लिये **सर्वाइवर नेताओं को विशेषज्ञों के रूप में पहचानना और नियुक्त करना।**
- **सर्वाइवर्स के लिये योगदान देने और अनुदान देने की प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के लिये अधिक सुलभ और सार्थक स्थान** बनाना, भले ही वे मौजूदा प्रथाओं को चुनौती दें और नए दृष्टिकोण को बढ़ावा देना, जिससे परोपकार के भीतर शक्ति में बदलाव आयेगा।
- सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाले और तस्करी विरोधी संगठनों के भीतर और उनके **बीच कठिन और निडर बातचीत के लिये स्थान** बनाना।

- सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों, **सहयोगी के नेतृत्व वाले संगठनों और क्षेत्र में निजी और सार्वजनिक संस्थानों के बीच संचार और सहयोग में सुधार करना** और साथ ही इन सहयोगों के साथ आने वाली शक्ति की गतिशीलता को स्वीकार करना और संबोधित करना।
- सर्वाइवर नेताओं को **सार्वजनिक संस्थानों की नीतियों और प्रथाओं के साथ जुड़ने और उन्हें प्रभावित करने** के लिये सार्थक अवसर प्रदान करना।
- **सर्वाइवर्स द्वारा राजनीतिक पदों पर काम** करने के लिये उनकी पहचान करना, उन्हें प्रशिक्षित करना और उनका समर्थन करना।
- सभी स्तरों पर **तस्करी विरोधी संगठनों और गठबंधनों का नेतृत्व करने के लिये सर्वाइवर्स को सार्थक अवसर** प्रदान करना।
- सार्वजनिक और निजी धन कहाँ से आ रहा है और उनका उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसकी जानकारी साझा करके **पारदर्शिता और जवाबदेही** सुनिश्चित करना।
- यह सुनिश्चित करने के लिये फंडिंग गतिविधियों पर दोबारा गौर करना कि वे उस आंदोलन के मूल्यों के साथ फिट हों जो सर्वाइवर्स का जश्न मनाती हैं और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखती हैं।

2. सर्वाइवर्स की आघात-सूचित और टिकाऊ रोजगार तक पहुँच बढ़ाना।

कई तस्करी विरोधी संगठन, नीतियाँ और पहल अपनी नियुक्ति और संगठनात्मक संस्कृति में आघात-सूचित प्रथाओं को प्राथमिकता देने में विफल रहे हैं। इन दिनों बहुत से लोग "आघात-सूचित" शब्द का उपयोग करते हैं, लेकिन वास्तविक दुनिया की कोई भी कार्यवाही या व्यवहार नहीं है जो दिखाता हो कि इसका उपयोग किया जा रहा है। संगठन अक्सर आघात-सूचित होने का दावा करते हैं और साथ ही सर्वाइवर नेताओं की आवाज़, ज्ञान और ज्ञान को अमान्य करते हैं।

इन दिनों बहुत से लोग "आघात-सूचित" शब्द का उपयोग करते हैं, लेकिन वास्तविक दुनिया की कोई भी कार्रवाई या प्रथा नहीं है जो दिखाती हो कि इसका उपयोग किया जा रहा है।

ऐसे कई स्थान हैं जो तस्करी को रोकने के लिये काम करते हैं जो श्वेत समाज के समर्थवादी, नस्लवादी, विधर्मी और लिंगवादी मानदंडों को "पेशेवर" होने के मानक के रूप में स्वीकार करते हैं, बिना उन पर सवाल उठाए। फिर इन विषाक्त व्यवहारों को पनपने दिया जाता है, जिससे अस्वास्थ्यकर कार्य वातावरण बनता है - जो निश्चित रूप से आघात-सूचित नहीं है। परिणाम स्वरूप, सर्वाइवर नेताओं के लिये रोज़गार की स्थिरता अक्सर अल्पकालिक और अवास्तविक होती है।

ऐसे दमनकारी मानदंडों और संगठनात्मक संस्कृति और भर्ती प्रक्रियाओं को स्वीकार करना और समाप्त करना महत्वपूर्ण है। आघात-सूचित प्रथाओं को लागू करने और विकसित करने के बारे में सचेत रहना जिन्हें बढ़ावा दिया गया है लेकिन अभी तक पूरी तरह से प्रयोग नहीं किया गया है।

- **आघात-सूचित** मानव संसाधन **नीतियों और प्रथाओं** को लागू करना जो सर्वाइवर्स द्वारा सूचित हैं।
- **सर्वाइवर्स को तस्करी विरोधी संगठनों और संस्थानों में नेतृत्व के पदों** पर काम पर रखे जाने को प्राथमिकता देना और उनका समर्थन करना, और ऐसे नौकरी विवरण विकसित करना जो **स्पष्ट रूप से जिये गये अनुभव वाले लोगों को आवेदन करने के लिये प्रोत्साहित करें।**
- **मानव संसाधन पदों के लिये सर्वाइवर नेताओं को नियुक्त करने** को प्राथमिकता देना। सर्वाइवर्स को रोजगार देने का एक लाभ यह है कि संस्था के भीतर ऐसे नेता होंगे जो समझते हैं कि सर्वाइवर्स को आगे बढ़ने और फलने फूलने के लिये किस प्रकार के समर्थन की आवश्यकता है।
- सर्वाइवर नेताओं को मार्गदर्शन या सहकर्मी विशेषज्ञ भूमिकाओं से परे, **तस्करी विरोधी क्षेत्र के भीतर विभिन्न पदों पर काम** करने का अवसर देना। ऐसे अवसर प्रदान करेना जो सर्वाइवर्स को अपने हितों और कौशल को स्वयं पहचानने, साथ ही यह भी सीखने का मौका दें कि अपने कौशल को नए क्षेत्रों में कैसे जोड़ा जाये।
- **सर्वाइवर लोगों को नौकरी पर प्रशिक्षण और पेशेवर विकास प्रदान** करके ऐसी नौकरियाँ प्रदान करना जो समावेशी हों। इसका मतलब यह है कि संगठन में शामिल होने से पहले सर्वाइवर्स से शैक्षिक और प्रमाणन आवश्यकताओं को पूरा करने की उम्मीद नहीं की जायेगी।
- **ऐसी नीतियाँ तैयार करना जो नैतिक प्रथाओं को प्राथमिकता दें**, जिसमें सर्वाइवर्स पर अपनी कहानियाँ साझा करने के लिये दबाव डालना, धन उगाहने के उद्देश्यों के लिये उनका शोषण करना, बोर्ड में सर्वाइवर प्रतिनिधित्व की कमी और सर्वाइवर को असमान रूप से भुगतान करना जैसे कार्यों से बचना शामिल है।

- **जिये गये अनुभव वाले पेशेवरों के लिये उचित लाभ पैकेज प्रदान करना** जो उनकी ज़रूरतों और विकास (उदाहरण के लिये पर्याप्त भुगतान के साथ छुट्टी और खाली समय देना, कार्यस्थल सहकर्मी समर्थन और गुणवत्तापूर्ण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच) का समर्थन करते हैं।
- गारंटी देना कि **जिये गये अनुभव वाले पेशेवरों के लिये वेतन और परामर्श अनुबंध (कंसल्टिंग कांट्रैक्ट) नौकरी की माँगों और अपेक्षाओं के अनुरूप हैं**, और क्षेत्र में अन्य पेशेवरों के वेतन के बराबर हैं।
- अनुदान निधि (ग्रांट फंडिंग) के बाहर **आपातकालीन निधि (इमेर्जेंसी फंडिंग) आवंटित करना** जिसका उपयोग कर्मचारी सर्वाइवर्स को सहायता प्रदान करने के लिये कर सकते हैं। अपनी वित्तीय कठिनाई के लिये उन निधियों तक पहुँच होने से सर्वाइवर्स को अधिक स्वायत्तता और संसाधन मिलेंगे।
- तस्करी विरोधी आंदोलन में अनुभव रखने वाले पेशेवरों को काम पर रखते समय **सुरक्षित, किफायती आवास विकल्प** शामिल करना।
- तस्करी विरोधी क्षेत्र में काम करने वाले सर्वाइवर्स के लिये निरंतर **कोचिंग सहायता** प्रदान करना।
- तस्करी विरोधी संगठनों और प्रत्यक्ष सेवा संस्थानों में कर्मचारी या सलाहकार के रूप में काम करने वाले सर्वाइवर नेताओं के लिये **सहकर्मी सहायता प्रणाली (पीयर सपोर्ट सिस्टम)** लागू करना।
- **मानसिक स्वास्थ्य सहायता** प्रदान करना, और तस्करी विरोधी संगठनों में काम करने वाले चिकित्सकों (थेरेपिस्ट्स) और कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना और **आघात-विशिष्ट दृष्टिकोण** पर सीधी सेवाएं प्रदान करना।
- गारंटी देना कि तस्करी विरोधी संगठनों में सर्वाइवर्स को कार्यस्थल में **उत्पीड़न और कलंक से सुरक्षा** मिलेगी। इससे अधिक सर्वाइवर्स को इस क्षेत्र में रुचि लेने के लिये प्रोत्साहन मिलेगा।
- **सवेतन इंटर्नशिप के अवसर और प्रशिक्षण** प्रदान करना जिससे स्थायी रोजगार मिल सके।
- सर्वाइवर द्वारा बनाई गई जानकारी के लिये **मुआवजा, मान्यता और रॉयल्टी** प्रदान करना।
- प्रशिक्षण के साथ-साथ सवेतन इंटर्नशिप पर ज़ोर देते हुये **रोजगार के अधिक मार्ग पेश** करने की ज़रूरत है।

3. अंतरअनुभागीय (इंटरसेक्शनल) दृष्टिकोण अपनाना और सर्वाइवर्स के लिये सुलभ, अंतरसांस्कृतिक (इंटर-कल्चरल) स्थान बनाना।

हम आपको एक आंदोलन और एक ऐसा क्षेत्र बनाने के प्रयास में शामिल होने के लिये प्रोत्साहित करते हैं जहाँ हमारी सभी पहचानें, पृष्ठभूमियाँ, भाषाएं और भौगोलिक स्थानों की झलक नज़र आती है। आइये तस्करी विरोधी क्षेत्र को श्वेत, एंग्लो-केंद्रित क्षेत्र से ऐसे क्षेत्र में बदलने करने के लिये मिलकर काम करें जो अधिक अंतरसांस्कृतिक (इंटर-कल्चरल) और सुलभ हो। आइये सर्वाइवर नेताओं के अधिक विविध प्रतिनिधित्व के साथ जुड़ने के लिये प्रतिबद्ध हों और सोच समझ एक ऐसा स्थान बनायें और वित्तपोषित (फंड) करें जहाँ हर कोई - और विशेष रूप से हाशिए पर के समुदाय - उपस्थित, समर्थित और स्वागतपूर्ण महसूस कर सकें।

हम सहयोगियों से अधिक अवसर प्रदान करने का आग्रह करते हैं जिसमें सभी सर्वाइवर्स को शामिल किया जाये। यह सुनिश्चित करने के लिये, आवश्यक है कि सर्वाइवर लोग और सहयोगी, प्रभावी ढंग से जुड़ने, योगदान करने और सहयोग करने में सक्षम हों।

- अपने **कार्यक्रमों, सम्मेलनों और सलाहकार समूहों में विभिन्न पहचानों और समुदायों से सर्वाइवर्स के अधिक विविध प्रतिनिधित्व को बढ़ावा** देना।
- विशेष रूप से **महिलाओं, अश्वेत, आदिवासी, रंग के लोगों, LGBTQIA+, न्यूरोडाइवर्स सर्वाइवर्स और विकलांग लोगों पर ध्यान केंद्रित** करते हुये, हाशिए की पहचान और उत्पीड़न की अंतर्संबंध को पहचानना। उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये, अपने काम में विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं का विकास करना।
- विभिन्न पहचानों से सर्वाइवर्स के साथ जुड़ते समय **उत्पीड़न विरोधी नीतियों और प्रथाओं** को विकसित और लागू करना।

- सर्वाइवर नेताओं को संगठित करने के लिये धन उपलब्ध कराना:
  - राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और अवसर, जो सर्वाइवर नेताओं को (वस्तुतः और व्यक्तिगत रूप से) जुड़ने का मौका देते हैं। इसमें सर्वाइवर नेताओं को उपकरणों और इंटरनेट डेटा तक पहुँचने में सहायता करना शामिल है।
  - बैठकें और कार्यशालाएं जहाँ विभिन्न देशों के सर्वाइवर नेता नीतियों को प्रभावित करने और नीति निर्माताओं के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के बारे में अपने अनुभव साझा करते हैं।
  - आंदोलन के भीतर युवा पीढ़ी के लिये नेतृत्व के अवसरों का समर्थन करने के लिये रणनीतियाँ और कार्य।
- उन क्षेत्रों से **मानव तस्करी पर ज्ञान के उत्पादन को बढ़ावा देना जहाँ सीमित जानकारी उपलब्ध है**, जैसे कि वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ), लेकिन प्रत्येक क्षेत्र की विभिन्न वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करते हुये।
- सर्वाइवर्स के विविध समुदाय तक पहुँचने के लिये अधिक **सुलभ सामग्री** विकसित करना।
- सुनिश्चित करना कि **क्वीयर और BIPOC सर्वाइवर्स के लिये विशिष्ट सेवाएं** विकसित और लागू की जा रही हैं, जिसमें LGBTQIA+ सर्वाइवर्स को केवल तभी स्वयं की पहचान बताने का स्थान देना शामिल है अगर और जब वे ऐसा करने के लिये पर्याप्त रूप सुरक्षित महसूस करते हैं।

4. अधिक सर्वाइवर-नेतृत्व वाले संगठनों और पहलों को बढ़ाना और वित्तपोषित (फंड) करना।

तस्करी विरोधी क्षेत्र में फंडिंग के कुछ अवसर हैं जो सर्वाइवर लोगों द्वारा बनाई गई ज़मीनी स्तर की पहल और विचारों में निवेश पर केंद्रित हैं। जबकि हम मानते हैं कि कुछ नई पहलें इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं, अधिकांश फंडिंग अभी भी सर्वाइवर्स की अल्पकालिक ज़रूरतों को पूरा करने पर केंद्रित हैं, बड़े गैर सरकारी संगठनों को प्राथमिकता दे रही हैं जिनके पास पहले से ही लाखों डॉलर का राजस्व बजट है।

ये बड़े संगठन अन्य संगठनों को धन वितरित करने के लिये भी ज़िम्मेदार हैं। इसलिए उनके पास यह चुनने की अपार शक्ति है कि कौन से एनजीओ और कार्यक्रमों को वित्त पोषित (फंड) किया जाता है। जब तस्करी विरोधी प्रयासों का समर्थन करने के अवसर उपलब्ध होते हैं तो सर्वाइवर नेतृत्व वाले ज़मीनी स्तर के संगठनों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है क्योंकि वे न्यूनतम बजट आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं।

तस्करी विरोधी क्षेत्र के भीतर मौजूदा वित्तीय बुनियादी ढांचे ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया है कि सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों और पहलों को प्रभावी ढंग से कैसे वित्त पोषित (फंड) किया जाये। लेकिन नीचे सिफ़ारिशों की एक सूची दी गई है कि कैसे सहयोगी दल सर्वाइवर नेताओं को उनके संगठनों और पहलों को बढ़ाने और वित्तपोषित (फंड) करने में सहायता कर सकते हैं।

- सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों और पहलों के लिये अधिक **सुलभ और प्रभावी वित्तपोषण (फंडिंग)** प्रदान करना:
  - संगठनात्मक विकास के सभी चरणों में, पूर्व-बीज (प्री-सीड) से लेकर विकास और स्केलिंग चरण तक सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों के ऊष्मायन (इंक्यूबेशन) और विस्तार का समर्थन करना।
  - अप्रतिबंधित और लचीली फंडिंग सहित जो सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों को उनकी ज़रूरतों को प्राथमिकता देने के लिये गुंजाइश देती है।
  - फंडिंग प्रक्रियाओं को कम जटिल बनाने के लिये नौकरशाही आवश्यकताओं (कम कागजी कार्यवाही, प्रक्रियाएं, कानूनी दस्तावेज़) को कम करना।
  - सर्वाइवर की ज़रूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिये संरचनात्मक योजना, संगठनात्मक प्रबंधन और रणनीतियों के साथ सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों की सहायता करना।
  - ऐसे तस्करी विरोधी कार्यक्रमों के लिये फंडिंग को प्राथमिकता देना जो सर्वाइवर्स के नेतृत्व वाले हों या नेतृत्व की स्थिति में सर्वाइवर नेता हों।

- प्रयासों को एकजुट करने और आदान-प्रदान और कनेक्शन के लिये अधिक अवसर पैदा करने के लिये राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर **सर्वाइवर नेतृत्व वाले समुदाय को संगठित करने के लिये फंड देना,** जिसमें निम्न शामिल हैं:
  - इस एक्शन प्लान में गतिविधियों के कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन का समर्थन करना।
  - ऐसे अवसर प्रदान करना जो सर्वाइवर्स को उनकी रणनीतियों और कार्यों से सीखने के लिये अन्य देशों में सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों का दौरा करने का मौका दें।
  - आघात-सूचित, निडर स्थानों के कार्यान्वयन का समर्थन करना जो व्यक्तिगत और आभासी (वर्चुअल) दोनों तरह से समुदाय और कनेक्शन का निर्माण करते समय सर्वाइवर्स की संवेदनशीलता और ताकत का स्वागत करते हैं।
  - सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों के कर्मचारियों और सदस्यों के लिये खुद की देखभाल और खुशहाली (वेलबीइंग) पर केंद्रित रिट्रीट को कवर करना। विकास निधि को मनोरंजक स्थानों का भी समर्थन करना चाहिये जहाँ सर्वाइवर्स आराम कर सकें और एक-दूसरे से जुड़ सकें।
  - यह सुनिश्चित करना कि अल्प-संसाधन, सर्वाइवर-नेतृत्व वाले और प्रत्यक्ष सेवा संगठनों के लिये गुणवत्तापूर्ण प्रोग्रामिंग प्रदान करने के लिये पर्याप्त धन उपलब्ध है।
  - उनके अनुभवों से सीखने और सहयोग बनाने के लिये अन्य ज़मीनी स्तर के आंदोलनों के साथ अंतर्संबंध और आदान-प्रदान को गहरा करना जो प्रत्येक आंदोलन की स्वायत्तता को पहचानते हैं और मौजूदा शक्ति गतिशीलता को चुनौती देते हैं।
- क्षमता बढ़ाने और निर्माण करने के लिये डिज़ाइन किये गये सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों के कर्मचारियों के लिये **व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर** प्रदान करना (एक्शन प्लान में क्षमता निर्माण अनुभाग देखें)।
- सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों की **दृश्यता (विज़िबिलिटी) और कार्य को बढ़ाना।**
- **"सर्वाइवर्स की परिषद" और अन्य ज़मीनी स्तर के नीति समूहों के विकास** का समर्थन करना जो सरकार के सभी स्तरों पर कानून प्रस्तावों का मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार करते हैं, लिखते हैं और समीक्षा करते हैं। ये समूह प्रभावी ढंग से मौजूदा सांसदों पर दबाव बना सकते हैं।
- **लिखित, औपचारिक समझौते** विकसित करना जो सर्वाइवर के नेतृत्व वाले संगठनों और अन्य तस्करी विरोधी संगठनों के बीच सहयोग की शर्तों, ज़िम्मेदारियों और अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करें।
- सर्वाइवर नेतृत्व वाले मानव तस्करी संगठनों **को कॉर्पोरेट पेशेवर सेवाएं प्रदान** करने के लिये वित्त पोषित करना या **वॉलंटियर्स को संगठित करना**, और अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी पहल का एक हिस्सा इसके लिये नामित करना।
- मानव अधिकारों की रक्षा करने वाले सर्वाइवर नेताओं के लिये **आघात-सूचित सुरक्षा तंत्र के विकास और कार्यान्वयन का समर्थन करना।** सुनिश्चित करना कि ये तंत्र व्यक्ति की विशिष्टताओं और उनकी पहचान को ध्यान में रखें।

5. बहाली (हीलिंग) को सर्वाइवर नेतृत्व दृष्टिकोण के मुख्य घटक के रूप में एकीकृत करना।

सर्वाइवर्स को वास्तव में सशक्त बनाने के लिये, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि बहाली (हीलिंग) केवल एक विकल्प नहीं है; यह आधारशिला है। यह एक निष्क्रिय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक सुसंगत और निरंतर परिवर्तनकारी यात्रा है जो सर्वाइवर्स को दूसरों का नेतृत्व करने और प्रेरित करने के लिये भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक उपकरण प्रदान करती है।

जब सहयोगी बहाली (हीलिंग) पर आधारित सर्वाइवर नेतृत्व प्रथाओं का समर्थन करते हैं, तो यह एक ऐसे समुदाय का निर्माण करता है जहाँ केवल जीवित रहने के बजाय फलना-फूलना आदर्श बन जाता है। इससे सच्चा सशक्तिकरण और सार्थक परिवर्तन होता है।

अपने दृष्टिकोण में बहाली (हीलिंग) को केंद्रित करके, सहयोगी न केवल सर्वाइवर्स के जुझारूपन और ताकत को स्वीकार करते हैं, बल्कि उन्हें उनकी भलाई (वेलबीइंग) और सफलता के लिये आवश्यक सहायता भी प्रदान करते हैं।

- आंदोलनों और संगठनों के निर्माण के मूलभूत पहलू के रूप में **सामूहिक बहाली (हीलिंग) को केंद्रित करने** के बारे में सचेत रहना।
- **सर्वाइवर नेताओं को गहन बहाली (हीलिंग) कार्य करने और शोषण के बाद पुनर्निर्माण के अवसरों** का समर्थन और प्रचार करना।

- जब सर्वाइवर नेताओं से जुड़े प्रोजेक्ट्स को फंड किया जाये, तो **व्यक्तिगत या सामूहिक बहाली (हीलिंग) सहायता के लिये अतिरिक्त धनराशि शामिल किया जाना चाहिये।**
- **बहाली (हीलिंग) के अन्य रूपों को वैध बनाने** की पैरवी करना ताकि क्षेत्र में काम करने वाले सर्वाइवर्स का समर्थन करने के लिये वैकल्पिक बहाली (हीलिंग) प्रथाओं को मान्यता दी जा सके और वित्त पोषित (फंड) किया जा सके।
- मानव तस्करी के सर्वाइवर्स को प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करने के लिये **वैकल्पिक बहाली (हीलिंग) पद्धतियों के अभ्यासकर्ताओं (प्रैक्टिश्नर्स) को प्रशिक्षित करना।**

6. ज्ञान उत्पादन के वैकल्पिक रूपों की ओर बदलाव, और तस्करी विरोधी ज्ञान के आधार के रूप में जिये गये अनुभव को महत्व देना।

यद्यपि अकादमिक शोध को ज्ञान का मुख्य स्रोत माना जाता है, सर्वाइवर्स के पास मूल्यवान प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि होती है जो न केवल शोध को समृद्ध करती है बल्कि तस्करी विरोधी शोध के संचालन के लिये सिद्धांतों को भी स्थापित कर सकती है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि सर्वाइवर लोगों का ज्ञान, अकादमिक ज्ञान, के समान महत्व रखता है और इसे विभिन्न माध्यमों से व्यक्त किया जा सकता है, यह केवल अकादमिक के काम तक सीमित नहीं है।

सर्वाइवर्स माँग कर रहे हैं कि शिक्षा जगत, शैक्षणिक और सार्वजनिक संस्थान और मीडिया, तस्करी विरोधी ज्ञान पैदा करने के पारंपरिक तरीकों से हटें। सर्वाइवर अपनी कहानियों और अनुभवों को चित्रित करने के तरीके पर स्वामित्व की माँग करते हैं। नैतिक कहानी कहने, वृत्तचित्रों और अभिव्यक्ति के अन्य रचनात्मक रूपों के माध्यम से, हम अपनी सच्चाई कैसे बताई जाती है, इस पर अपना नियंत्रण बहाल करेंगे।

इसे संभव बनाने के लिये, सहयोगियों को निम्न चाहिये:

- मानव तस्करी पर **अकादमिक ज्ञान के उत्पादन में नेतृत्व करने और सक्रिय रूप से शामिल होने** के लिये सर्वाइवर्स के साथ सहयोग करना और उनकी क्षमताओं को मज़बूत करना:
  - उन देशों में जहाँ पहले से कोई राष्ट्रीय शोध इकाई मौजूद नहीं है वहाँ उसे स्थापित करना जो मानव तस्करी पर ध्यान केंद्रित करती हो, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक संस्थानों के सहयोग से काम करती हो।
  - अकादमिक शोध की समीक्षा करने के लिये "सर्वाइवर समीक्षा बोर्ड" के साथ जुड़ना और शोध नैतिकता के हिस्से के रूप में, नैतिक और आघात-सूचित शोध प्रथाओं पर प्रशिक्षण प्रदान करना।
  - शोध और ज्ञान के उत्पादन में रुचि रखने वाले सर्वाइवर्स के साथ-साथ पीएचडी करने में रुचि रखने वाले सर्वाइवर्स के लिये छात्रवृत्ति प्रदान करना।
  - यह सुनिश्चित करते हुये सहभागी कार्यवाही शोध (PAR) पद्धतियों के निर्माण को बढ़ावा देना करना कि शोध ज़मीनी स्तर पर हो और समाधानों पर केंद्रित हो। इसमें लंबे समय का शोध का निर्माण शामिल है जो सर्वाइवर्स के पुनर्एकीकरण की ओर संक्रमण के बाद की कहानियों पर केंद्रित है।
  - सर्वाइवर नेताओं को शोध प्रक्रिया में आगे बढ़ने के लिये सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करना।
  - छात्रवृत्ति, परामर्श कार्यक्रमों और अन्य अवसरों के माध्यम से सर्वाइवर के नेतृत्व वाले शोध को निधि देना।
  - अन्य सर्वाइवर्स को शिक्षित करने और उन्हें किताबें, पत्रिकाएं और शोध प्रकाशित करने के लिये सशक्त बनाने के लिये सर्वाइवर नेताओं को शिक्षण संस्थानों के साथ जुड़ने की सुविधा प्रदान करना।
  - अंतरअनुभागीय (इंटरसेक्शनल) और आघात-सूचित परिप्रेक्ष्य से व्यक्तिगत और सामूहिक बहाली (हीलिंग) पर केंद्रित शोध के विकास को बढ़ावा देना।
- पारंपरिक शैक्षणिक और संस्थागत परिवेश (सेटिंग्स) के भीतर और बाहर, **सर्वाइवर नेताओं द्वारा ज्ञान के निर्माण और मान्यता को बढ़ावा देना** और प्रासंगिक सार्वजनिक नीतियों को आकार देने के लिये इस शोध का लाभ उठाना।
- पाठ्यक्रम विकसित करने और मानव तस्करी के बारे में प्रशिक्षण के लिये सामग्री तैयार करने, विभिन्न दर्शकों के लिये एक अंतरअनुभागीय (इंटरसेक्शनल), नारीवादी और आघात-सूचित दृष्टिकोण को लागू करने के लिये सर्वाइवर नेताओं को नियुक्त करना और शामिल करना:
  - मानव तस्करी और शोषण पर बच्चों और युवाओं के अनुकूल पाठ्यक्रम तैयार करना, और इसे स्कूलों और विश्वविद्यालयों के लिये अनिवार्य करना।

- सेक्स के खरीदारों और संभावित खरीदारों को लक्षित कर रोकथाम शिक्षा पाठ्यक्रम।
- मानव अधिकार दृष्टिकोण से प्रशिक्षण और जागरूकता जो स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में परिवर्तन के एजेंट के रूप में सर्वाइवर्स की दृष्टि को केंद्र में रखती है।

- ऐसी जानकारी और जागरूकता पैदा करना जो मानव तस्करी से जुड़ी राजनीतिक ज़िम्मेदारी पर प्रकाश डाले,जो इस सोच से हटकर हो कि यह केवल कमज़ोर लोगों के साथ होता है।
- सार्वजनिक स्थानों (जैसे हवाई अड्डे, विश्राम स्थल आदि) में मानव तस्करी के बारे में जागरूकता जानकारी की गुणवत्ता में सुधार करना जो ग्रामीण क्षेत्रों सहित विभिन्न प्रकार के दर्शकों के लिये सुलभ हो।
- वृत्तचित्र और मूल कहानियाँ रचना और वितरित करना, जो राजनीतिक प्रचार और पीड़ित/उद्धारकर्ता की कहानियों से हटकर, सशक्त और नैतिक तरीके से सर्वाइवर्स की कहानियों को चित्रित करती हों।
- मानव तस्करी के इर्द-गिर्द मानकीकृत शब्दावली और भाषा को वित्तपोषित करना और बनाना जो न्यायसंगत, समावेशी और सशक्त हो - और विभिन्न कर्ताओं द्वारा इस भाषा के कार्यान्वयन की पैरवी करना।
- समुदाय के भीतर प्रशिक्षण और प्रस्तुति संसाधनों के वितरण के लिये एक स्पष्ट प्रक्रिया विकसित करना ताकि संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों को प्रशिक्षण सत्रों और जागरूकता के लिये दी जाने वाली फंडिंग का लाभ लेने से रोका जा सके और उन्हें एक बार के आयोजनों तक सीमित रखा जा सके।
- अपने आघात की कहानियाँ साझा करने वाले सर्वाइवर नेताओं के साथ सम्मानजनक, आघात-सूचित और स्पष्ट सहमति प्रक्रियाएं लागू करना। सुनिश्चित करना कि सर्वाइवर्स को उनके बारे में साझा की गई बातों की समीक्षा करने को मिले और उन्हें दी जाने वाली समयावधि और उपयोग के दायरे के बारे में पूरी जानकारी हो।

कार्यवाही के लिये एक आमंत्रण

हम आपको इस एक्शन प्लान को कार्यवाही के एक आमंत्रण के रूप में पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करते हैं:

सभी सर्वाइवर नेताओं के लिये: हम आपसे इस योजना का स्वामित्व लेने, आपके काम और जुनून के लिये सबसे अधिक प्रासंगिक कार्यों को लागू करने और यह सोचने के लिये प्रोत्साहित करते हैं कि आप उन्हें अपनी स्थानीय स्थिति के अनुसार कैसे अनुकूलित कर सकते हैं। सहयोग और समर्थन के लिये साथी सर्वाइवर्स तक पहुँचना जारी रखें। अपनी उपलब्धियाँ और सीख साझा करें। याद रखें: आप एक हैं, और साथ मिलकर, हम एक वैश्विक, सर्वाइवर नेतृत्व वाले तस्करी विरोधी आंदोलन के सह-निर्माण के अपने साझा दृष्टिकोण को प्राप्त कर सकते हैं।

हमारे सहयोगियों के लिये: इस योजना में उल्लिखित कार्यों की सफलता के लिये आपका समर्थन और संसाधन महत्वपूर्ण हैं। हम आशा करते हैं कि यह आपकी योजनाओं, नीतियों और प्रथाओं को सूचित करने के लिये एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करेगा। अपने संगठनों के साथ इस रणनीति पर विचार करने के लिये समय निकालें, यह निर्धारित करें कि कौन से लक्ष्य और गतिविधियाँ आपके काम के दायरे के लिये उपयुक्त हैं और उन्हें पूरा करने के लिये संसाधनों का आवंटन करें। और भविष्य की सभाओं के लिये सर्वाइवर एलायंस और अन्य सर्वाइवर नेतृत्व वाले संगठनों में शामिल हों।

कृपया इस एक्शन प्लान के बारे में अपनी कोई भी प्रतिक्रिया, साथ ही जिन गतिविधियों और सीखों में आप शामिल हैं, उनके बारे में कोई भी जानकारी हमारे साथ इसपर actionplan@survivoralliance.org साझा करें।

हम इस महत्वपूर्ण यात्रा का हिस्सा बनने के लिये आप पर भरोसा कर रहे हैं!

शब्दकोष

इस एक्शन प्लान में हम अपने साझा अनुभवों को संदर्भित करने के लिये "सर्वाइवर", "मानव तस्करी" और "दासता" शब्दों का उपयोग करते हैं। जबकि हमारा मानना है कि खुद को अभिव्यक्त करने और विभिन्न कर्ताओं को संबोधित करने के लिये एक आम भाषा उपयोगी और आवश्यक है, हम वैकल्पिक विवरणों की संभावना को बाहर नहीं करना चाहते हैं। जब हम "तस्करी या दासता से सर्वाइवर्स" की बात करते हैं तो हम समान जिये गये अनुभव वाले लोगों को शामिल करते हैं जो खुद को या अपने अनुभवों को एक अलग तरीके से पहचान सकते हैं। हम स्वीकार करते हैं कि हर किसी को अपने स्वयं के विवरण का ऐसे रूप में व्याख्या करने का अधिकार है जो उनके अनुभवों को समझ सके। हम अपने समुदाय के लिये एक समावेशी वातावरण बनाने और बढ़ावा देने के लिये अपनी भाषा में बदलाव के प्रति खुली मानसिकता रखते हैं।

जवाबदेही
पारदर्शिता, ईमानदारी और अपने कार्यों के लिये ज़िम्मेदारी स्वीकार करने का कार्य।

स्वायत्तता
स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने और स्वयं के लिये कार्यवाही का मार्ग अपनाने की क्षमता।

पक्षपात
किसी वस्तु, व्यक्ति या समूह के प्रति प्राथमिकता या पूर्वाग्रह, जो किसी के व्यवहार, दृष्टिकोण और विश्वासों के माध्यम से या तो जानबूझकर (स्पष्ट पूर्वाग्रह) या आकस्मिक रूप से (अंतर्निहित पूर्वाग्रह) अभिव्यक्त किया जाता है।

द्विपक्षीय संगठन
द्विपक्षीय शब्द का अर्थ है "दो तरफा" और यह उन संगठनों और एजेंसियों को संदर्भित करता है जो सीधे दो अच्छी तरह से परिभाषित पार्टियों, आम तौर पर दो देशों के बीच काम करते हैं। द्विपक्षीय संगठन अक्सर वित्तीय सहायता के रूप में प्रत्यक्ष या विकासात्मक सहायता प्रदान करते हैं। हालाँकि, एक देश का द्विपक्षीय संगठन कई अन्य देशों के साथ एक-से-एक आधार पर बातचीत कर सकता है। द्विपक्षीय एजेंसियों के उदाहरणों में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID) और स्वीडिश इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन एजेंसी (SIDA) शामिल हैं।

नीचे से ऊपर (बॉटम-अप) / ऊपर से नीचे (टॉप-डाउन) का दृष्टिकोण

बॉटम-अप दृष्टिकोण एक ऐसी प्रणाली को संदर्भित करता है जिसमें सर्वाइवर्स को जानकार और सक्षम विशेषज्ञों के रूप में केंद्रित किया जाता है जो निर्णय लेने वाले, सहयोगी और नेता के रूप में तैनात होते हैं जो अपने जिये गये अनुभव के कारण तस्करी विरोधी आंदोलन के लिये रणनीति बना रहे हैं।

टॉप-डाउन दृष्टिकोण उन दृष्टिकोणों को संदर्भित करता है जिसमें सहयोगी और तस्करी का अनुभव न रखने वाले लोग पर्याप्त ध्यान, इनपुट और सर्वाइवर्स के योगदान को प्राथमिकता दिये बिना निर्णय निर्माताओं, सहयोगियों और नेताओं के रूप में केंद्रित होते हैं।

निडर स्थान (ब्रेव स्पेस)
एक सहायक और पुष्टिकारक वातावरण जो साझा करने, सीखने और बहाली (हीलिंग) के लिये शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से सुरक्षित है (सुरक्षित स्थान भी देखें)। यह एक ऐसी जगह है जहाँ लोग अपने विविध दृष्टिकोण और जीवन के अनुभवों को साझा करने, असुरक्षित होने, अपने इरादों और दूसरों पर उनके प्रभाव को स्वीकार करने और सम्मान और दयालुता के साथ कठिन बातचीत करने के लिये प्रोत्साहित महसूस करते हैं।

बर्नआउट
अत्यधिक और लंबे समय तक तनाव के कारण होने वाली भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक थकावट की स्थिति।

सामूहिक बहाली (हीलिंग)
एक सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक और भौतिक यात्रा जिसमें आराम, खुशी और समर्थन के अवसर शामिल हैं जो नुकसान को स्वीकार करती है और एक समुदाय के रूप में समग्र पुनर्प्राप्ति की सक्रिय प्रक्रिया शुरू करती है।

कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोन्सिबिलिटी या CSR)
यह विचार कि कंपनियों को सामाजिक रूप से जवाबदेह और ज़िम्मेदार होने और समुदायों की मदद करने के लिये अपना व्यवसाय चलाते समय सामाजिक मुद्दों को ध्यान में रखना चाहिये।

प्रत्यक्ष सेवाएं
व्यावसायिक सहायता देखभाल जो ज़रूरतमंद व्यक्तियों को निजी और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें सहकर्मी समर्थन, संकट प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, आवास सहायता और पुनर्वास सेवाएं तक शामिल हो सकती हैं।

नारीवाद
एक सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन और विचारधारा जिसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों और हितों को बढ़ावा देने में विशेष रुचि के साथ सभी जेंडरों की राजनीतिक, आर्थिक, व्यक्तिगत और सामाजिक समानता स्थापित करना है।

मानव तस्करी
संयुक्त राष्ट्र के अनुसार[7], व्यक्तियों की तस्करी का अर्थ है शोषण के उद्देश्य से किसी अन्य व्यक्ति पर नियंत्रण रखने वाले व्यक्ति की सहमति प्राप्त करने के लिये धमकी या बल के उपयोग या बल के अन्य रूपों के माध्यम से व्यक्तियों की भर्ती, परिवहन, स्थानांतरण, शरण देना या प्राप्त करना, अपहरण, धोखाधड़ी, धोखे, शक्ति का दुरुपयोग या भेद्यता की स्थिति या भुगतान या लाभ देना या प्राप्त करना। शोषण में कम से कम, दूसरों की वेश्यावृत्ति का शोषण या यौन शोषण के अन्य रूप, जबरन श्रम या सेवाएं, दासता या दासता के समान अन्य प्रथाएं, अधीनता या अंगों को निकालना शामिल होगा।

अंतरअनुभागीयता (इंटरसेक्शनेलिटी)
जटिल, संचयी तरीकों को समझने के लिये एक ढाँचा जिसमें सामाजिक पहचान की कई प्रणालियाँ (जैसे, नस्ल, जेंडर, यौन रुझान, वर्ग) आपस में जुड़ती हैं और अद्वितीय गतिशीलता और प्रभाव पैदा करती हैं जो शक्ति, विशेषाधिकार और उत्पीड़न को प्रभावित कर सकती हैं।

LGBTQIA+
LGBTIA+ लेबल उन लोगों को संदर्भित करता है जो खुद की पहचान लेस्बियन, गे, बाईसेक्शुअल, ट्रांस, क्वीयर, इंटरसेक्स, अलैंगिक या एसेक्शुअल या अन्य हाशिए पर स्थित यौन और जेंडर पहचानों के रूप में करते हैं। यह उन लोगों के समुदाय को भी संदर्भित करता है जिनकी यौन पहचान को ऐतिहासिक रूप से बाहर रखा गया था और अब वे एक सामान्य सांस्कृतिक अनुभव से एकजुट हैं।

आधुनिक दासता
व्यक्तिगत या व्यावसायिक लाभ के लिये लोगों निरंतर शोषण जहाँ लोग धमकियों, हिंसा, जबरदस्ती, धोखे और / या शक्ति के दुरुपयोग के कारण इनकार नहीं कर सकते या छोड़ नहीं सकते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और पारस्परिक आघात होता है, साथ ही वित्तीय और सामाजिक अस्थिरता और असमानताएं, और लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतों कमज़ोर पड़ जाते हैं[8]।

आंदोलन निर्माण
लोगों को एक सामूहिक दृष्टि की दिशा में काम करने के लिये संगठित करने और प्रेरित करने का कार्य जो समुदाय के लिये महत्वपूर्ण है। इसे जिये गये अनुभव वाले लोगों पर ध्यान केंद्रित करके, हितधारकों के बीच और उनके बीच संबंधों को मज़बूत करने, शोध, पैरवी, अभियान और सामुदायिक आयोजन के माध्यम से कार्य करने और प्रयासों को बनाये रखने के लिये क्षमता का निर्माण करके किया जाता है।

न्यूरोडायवर्स
एक लेबल है जिसका उपयोग मस्तिष्क के कामकाज और अनुभूति में आंतरिक विविधता का वर्णन करने के लिये किया जाता है, जैसे कि ऑटिज़्म या ध्यान में कमी की सक्रियता विकार (ADHD) वाले लोगों में होता है।

---

[7]व्यक्तियों की तस्करी में संयुक्त राष्ट्र तस्करी प्रोटोकॉल से अनुकूलित - अनुच्छेद 3, पैराग्राफ ए, Adapted from the UN Trafficking in Persons Protocol - Article 3, Paragraph A, https://www.unodc.org/documents/data-and-analysis/glotip/Annex_II_-_Definition_and_mandate.pdf

[8]निकोलसन, ए., डांग, एम., और ट्रॉड, जेड. (2018)। ए फुल्ल फ्रीडम: कन्टेम्परेरी सर्वाइवर्स डेफ़िनिशन्स ऑफ स्लेवरी। ह्यूमन राइट्स लॉ रिवियू, 18(4), 689-704। https://doi.org/10.1093/hrlr/ngy032

पुन: आघात
नई दर्दनाक घटनाओं के संपर्क में आने या अतीत में किसी व्यक्ति द्वारा अनुभव की गई दर्दनाक घटनाओं को फिर से अनुभव करने की क्रिया।

सुरक्षित स्थान
एक सहायक और सकारात्मक स्थान जो साझा करने, सीखने और बहाली (हीलिंग) के लिये शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है। हालाँकि, ऐसे स्थानों में भी ऐसे क्षणों का जोखिम हमेशा बना रहता है जब लोग सुरक्षित नहीं हो सकते क्योंकि दूसरों के विचारों और कार्यों की भविष्यवाणी करना असंभव है।

खुद की देखभाल (सेल्फ केयर)
किसी के भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिये खुद की देखभाल करने की सक्रिय प्रक्रिया।

दासता
संयुक्त राष्ट्र दासता को उस व्यक्ति की स्थिति या अवस्था के रूप में परिभाषित करता है[9] जिस पर स्वामित्व के अधिकार से जुड़ी किसी भी या सभी शक्तियों का प्रयोग किया जाता है।

कलंकीकरण / दोषारोपण
एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान और पहचान की एक विशेषता को इस तरह से सीमित करना शामिल है जो उनके पूरे व्यक्तित्व को छीन लेता है। उदाहरण के लिये, किसी सर्वाइवर की सामाजिक पहचान को केवल उनके तस्करी के अनुभवों तक सीमित कर देना।

उत्तरजीवी (सर्वाइवर)
एक लेबल जिसका उपयोग उन व्यक्तियों का वर्णन करने के लिये किया जाता है जो मानव तस्करी और / या आधुनिक दासता के अनुभवों से गुज़रे हैं। हम इस शब्द का उपयोग किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने के लिये करते हैं जो शोषण की स्थिति से बाहर निकल चुके हैं।

उत्तरजीवी (सर्वाइवर) नेता
मानव तस्करी और / या दासता का जिया गया अनुभव रखने वाले कोई व्यक्ति जो सकारात्मक बदलाव लाने के लिये अपने अनुभव का उपयोग कर रहे हैं।

आघात-सूचित
एक दृष्टिकोण जो आघात के व्यापक प्रसार और प्रभाव को महसूस करता है, आघात के संकेतों और लक्षणों को पहचानता है, नीतियों, प्रथाओं और प्रक्रियाओं में आघात के बारे में ज्ञान को पूरी तरह से एकीकृत करके प्रतिक्रिया करता है, सर्वाइवर्स के पुन: आघात का सक्रिय रूप से विरोध करना चाहता है, और सर्वाइवर्स की सुरक्षा, पसंद और नियंत्रण की भावनाओं को बहाल करने को प्राथमिकता देता है।

सांकेतिकवाद (टोकनिज़्म)
सर्वाइवर्स को उन चर्चाओं में शामिल करने का केवल सतही प्रयास करने की प्रथा जो उन्हें सीधे प्रभावित करती है, वास्तव में उन्हें वह स्थान और अधिकार दिये बिना जिसके वे हकदार हैं।

पीड़ित को दोषी ठहरना
तस्करी के अनुभव के लिये ज़िम्मेदार व्यक्तियों और प्रणालियों के बजाय सर्वाइवर पर तस्करी के लिये व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी डालना। उदाहरण के लिये, तस्करी के सर्वाइवर किसी व्यक्ति को तस्करी के लिये दोषी ठहराना या उन्हें वहाँ से जल्दी न निकलने के लिये दोषी ठहराना।

विचित्र (वाइकेरीअस) आघात
सर्वाइवर्स को उन चर्चाओं में शामिल करने का केवल सतही प्रयास करने की प्रथा जो उन्हें सीधे प्रभावित करती है, वास्तव में उन्हें वह स्थान और अधिकार दिये बिना जिसके वे हकदार हैं।

[9]दासता सम्मेलन, अनुच्छेद 1 से अनुकूलित: https://www.ohchr.org/en/instruments-mechanisms/instruments/slavery-convention#:~:text=(1)%20Slavery%20is%20the%20status,right%20of%20ownership%20are%20exercised.

Survivor Alliance

survivoralliance.org